You Tube kanwhizztimes
@kanwhizztimes lucknow
@kanwhizztimes
www.kanwhizztimes.com

कैनविज टाइम्स

सिर्फ सच

❑ वर्ष-15 ❑ अंक-191 ❑ सोमवार, 10 अगस्त 2026 ❑ नगर संस्करण ❑ लखनऊ से प्रकाशित एवं दिल्ली, पंजाब और उत्तराखंड में प्रसारित ❑ मूल्य- ₹ 3.00 ❑ पृष्ठ-12

भारत छोड़ो आंदोलन में शामिल लोगों का बलिदान और संकल्प भारतीयों की आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा। ऐतिहासिक भारत छोड़ो आंदोलन में भाग लेने वाले सभी लोगों को याद करता हूं। उनका साहस हमेशा हर भारतीय के लिए प्रेरणा बना रहेगा। नरेंद्र मोदी

राष्ट्रीय हितों और संप्रभुता की रक्षा के लिए सभी को तत्पर रहना चाहिए : उप राष्ट्रपति 11

मुख्यमंत्री ने उत्तराखंड क्षत्रिय कल्याण समिति की वेबसाइट और स्मारिका का किया विमोचन 12

संक्षेप

डॉ. सोनिया नित्यानंद को दोबारा केजीएमयू की कमान

लखनऊ। केजीएमयू की कमान एक बार फिर पद्मश्री डॉ. सोनिया नित्यानंद को सौंप दी गई है। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने उन्हें तीन वर्ष के लिए दोबारा केजीएमयू का कुलपति नियुक्त किया है। इसके साथ ही डॉ. सोनिया नित्यानंद के नाम विश्वविद्यालय के इतिहास में एक नया अध्याय जुड़ गया है। 1905 में स्थापित केजीएमयू के इतिहास में पहली बार किसी डॉक्टर को दोबारा कुलपति की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

डीमैट, म्यूचुअल फंड खाते में नॉमिनी जोड़ना ही होगा

नई दिल्ली। डिमैट और म्यूचुअल फंड खातों के नामांकन (नॉमिनी) से जुड़े नए नियम एक सितंबर 2026 से लागू हो जा रहे हैं। अब निवेशकों के लिए एकल डिमैट खाते और म्यूचुअल फंड फोलियो में नॉमिनी का नाम देना अनिवार्य होगा। यदि वे नॉमिनी नहीं देना चाहते हैं तो नामांकन से बाहर रहने की घोषणा करनी होगी। शेयर बाजार नियामक सेबी ने हाल ही में नियमों में बदलाव किया है। सेबी के अनुसार, इस बदलाव का उद्देश्य निवेशक की मृत्यु के बाद शेयर और म्यूचुअल फंड यूनिट्स का हस्तांतरण आसान बनाना और कानूनी विवाद कम करना है। अगर कोई निवेशक नॉमिनी नहीं बनाना चाहता, तो वह अपने ब्रोकर, बैंक या म्यूचुअल फंड की वेबसाइट या ऐप पर लॉगिन करके 'ऑप्ट-आउट' (नामांकन नहीं करने) का विकल्प चुन सकता है। इसके लिए निर्धारित घोषणा-पत्र जमा करना होगा। संयुक्त (जॉइंट) डिमैट खातों या म्यूचुअल फंड फोलियो में नॉमिनी बनाना अब भी वैकल्पिक रहेगा। हालांकि, ऐसे मामलों में नॉमिनी जोड़ने या बदलने के लिए सभी संयुक्त खाताधारकों की सहमति जरूरी होगी।

अनुपालन का बोझ अब भी कारोबार सुगमता में बड़ी बाधा: संसदीय समिति

नयी दिल्ली। संसदीय समिति ने कहा है कि केंद्र सरकार के कई चरणों में किए गए विनियमन-सरलीकरण के प्रयासों के बावजूद कारोबारी अनुपालन का कुल बोझ अब भी घरेलू उद्यमों के लिए बड़ी बाधा बना हुआ है। संसद की वाणिज्य संबंधी विभागीय स्थायी समिति ने 'भारत में कारोबारी सुगमता : आगे की राह' विषय पर अपनी रिपोर्ट में कहा कि विभिन्न हितधारकों ने समिति को बताया कि देशभर में 40,000 से अधिक नियामकीय दायित्व समाप्त किए जा चुके हैं, लेकिन एक-दूसरे से मेल खाते और दोहराव वाले नियम अब भी परिचालन लागत बढ़ा रहे हैं और दीर्घकालिक निवेश को प्रभावित कर रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, हितधारकों ने बताया कि भारत में कारोबार करने वाली एक सामान्य कंपनी को वर्तमान में 1,536 अलग-अलग कानूनों के तहत 69,233 अनुपालन आवश्यकताओं का पालन करना पड़ता है। इसके अलावा केंद्र, राज्य और स्थानीय स्तर पर 6,618 वैधानिक विवरणियां दाखिल करनी होती हैं।

'अब नहीं होगा कि देश में रहे और राष्ट्रीय प्रतीकों का अपमान करें'

मुख्यमंत्री ने किया 'हर घर तिरंगा' अभियान का शुभारंभ

कैनविज टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को अपने सरकारी आवास पांच कालिदास मार्ग से 'हर घर तिरंगा' अभियान की शुरुआत की। वह दोनों उप मुख्यमंत्रियों केशव व ब्रजेश पाठक, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी, संगठन महामंत्री धर्मपाल और राज्य सरकार के मंत्रियों व भाजपा कार्यकर्ताओं और विद्यार्थियों के साथ विधान भवन तक यात्रा में शामिल रहे। मुख्यमंत्री ने यात्रा से पहले मंच से कहा, अब यह नहीं चलेगा कि कोई देश में रहे और राष्ट्रीय प्रतीकों, महापुरुषों, राष्ट्रगान या राष्ट्रीय गीत का अपमान करे।

विधान भवन तक निकाली गई इस तिरंगा यात्रा में लगातार वंदे मातरम और भारत माता की जय का उ?द्घोष होता रहा। पांच कलिदास मार्ग, सिविल अस्पताल, अटल चौक होते हुए यात्रा विधान भवन तक गई। इस दौरान पूरे रास्ते भर राष्ट्रभक्ति का ज्वार उमड़ता दिख रहा था। विधान भवन के सामने मुख्यमंत्री ने गुब्बारा उड़ाकर यात्रा समाप्त की। मुख्यमंत्री ने तिरंगा फहराते बच्चों के साथ सेल्फी ली और उनकी हौसला अफजाई की। यात्रा शुरू होने से पहले वंदे मातरम का सामूहिक गान किया गया। मुख्यमंत्री ने स्वाधीनता दिवस की अग्रिम बधाई देते हुए अपील की कि सभी लोग अपने अपने घरों में तिरंगा लगाएं। मुख्यमंत्री ने तिरंगा को सादगी, विकास, विरासत और भारत की आन-बान-शान का प्रतीक बताया।

❑ योगी दोनों उप मुख्यमंत्रियों केशव और ब्रजेश पाठक समेत मुख्यमंत्री आवास से विधानभवन तक हुए तिरंगा यात्रा में शामिल

❑ मुख्यमंत्री ने कहा, हर युवा के लिए प्रेरणा है राष्ट्र प्रथम का मंत्र, हर घर पर फहराएं तिरंगा, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी, संगठन महामंत्री धर्मपाल और राज्य सरकार के मंत्री भी रहे शामिल

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यात्रा से पहले उपस्थितजनों को संबोधित करते हुए कहा कि तिरंगा सादगी, विकास, विरासत और भारत की आन-बान-शान का प्रतीक है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत के प्रतीकों के प्रति सर्वोच्च सम्मान बनाए रखने के लिए राष्ट्रगान व राष्ट्रगीत का अपमान करने वालों को संज्ञेय अपराध की सूची में रखते हुए दंडित करने का निर्णय भी लिया है। उन्होंने कहा कि अब यह नहीं हो सकता कि रहेंगे भारत में लेकिन भारत के प्रतीकों, महापुरुषों, राष्ट्रगान-राष्ट्रगीत को अपमानित ● शेष पेज 11 पर

मुख्यमंत्री आवास से विधान भवन तक उमड़ा युवाओं का हुजूम

लखनऊ। देश के 80वें स्वतंत्रता दिवस (15 अगस्त) से पहले राजधानी में रविवार की सुबह राष्ट्रभक्ति का रंग और गाढ़ा होता दिखा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अगुआई में निकाली गई तिरंगा यात्रा में बड़ी संख्या में विद्यार्थी हाथों में तिरंगा लेकर यात्रा में शामिल हुए। रास्ते भर मुख्यमंत्री के दाएं और बाएं भारत स्काउट्स एंड गाइड्स की दो छात्राएं हाथों में तिरंगा लिए कदमताल करती दिखीं। इस दरम्यान विधान भवन के पास एक निजी डिफेंस एकेडमी संस्थान के बच्चों ने मानव शृंखला बना कर विधानभवन से हजरतगंज चौराहे तक करीब 2 हजार फीट लंबा तिरंगा फहराया। मुख्यमंत्री आवास से जैसे-जैसे यात्रा विधान भवन की ओर बढ़ी, राजधानी की सड़कों पर देशभक्ति का रंग चढ़ता चला गया। हाथों में लहराते तिरंगे, उत्साह से भरे चेहरों ने यात्रा को भव्य बना दिया। यात्रा की शुरुआत में शामिल हुए लोगों पर पुष्पवर्षा हुई। देशभक्ति की अलग जगाते युवाओं पर रास्ते भर फूल बरसाए जाते रहे। यात्रा में सरकारी और निजी स्कूलों के हजारों छात्र-छात्राओं ने पूरे जोश के साथ हिस्सा लिया।

ममता की गाड़ी घेरकर पत्थर चप्पल और कीचड़ फेंके

एजेंसी

कोलकाता। टीएमसी कार्यकर्ता की मौत के बाद उसके परिवार से मिलने जा रहीं पार्टी सुप्रीमो ममता बनर्जी की गाड़ी को घेरकर प्रदर्शनकारियों ने पत्थर, चप्पल और कीचड़ फेंके। साथ ही आपत्तिजनक शब्दों का प्रयोग करते हुए नारेबाजी की। यह घटना उत्तर 24 परगना जिले के हलीशहर में रविवार को हुई। घटना के बाद पुलिस घेरे में ममता बनर्जी को ले जाया गया। टीएमसी प्रमुख ने पत्रकारों से कहा कि असामाजिक तत्वों ने मेरी कार पर पत्थर, जूते और कीचड़ से हमला किया गया। यह एक साजिश के अलावा और कुछ नहीं है। पुलिस को सूचित किया था कि मैं आ रही हूं, लेकिन इसके बावजूद सुरक्षा के कोई इंतजाम नहीं किए गए। पूर्व मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि उनकी गाड़ी पर बड़ी ईंटें भी फेंकी गईं। उन्होंने कहा कि मेरा सिर फूट सकता था। मेरी जान जा सकती थी।

ममता बनर्जी ने मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि उन्हें पुलिस से कोई खास नाराजगी नहीं है, लेकिन आरोप लगाया कि राज्य सरकार के इशारे पर पुलिस बल का इस्तेमाल किया जा रहा है। पुलिस गुंडों को बचा रही है। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी इस मामले को कानूनी रूप से आगे बढ़ाएगी। ममता बनर्जी के साथ लोकसभा सांसद कल्याण बनर्जी और राज्यसभा सांसद डोला सेन भी थे, जिन्होंने विरोध प्रदर्शन के बाद राज्य सरकार की कड़ी आलोचना की। कल्याण बनर्जी ने आरोप लगाया कि अधिकारी पुलिस के जरिए राज्य चला रहे हैं और राजनीतिक मकसद के लिए कथित माफिया तत्वों का इस्तेमाल कर रहे हैं। उन्होंने यह भी दावा किया कि अगर बनर्जी के ● शेष पेज 11 पर

भाजपा ने घटना की निंदा की

राज्य भाजपा प्रमुख सामिक भट्टाचार्य ने पूर्व मुख्यमंत्री पर हुए हमले की निंदा की और कहा कि भाजपा का इस घटना से कोई लेना-देना नहीं है। पुलिस को आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि यह जनता और टीएमसी के बीच का मामला है। भाजपा ऐसी हरकतों का समर्थन नहीं करती और घटना की निंदा करती है।

जवाबदेही से नहीं भाग सकती सरकार: राहुल

एजेंसी

नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा कि प्रयागराज में एक छात्र ने उनसे कहा कि अब उसके पास कोई रास्ता नहीं बचा है। वर्षों की तैयारी, परिवार की जमीन बेचने और माता-पिता पर कर्ज के बावजूद रोजगार नहीं मिलना उस छात्र की नहीं बल्कि ऐसी व्यवस्था की हार है जो युवाओं की मेहनत का उचित मूल्य देने में विफल है।

राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर रविवार को कहा कि प्रयागराज में एक छात्र ने उनसे कहा कि उसने सालों तक तैयारी की, परिवार की जमीन बेच दी और उसके माता-पिता पर कर्ज है लेकिन इसके बावजूद उसके हाथ में कुछ नहीं है। यह हार उस छात्र की नहीं है बल्कि उस व्यवस्था की है जिसने उसकी मेहनत का दाम देने से इनकार कर दिया।

उन्होंने केंद्र सरकार और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर छात्रों के मुद्दे पर चुप्पी साधने का आरोप लगाया। राहुल गांधी ने कहा कि छात्रों पर कार्रवाई की घटना को 13 दिन हो चुके हैं लेकिन गृह मंत्री की ओर से अब तक कोई बयान नहीं आया है। माफी मांगने के बजाय क्षमा बांटी जा रही है। राहुल गांधी ने कहा कि सरकार को यह नहीं समझना चाहिए कि विपक्ष जवाबदेही की मांग करना बंद कर देगा। राजधानी की सड़कों पर छात्रों पर लाठी और पैलेट का इस्तेमाल किया गया लेकिन गृह मंत्री ने इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। उन्होंने कहा कि सरकार को इस घटना की जवाबदेही लेनी ही पड़ेगी।

बीएनएस का उद्देश्य नागरिकों को न्याय सुनिश्चित करना है : शाह

एजेंसी

पुडुचेरी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को पुडुचेरी पुलिस को 'राष्ट्रपति ध्वज' (प्रेसिडेंट्स कलर) प्रदान किया। उन्होंने देश की आंतरिक सुरक्षा सुनिश्चित करने में बल की प्रतिबद्धता और समर्पण की सराहना की। अमित शाह ने अंग्रेजों के जमाने के रद्द किए गए आपराधिक कानूनों का जिक्र किया, जिनमें भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) भी शामिल है। उन्होंने कहा कि आईपीसी की जगह लागू की गई भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) का उद्देश्य नागरिकों के लिए न्याय सुनिश्चित करना है। पुडुचेरी के पुलिस बल को 'राष्ट्रपति ध्वज' प्रदान करने के बाद शाह ने कहा कि नए आपराधिक कानून तीन स्तंभों प्रौ?द्योगिकी, समयसीमा और विश्वास पर आधारित है।

पुडुचेरी के विकास के प्रति केंद्र की प्रतिबद्धता रेखांकित करते हुए गृह मंत्री ने

कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का सपना इस केंद्र-शासित प्रदेश को मजबूत करना रहा है। इसके लिए कई विकास योजनाएं शुरू की गई हैं। इनमें पिछले नौ वर्षों में 39,000 करोड़ रुपये का निवेश और हजारों करोड़ रुपये की लागत से सड़कों के विस्तार से जुड़ी परियोजनाएं शामिल हैं। उन्होंने कहा कि लखपति दीदी, उज्ज्वला और प्रधानमंत्री आवास योजना के अलावा शौचालयों के निर्माण जैसी विभिन्न सरकारी पहलों से पुडुचेरी के सात लाख नागरिकों को लाभ मिला है।

अमित शाह ने पुडुचेरी में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस बल के समर्पण और प्रतिबद्धता की सराहना की। पुडुचेरी पुलिस की संख्या करीब 5,000 है और वह केंद्र-शासित प्रदेश की सुरक्षा और आंतरिक सुरक्षा बनाए रख रही है। उन्होंने कहा कि आप यह काम किसी फाइल या आदेश के कारण नहीं, बल्कि अपनी प्रतिबद्धता और समर्पण की भावना से करते हैं। उन्होंने कहा कि भौगोलिक रूप से पुडुचेरी दक्षिण भारत के अलग-अलग राज्यों में फैला हुआ है और इसके कुछ हिस्से तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश के यानम और केरल के माहे में स्थित हैं। गृह मंत्री ने कोविड-19 महामारी के चुनौतीपूर्ण दौर को याद करते ● शेष पेज 11 पर

अमेरिका के साथ कोई बातचीत नहीं, मध्यस्थों के जरिए संदेशों का आदान-प्रदान : अराघची

तेहरान। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा है कि फिलहाल अमेरिका के साथ कोई सीधी बातचीत नहीं हो रही है और दोनों पक्षों के बीच केवल मध्यस्थों के जरिए संदेशों का आदान-प्रदान हो रहा है।

ईरानी समाचार एजेंसी मेहर के अनुसार, श्री अराघची ने कहा कि मध्यस्थ अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत फिर शुरू करने के रास्ते तलाश रहे हैं, लेकिन तेहरान का मानना है कि जब तक वाशिंगटन दोनों देशों के बीच हुए समझौता ज्ञापन (एमओयू) के कथित उल्लंघनों को लेकर सुधारात्मक कदम नहीं उठाता, तब तक बातचीत बहाल नहीं हो सकती। उन्होंने कहा, ''बातचीत के लिए परिस्थितियां तैयार करने के प्रयास जारी हैं।'' उन्होंने दोहराया कि अमेरिका द्वारा अपने कथित उल्लंघनों को ठीक किए जाने तक बातचीत फिर शुरू होने की कोई संभावना नहीं है। श्री अराघची ने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य में समुद्री मार्गों में बदलाव एक तकनीकी और कानूनी विषय है तथा इसे जलडमरूमध्य को फिर से खोलने के रूप में ● शेष पेज 11 पर

नशे में था पायलट, हवा में 300 फीट गिरा था एयर इंडिया का विमान

एजेंसी

नयी दिल्ली। एयर इंडिया का जो विमान गत 04 अगस्त को हवा में अचानक 300 फीट नीचे गिर गया था, उसका मुख्य पायलट नशीले पदार्थ के सेवन के लिए किये गये स्क्रीनिंग टेस्ट में पॉजिटिव पाया गया है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने रविवार को बताया कि घटना के बाद लैंडिंग के उपरांत दोनों पायलटों की स्क्रीनिंग की गयी थी ताकि यह पता लगाया जा सके कि कहीं वे तंत्रिका तंत्र को प्रभावित करने वाले किसी नशीले पदार्थ या दवा के प्रभाव में तो नहीं थे। मुख्य पायलट के जांच में पॉजिटिव पाये जाने के बाद उसका सैंपल प्रयोगशाला परीक्षण के लिए भेजा गया है जिससे इसकी अंतिम पुष्टि हो सकेगी। प्रयोगशाला परीक्षण की रिपोर्ट अभी नहीं आयी है। एयर इंडिया की उड़ान संख्या एआई 2379 थाईलैंड के फुकेट से दिल्ली आ रही थी। दिल्ली पहुंचने से कुछ पहले हवा में विमान अचानक 300 फीट नीचे गिर गया था। घटना में 13 यात्री और

चालक दल के चार सदस्य घायल हो गये थे जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। यह एयरबस कंपनी का ए320 विमान (पंजीकरण संख्या वीटी-ईएक्सओ) था। उड़ान में तीन शिशुओं समेत 137 यात्री और दो पायलट समेत चालक दल के आठ सदस्य थे। मंत्रालय ने बताया है कि इस हादसे को गंभीर दुर्घटना की श्रेणी में वर्गीकृत करते हुए जांच शुरू कर दी गयी है। विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) हादसे की जांच कर रहा है। विमान का ब्लैक बॉक्स (फ्लाइट डाटा रिकॉर्डर) और कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर जांच के लिए जब्त कर लिया गया है। बाद में विमान की दिल्ली में सुरक्षित लैंडिग हुई थी। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने दोनों पायलटों को जांच पूरी होने तक ड्यूटी से हटा दिया है।

राजनाथ ने सशस्त्र बलों के शौर्य की सराहना की, कहा रक्तदान को संस्कृति बनाएं युवा

भारत नागरिकों की रक्षा के लिए किसी भी हद तक जा सकता है : राजनाथ

एजेंसी

नयी दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' ने देश के सशस्त्र बलों की अद्वितीय वीरता का प्रदर्शन किया और दुनिया को यह संदेश दिया कि भारत अपने नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए किसी भी हद तक जा सकता है। वह यहां दिल्ली छावनी के बेस अस्पताल में एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

सिंह ने पाकिस्तान में मौजूद आतंकवादियों और उनके आकाओं को खत्म करने तथा भारत पर बुरी नजर डालने की हिम्मत करने वालों को कड़ा सबक सिखाने के लिए सशस्त्र बलों की तारीफ़ की। पहलगाम के आतंकी हमले के जवाब में भारतीय सशस्त्र बलों ने मई 2025 में 'ऑपरेशन सिंदूर' चलाया था। सिंह ने यहां बेस अस्पताल में 'सिंदूर महारक्तदान यात्रा' में कहा, '' 'ऑपरेशन सिंदूर' ने हमारे रक्षा बलों की अद्वितीय वीरता को दिखाया। इसने दुनिया को यह संदेश दिया कि भारत अपनी

महिलाओं के सिंदूर की रक्षा करते हुए अपने नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए किसी भी हद तक जा सकता है। इस विशाल रक्तदान शिविर की तुलना करते हुए सिंह ने कहा कि यह करुणा का प्रतीक है, जबकि 'ऑपरेशन सिंदूर' ने साहस का प्रदर्शन किया। रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि इस शिविर में महाराष्ट्र के लगभग 1,000 पहलवानों और एथलीटों ने हिस्सा लिया तथा सशस्त्र बलों के प्रति निस्वार्थ सेवा और एकजुटता की भावना दिखाई। रक्तदान करने वालों का आभार जताते हुए केंद्रीय मंत्री ने भरोसा जताया कि आज दान किया गया खून भविष्य में ज़रूरतमंद सैनिकों और उनके परिवारों के लिए एक भरोसेमंद रिज़र्व के तौर पर काम आएगा। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि हर रक्तदाता और रक्त लेने वाला, अपने-अपने तरीके से देश की सेवा कर रहा है, और लोगों, खासकर युवाओं से आग्रह किया कि वे रक्तदान को एक संस्कृति बनाएं। बयान के अनुसार, इस कार्यक्रम में महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, केंद्रीय आयुष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) प्रताप राव जाधव, महाराष्ट्र के उद्योग मंत्री उदय रवींद्र सामंत, सांसद श्रीकांत एकनाथ शिंदे, सेना प्रमुख जनरल धीरज सेठ, सशस्त्र बल चिकित्सा सेवा की महानिदेशक सर्जन वाइस एडमिरल आरती सरीन और अन्य वरिष्ठ सैन्य एवं नागरिक गणमान्य व्यक्ति शामिल हुए।

रक्षा मंत्रालय ने रविवार को बताया कि श्री सिंह ने दिल्ली छावनी स्थित बेस अस्पताल में 'सिंदूर महारक्तदान यात्रा' रक्तदान शिविर को संबोधित करते हुए सशस्त्र बलों द्वारा पाकिस्तान स्थित आतंकवादियों और उनके आकाओं को समाप्त करने की सराहना की और कहा कि भारत पर ''बुरी नजर'' डालने वालों को गंभीर परिणाम भुगतने पड़ेंगे। ऑपरेशन सिंदूर और रक्तदान अभियान के बीच समानता बताते हुए श्री सिंह ने कहा कि जहां ऑपरेशन सिंदूर ने साहस का प्रदर्शन किया, वहीं इस मेगा शिविर ने करुणा का प्रतिनिधित्व किया। महाराष्ट्र के लगभग 1,000 पहलवानों और खिलाड़ियों ने रक्तदाताओं के रूप में भाग लिया, जबकि शिविर में लगभग 500 स्वैच्छिक रक्तदाताओं ने हिस्सा लिया। श्री सिंह ने रक्तदान को ''जीवनदान'' और ''महादान'' बताया तथा जोर देकर कहा कि विज्ञान और चिकित्सा के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति के बावजूद मानव रक्त का कोई कृत्रिम विकल्प विकसित नहीं हुआ है। उन्होंने नागरिकों, विशेषकर युवाओं से स्वैच्छिक रक्तदान को एक संस्कृति बनाने का आग्रह किया और कहा कि रक्तदाता और रक्त लेने वाले अपने-अपने तरीके से राष्ट्र की सेवा कर रहे हैं। उन्होंने युवाओं ● शेष पेज 11 पर

फांसी से लटका मिला युवक का शव

कैनविज टाइम्स संवाददाता

रामसनेही घाट बाराबंकी। कोतवाली असंद्रा क्षेत्र में रविवार को देर शाम एक युवक का शव उसके घर के अंदर फांसी के फंदे पर लटका मिला ।सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव अपने कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है । मृतक की मां ने उसकी पत्नी और ससुरालियों पर उसे प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है ।

सूत्रों के मुताबिक कोतवाली क्षेत्र के पूरे गनी मजरे गजपतिपुर निवासी पिंटू रावत (26) पुत्र नारायण रावत घर से बाहर रहकर मजदूरी करता था दो दिनों पूर्व वह गांव आया था। शनिवार को उसकी मां ज्ञानवती अपनी बेटी की ससुराल रामसनेही घाट कोतवाली क्षेत्र के एक गांव चली गई थी । रविवार को देर शाम जब ज्ञानवती घर आई तो घर का दरवाजा खुला देखकर उसका माथा ठनका ।घर के अंदर जाने पर कमरे में अपने पुत्र का शव लटका देख उसके होश उड़ गए ।उसके चीखने चिल्लाने की आवाज पर ग्रामीणों की भारी भीड़ इकट्ठी हो गई ।इसी बीच सूचना पाकर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई ।मृतक की मां के अनुसार मृतक की पत्नी पिछले 6 महीने से अपने मायके में रह रही है ।कई बार वह उसे विदा करवाने गया लेकिन वह साथ नहीं आई । उसकी पत्नी और ससुरालियों पर उसे प्रताड़ित करने का आरोप लगाते हुए ज्ञानवती ने बताया कि इसी प्रताड़ना से तंग आकर उसके पुत्र ने यह कदम उठाया है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेजने के साथ ही अन्य विधिक कार्यवाही व जांच शुरू कर दी है। इस घटना से बुजुर्ग मां का रो रो कर बुरा हाल है।

मुख्यमंत्री ने राष्ट्रनायकों की प्रतिमा पर किया माल्यार्पण, बच्चों संग ली सेल्फी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने काकोरी शहीद स्मारक पर आयोजित कार्यक्रम में काकोरी ट्रेन एक्शन पर आधारित संगीतमय नाट्य प्रस्तुति भी देखी। इसमें कलाकारों ने 'वंदे मातरम', 'हंसते-हंसते चूम लेंगे फांसी के फंदों को हम', 'चाह नहीं मैं सुरबाला के गहनों में गूंथा जाऊं', 'शहीदों की चिताओं पर लगेंगे हर बरस मेले' आदि गीतों के जरिए राष्ट्रभक्ति की भावना का संचार किया और काकोरी व स्वतंत्रता संग्राम की गाथा को जीवंतता प्रदान की।

कलाकारों की प्रस्तुति देख दर्शकों ने भी भारत माता की जयकार से पूरे पंडाल को गुंजायमान कर दिया। यह नाट्य प्रस्तुति भारतेंदु नाट्य अकादमी के रंगमंडल द्वारा डॉ. सुमित श्रीवास्तव के निर्देशन में की गई। मुख्यमंत्री ने राष्ट्रनायकों का किरदार निभाने वाले कलाकारों के अभिनय की सराहना की। उन्होंने बच्चों की पेंटिंग पर आधारित 'वंदे मातरम' और काकोरी ट्रेन एक्शन के शहीदों-शासकीय अभिलेखों पर आधारित पुस्तिकाओं का विमोचन भी किया। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर राष्ट्रनायकों व काकोरी के शहीदों के परिजनों को सम्मानित किया। उन्होंने परमवीर चक्र विजेता मनोज पांडेय के भाई मनमोहन पांडेय, लांस नायक केवलानंद द्विवेदी की धर्मपत्नी कमला द्विवेदी, राइफल मैन सुनील जंग की मां बीना जंग को अंगवस्त्र व स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। इसके पश्चात मुख्यमंत्री ने स्वतंत्रता सेनानियों व काकोरी के अमर शहीदों के परिजनों को सम्मानित किया। इनमें स्वतंत्रता संग्राम सेनानी शिव नारायण गुप्ता के नाती देवाशीष गुप्ता, रामकृष्ण खत्री के पौत्र रोहित खत्री, शचींद्र नाथ बख्शी की नातिन मीता बख्शी, ठाकुर रोशन सिंह के प्रपौत्र प्रियांशु सिंह व राजीव सिंह, अशफाक उल्ला खां के परिजन आफाक उल्ला खां, राजा सिंह की पुत्रवधू

राजेश्वरी सिंह, कुंवर सिंह चौधरी की धर्मपत्नी लक्ष्मी देवी चौधरी आदि शामिल रहे। काकोरी शहीद स्मारक पर अमर शहीद वाटिका का विस्तारीकरण करते हुए इसमें 34 पौधे लगाए गए। मुख्यमंत्री ने 'एक पेड़ मां के नाम' के अंतर्गत त्रिवेणी (पीपल, बरगद, नीम) पौधे रोपे। उप मुख्यमंत्री, पर्यटन/संस्कृति मंत्री, महापौर समेत अन्य अतिथियों ने अशोक के पौधे लगाए। मुख्य वन संरक्षक (लखनऊ मंडल) रेणु सिंह, अवध वन प्रभाग के प्रभागीय वनाधिकारी सितांशु पांडेय की देखरेख में यह पौधरोपण किया गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राष्ट्रभक्ति की धुन के बीच सबसे पहले अमर शहीद चंद्रशेखर सिंह, रामप्रसाद बिस्मिल, राजेंद्र नाथ लाहिड़ी, ठाकुर रोशन सिंह, अशफाक उल्ला खां की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण किया। उन्होंने स्कूली बच्चों के साथ सेल्फी ली और उन्हें चॉकलेट भी दी। सीएम ने अमर शहीदों की फोटो के सम्मुख दोनों उप मुख्यमंत्रियों के साथ बैठकर फोटो भी खिंचवाई। मुख्यमंत्री ने काकोरी शहीद स्मारक में लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन किया। उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम से जुड़ी गतिविधियों पर आधारित प्रदर्शनी के बारे में जानकारी ली और उपस्थित लोगों को बलिदानियों/राष्ट्रनायकों के कृतित्व-व्यक्तित्व आदि के बारे में भी बताया। संस्कृति व पर्यटन विभाग के अपर मुख्य सचिव अमृत अभिजात ने सीएम योगी को प्रदर्शनी के बारे में विस्तृत जानकारी दी। राज्य ललित कला अकादमी की निदेशक डॉ. श्रद्धा शुक्ला ने भी अकादमी की तरफ से लगाई गई प्रदर्शनी के बारे में बताया। प्रदर्शनी में काकोरी से जुड़े घटनाक्रम को दर्शाते हुए राष्ट्रवीरों के चित्र भी प्रदर्शित किए गए।

चंद्रशेखर आजाद का त्याग और साहस देशवासियों को सदैव देता रहेगा प्रेरणा : गिरीश चंद्र यादव

कैनविज टाइम्स संवाददाता

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में भाजपा नेतृत्व के आह्वान पर तिरंगा यात्रा कार्यक्रम के तहत क्रांति दिवस के अवसर पर रविवार को भाजपा जौनपुर नगर उत्तरी मंडल की ओर से शहीदों की प्रतिमाओं पर स्वच्छता, पुष्पांजलि एवं दीपदान कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यकर्ताओं ने टाउनहाल मैदान स्थित शहीद चंद्रशेखर आजाद की प्रतिमा तथा सब्जी मंडी स्थित भगत सिंह पार्क में शहीद भगत सिंह की प्रतिमा की साफ-सफाई कर पूजन-अर्चन, पुष्पांजलि और दीप प्रज्ज्वलित कर श्रद्धांजलि अर्पित की।

मुख्य अतिथि प्रदेश सरकार के मंत्री गिरीश चंद्र यादव ने कहा कि चंद्रशेखर आजाद देश के महान और निडर क्रांतिकारी थे। उन्होंने अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ संघर्ष करते हुए देश की स्वतंत्रता के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। उनके त्याग और साहस से देशवासियों को सदैव प्रेरणा मिलती रहेगी।विशिष्ट अतिथि नगर

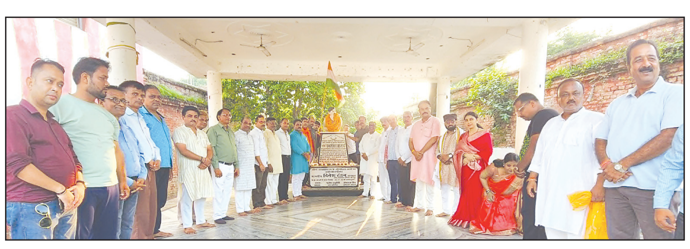

पालिका अध्यक्ष मनोरमा रामसूरत मौर्य ने कहा कि चंद्रशेखर आजाद और भगत सिंह की प्रतिमाओं का भव्य सौंदर्यीकरण कराया जाएगा। नगर पालिका परिषद की ओर से विद्युत लाइटों से सजावट भी कराई जाएगी।भाजपा जिला महामंत्री संदीप तिवारी ने भगत सिंह के बलिदान को याद किया। कार्यक्रम संयोजक एवं भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य राजेश श्रीवास्तव 'बच्चा भईया' एडवोकेट ने कहा कि आजाद और भगत सिंह जैसे क्रांतिकारियों का त्याग देश के लिए सदैव प्रेरणास्रोत रहेगा।पूर्व जिला महामंत्री सुरेंद्र सिंघानिया ने लोगों से तिरंगा यात्रा में बढ़-चढ़कर भाग लेने का आह्वान किया। भाजपा जिला उपाध्यक्ष एवं नगर उत्तरी मंडल प्रभारी परविंद चौहान ने कहा कि शहीदों के सम्मान में आयोजित ऐसे कार्यक्रम राष्ट्रभक्ति की भावना को मजबूत करते हैं।

कार्यक्रम का संचालन सहसंयोजक विजय केडिया ने किया। इस अवसर पर दीपक सिंह माटो, विकास शर्मा, अनिल गुप्ता, सनी चौधरी, प्रीति गुप्ता, विष्णु गुप्ता, कृष्ण कुमार साहू, आलोक सेठ, रमाशंकर सेठ, अमर जौहरी, दीपक जावा, दीपक श्रीवास्तव,गिरिजेश श्रीवास्तव, डॉ. उमाकांत श्रीवास्तव, सतेंद्र साहू, यशवंत साहू, राघवेंद्र दत्त दुबे, विकास अग्रहरी, विनय अग्रहरी, शिव कुमार मौर्य, कृष्ण कुमार जायसवाल, समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पिता के सामने पांच साल के इकलौते बेटे को एंबुलेंस ने रौंदा, 10 फीट उछला मासूम

कैनविज टाइम्स संवाददाता

झांसी। झांसी-कानपुर हाईवे पर रविवार सुबह तेज रफ्तार एंबुलेंस ने पिता के सामने पांच साल के मासूम को रौंद दिया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि रणवीर करीब 10 फीट ऊपर उछलकर सड़क पर जा गिरा। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजन आनन-फानन में उसे मेडिकल कॉलेज लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। हादसे के बाद एंबुलेंस चालक वाहन लेकर फरार हो गया। पुलिस उसकी तलाश में जुटी है।

हादसा चिरगांव थाना क्षेत्र के करगुआं गांव के पास हुआ। गांव निवासी राघवेंद्र राजपूत खेती-किसानी करते हैं। उनके दो बच्चे हैं। आठ साल की बेटी नित्या और पांच साल का बेटा रणवीर। रणवीर चिरगांव के बचपन स्कूल में नर्सरी में पढ़ता था।

राघवेंद्र ने बताया कि दोनों बच्चे घर से करीब 500 मीटर दूर ट्यूशन पढ़ने जाते थे। रविवार को स्कूल की छुट्टी होने के कारण सुबह ट्यूशन गये थे। छुट्टी के बाद वह दोनों बच्चों को लेकर घर लौट रहे थे। सुबह करीब आठ बजे झांसी-कानपुर हाईवे पार करते समय रणवीर अचानक उनसे दो कदम आगे निकल गया। तभी तेज रफ्तार में आ रही एंबुलेंस ने उसे टक्कर मार दी। राघवेंद्र के मुताबिक चालक ने ब्रेक तक नहीं लगाया और एंबुलेंस लेकर मौके से भाग गया। हादसे में बेटा लहूलुहान हो गया।

परिजन उसे तुरंत मेडिकल कॉलेज लेकर पहुंचे, लेकिन डॉक्टर उसे बचा नहीं सके। थाना प्रभारी ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और फरार चालक की तलाश की जा रही है। टक्कर के बाद चालक ने एंबुलेंस की रफ्तार और बढ़ा दी। कुछ दूरी पर टोल प्लाजा होने के बावजूद उसने वाहन धीमा नहीं किया। पुलिस अब हाईवे और टोल प्लाजा के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है, जिससे एंबुलेंस की पहचान कर चालक तक पहुंचा जा सके। इकलौते बेटे की मौत से राघवेंद्र सदमे में हैं। हादसे की खबर मिलते ही मां अंजू रोते-रोते बेसुध हो गईं। छोटा होने के कारण रणवीर माता-पिता और पूरे परिवार का लाड़ला था। उसकी मौत से घर में मातम पसरा हुआ है।

मंत्री नंदी ने लोक निर्माण अधिकारी के तबादले की सिफारिश, 36 साल से एक ही जिले में जमे हैं दिनेश सिंह

प्रयागराज, कैनविज टाइम्स संवाददाता। औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता 'नंदी' ने लोक निर्माण विभाग के प्रशासनिक अधिकारी दिनेश सिंह का स्थानान्तरण प्रयागराज मंडल के बाहर करने की सिफारिश की है। मंत्री ने प्रमुख सचिव, लोक निर्माण विभाग को पत्र लिखकर कहा है कि घ्डकवृत्त प्रयागराज में तैनात प्रधान सहायक जितेन्द्र कुशवाहा ने प्रार्थना-पत्र देकर शिकायत की है। आरोप है कि 27 सितंबर 2025 को दिनेश सिंह और उनके साथियों ने उनके साथ मारपीट की थी। अब तबादला करा देने की धमकी दी जा रही है। पत्र में कहा गया है कि दिनेश सिंह लगभग 36 वर्षों से प्रयागराज में ही तैनात हैं और यूपी पीडब्ल्यूडी सर्किल ऑफिस मिनिस्ट्रियल एसोसिएशन के जनपद अध्यक्ष पद पर लगातार तीसरी बार काबिज हैं। नियम के अनुसार किसी भी पदाधिकारी को एक ही कार्यकाल के बाद तबादले का लाभ मिलता है। साथ ही कर्मचारियों से जातिसूचक शब्दों में बात करने और गाली-गलौज का भी आरोप है। उ.प्र. राज्य कर्मचारी महासंघ ने भी दिनेश सिंह का प्रयागराज से बाहर तबादला करने की मांग की है। मंत्री ने पत्र में नियमानुसार कार्रवाई कर तबादला करने का अनुरोध किया है।

बेटे ने 105 वर्षीय मां को कांवड़ में बैठाकर कराया गंगा दर्शन, 28 लीटर गंगाजल के साथ हरिद्वार से 200 किमी पैदल चलकर पहुंचा संभल

संभल। उत्तर प्रदेश के जनपद संभल की बहजोई कोतवाली क्षेत्र के ग्राम खेतापुर में रहने वाला युवक हरिद्वार से कांवड़ में एक ओर गंगाजल और दूसरी ओर 105 वर्षीय मां को लेकर आया। सावन की कांवड़ यात्रा में लाखों श्रद्धालु भगवान भोलेनाथ की भक्ति में लीन है, लेकिन संभल के एक शिवभक्त ने अनोखी कांवड़ से आस्था को मातृ सेवा का ऐसा रूप दे दिया, जिसे देखकर हर कोई भावुक हो उठा। बहजोई थाना क्षेत्र के गांव खेतापुर निवासी 52 वर्षीय अपनी 105 वर्षीय हरदेई को कांवड़ में बैठाकर गंगाजल लेकर लौटे। उनके कंधों पर एक ओर 28 लीटर गंगा जल था तो दूसरी ओर साक्षात मां। जहां -जहां यह कांवड़ पहुंची, लोक नमन करते नजर आए। जैसे ही जोगिंदर अपनी अनोखी कांवड़ के साथ संभल पहुंचे सड़क किनारे श्रद्धालुओं और राहगीरों की भीड़ जुट गई। किसी ने हाथ जोड़कर उनका अभिनंदन किया तो किसी ने इस अनूठे दृश्य को अपने मोबाइल कैमरे में कैद कर लिया। पूरे रास्ते लोग उनकी मातृभक्ति और शिवभक्ति की प्रशंसा करते रहे। जोगिंदर ने बताया कि उनका सपना था कि वह अपनी मां को गंगा स्नान कराए इसलिए वह अपने बेटों के साथ हरिद्वार गए और वहां से कांवड़ के एक पलड़े में गंगाजल और दूसरे में अपनी 105 वर्षीय मां को बैठ कर पैदल ही संभल पहुंचे। हरिद्वार से संभल तक का सफर पैदल करने के बाद भी उनके चेहरे पर किसी भी तरह की कोई थकान नजर नहीं आई। वहीं जोगिंदर के पुत्र प्रमोद ने बताया कि उनका और उनके पिता का सपना था कि वह अपनी दादी को एक बार गंगा स्नान जरूर कराकर लाएं और उन्हें इस बार यह मौका मिल गया उन्होंने इसे अपने लिए बहुत ही बड़ा सौभाग्य बताया। वहीं इस विषय में 105 वर्षीय हरदेई ने बताया कि उन्हें अपने बेटे और पोते के इस कार्य पर बड़ी खुशी मिल रही है।

बरेका में विश्व आदिवासी दिवस पर भव्य शोभायात्रा का आयोजन

वाराणसी। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर रविवार को बनारस रेल इंजन कारखाना (बरेका) में आदिवासी परिवार, बरेका के तत्वावधान में भव्य शोभायात्रा एवं सांस्कृतिक समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में आदिवासी समाज की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, लोक परंपराओं और सामाजिक एकता की अनुपम झलक देखने को मिली। बरेका स्थित सेंट जॉन स्कूल, गेट संख्या-2 से शोभायात्रा प्रारंभ हुई, जो कुंदन तिराहा एवं सूर्य सरोवर मार्ग से होते हुए इंटर कॉलेज चौराहे पहुंची। वहां भगवान गौतम बुद्ध, जननायक बिरसा मुंडा तथा भारत रत्न डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण किया गया। इसके बाद शोभायात्रा पश्चिमी संस्थान, जलालीपट्टी पहुंचकर संपन्न हुई। शोभायात्रा में बड़ी संख्या में महिला-पुरुष, युवा और बच्चे पारंपरिक आदिवासी वेशभूषा में शामिल हुए। रंग-बिरंगे परिधान, पारंपरिक गीत-संगीत और लोकनृत्यों ने पूरे वातावरण को उत्साह एवं सांस्कृतिक गौरव से भर दिया। मार्ग में लोगों ने भी शोभायात्रा का स्वागत किया। पश्चिमी संस्थान, जलालीपट्टी में आयोजित सांस्कृतिक समारोह में आदिवासी समाज की विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने दर्शकों का मन मोह लिया। वक्ताओं ने आदिवासी समुदाय की समृद्ध परंपराओं, प्रकृति के प्रति उनके गहरे जुड़ाव तथा सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण और नई पीढ़ी तक उसके संवहन की आवश्यकता पर बल दिया। साथ ही सामाजिक समरसता, सांस्कृतिक विविधता और राष्ट्रीय एकता को मजबूत करने का आह्वान किया।

युवक गिरफ्तार, चोरी का सामान बरामद

कैनविज टाइम्स संवाददाता

मोहनलालगंज। लखनऊ।मोहनलालगंज थाना क्षेत्र के मऊ गांव में फर्नीचर की दुकान का ताला तोड़कर लाखों की मशीनें चोरी करने के मामले में पुलिस ने एक शातिर चोर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपी के कब्जे से चोरी की गई छह मशीनें बरामद की हैं। आरोपी को न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया है।पुलिस के मुताबिक, मऊ गांव निवासी अशोक शर्मा की फर्नीचर की दुकान से बीते शुक्रवार को वुड कटिंग मशीन, प्लेनर मशीन, ग्राइंडिंग मशीन, ड्रिल मशीन, रोटर मशीन और हैमर मशीन चोरी हो गई थीं। चोरी गए सामान की कीमत करीब 51 हजार रुपये बताई गई है। पीड़ित की तहरीर पर मोहनलालगंज पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर चोर की तलाश शुरू की थी।घटना के खुलासे के लिए गठित पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर बीते शनिवार को मऊ नहर पुलिया के पास से 20 वर्षीय छोटू पुत्र स्वर्गीय रामसजीवन निवासी मऊ, मोहनलालगंज को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उसकी निशानदेही पर चोरी की सभी छह मशीनें बरामद कर लीं।पूछताछ में आरोपी ने पुलिस को बताया कि उसने बीते शुक्रवार की रात करीब 3:30 बजे दुकान में चोरी की थी। दुकान का दरवाजा हल्का होने के कारण धक्का देने पर खुल गया, जिसके बाद वह अंदर घुसकर अलमारी में रखी फर्नीचर बनाने वाली मशीनें चोरी कर ले गया। आरोपी इन मशीनों को बेचने के लिए ले जाने की तैयारी में था, तभी पुलिस ने उसे पकड़ लिया।मोहनलालगंज इंस्पेक्टर रामबाबू सिंह ने बताया कि चोरी की घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम को खुलासे के लिए लगाया गया था। टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर चोरी का पूरा सामान बरामद कर लिया। उन्होंने बताया कि आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में कार्रवाई कर उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया है।पुलिस के अनुसार आरोपी के खिलाफ वर्ष 2022 में भी मोहनलालगंज थाने में मारपीट और धमकी देने की धारा में मुकदमा दर्ज है। गिरफ्तार करने वाली टीम में उपनिरीक्षक परवेज, उपनिरीक्षक अतुल सिंह, उपनिरीक्षक मंगल कुमार, कांस्टेबल आकाश कुमार और कांस्टेबल विजय सरोज शामिल रहे।

सावन के दूसरे सोमवार की पूर्व संध्या पर काशी विश्वनाथ धाम में उमड़ा आस्था का सैलाब

कैनविज टाइम्स संवाददाता

'बोल बम' और 'हर-हर महादेव' के जयघोष से गूंजा परिसर, दर्शन-जलाभिषेक के लिए शाम से ही कतार में लगे कांवड़िए

वाराणसी। सावन मास के दूसरे सोमवार की पूर्व संध्या पर रविवार शाम से ही श्री काशी विश्वनाथ धाम में श्रद्धालुओं और कांवड़ियों का सैलाब उमड़ पड़ा। बाबा विश्वनाथ के दर्शन और जलाभिषेक के लिए श्रद्धालु देर शाम से ही मंदिर परिसर और बैरिकेडिंग में कतारबद्ध होने लगे। 'बोल बम' और 'हर-हर महादेव' के जयघोष से पूरा क्षेत्र गूंजता रहा।

सोमवार भोर में मंगला आरती के बाद बाबा के जलाभिषेक और दर्शन-पूजन के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना को देखते हुए मंदिर प्रशासन और पुलिस ने व्यापक सुरक्षा एवं भीड़ प्रबंधन की व्यवस्था की है। रविवार को भी पूरे दिन श्रद्धालुओं का मंदिर पहुंचना और

दर्शन-पूजन कर लौटना जारी रहा। अलसुबह से ही बाबा का जलाभिषेक करने के लिए भक्त मंदिर पहुंचने लगे थे।

दशाश्वमेध घाट से श्री काशी विश्वनाथ धाम की ओर जाने वाले प्रवेश मार्गों पर श्रद्धालुओं की लंबी कतारें दिखाई दीं। सुरक्षा व्यवस्था के बीच श्रद्धालुओं को बैरिकेडिंग के जरिए चरणबद्ध तरीके से मंदिर में प्रवेश दिया जा रहा था। अपनी बारी का इंतजार करते शिवभक्तों के जयघोष से पूरा क्षेत्र शिवमय नजर आया। कांवड़ियों की सेवा में भी सामाजिक संगठन और बाबा के भक्तों के जत्थे जुटे रहे। दशाश्वमेध घाट स्थित चितरंजन पार्क सहित शहर के विभिन्न स्थानों पर कांवड़ियों के ठहरने, चाय-नाश्ते, भोजन और दवा आदि की व्यवस्था की गई। सेवा शिविरों में स्वयंसेवक कांवड़ियों की सेवा-सुश्रूषा में लगे रहे। गंगा के जलस्तर में बढ़ाव के बावजूद कांवड़ियों का उत्साह कम नहीं हुआ। कांवड़िए दशाश्वमेध घाट, प्राचीन शीतला घाट और राजेंद्र प्रसाद घाट पर गंगा में आस्था की डुबकी लगाकर कांवड़ में गंगाजल भरते रहे। इसके बाद वे बाबा विश्वनाथ के दरबार में जलाभिषेक के लिए रवाना होते रहे। सावन के दूसरे सोमवार को लेकर काशी के अन्य शिवालयों में भी श्रद्धालुओं की भीड़ रही। रविवार को सारनाथ स्थित सारंगनाथ महादेव मंदिर में दर्शन-पूजन के लिए शिवभक्त कतार में लगे रहे। वहीं, बीएचयू स्थित विश्वनाथ मंदिर में भी श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। इधर, पुलिस कमिश्नर मोहित अग्रवाल ने रविवार को गोदौलिया से श्री काशी विश्वनाथ धाम तक पैदल भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया।

अमर शहीद ठाकुर रोशन सिंह को दी श्रद्धांजलि

कैनविज टाइम्स संवाददाता

प्रयागराज। देश आज काकोरी केस के महानायकों की याद में काकोरी ट्रेन एक्शन दिवस मना रहा है । इस अवसर पर जगह जगह शताब्दी समारोह आयोजित हो रहे हैं । काकोरी केस के महा नायक अमर शहीद ठाकुर रोशन की शहादत स्थली प्रयागराज में भी शहीदों को नमन कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। शहर के स्वरूप रानी नेहरू अस्पताल परिसर में अमर शहीद ठाकुर रोशन सिंह के बलिदान स्थल को राष्ट्रीय गौरव दिलाने और स्वरूप रानी नेहरू चिकित्सालय (एसआरएन) का नाम उनके नाम पर किए जाने की मांग को लेकर एसआरएन अस्पताल परिसर में चल रहा अनिश्चितकालीन धरना में बड़ी संख्या में स्थानीय लोग शामिल हुए। लोगों ने अमर शहीद ठाकुर रोशन सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके बलिदान और स्वतंत्रता आंदोलन में योगदान को याद किया।

प्रदर्शन कर रहे लोगों ने कहा कि वर्ष 2026 ऐतिहासिक काकोरी ट्रेन एक्शन की

शताब्दी का वर्ष है। ऐसे ऐतिहासिक अवसर पर काकोरी केस के महानायक ठाकुर रोशन सिंह के बलिदान स्थल और उनकी विरासत को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान मिलना चाहिए था। वक्ताओं ने आरोप लगाया कि सरकारों की उपेक्षा के कारण उनके बलिदान से जुड़ी ऐतिहासिक पहचान धीरे-धीरे धूमिल हो रही है।

धरने को संबोधित करते हुए महुआ डाबर संग्रहालय के महानिदेशक एवं क्रांतिकारी-शहीद वंशज डॉ. शाह आलम राना ने कहा कि ब्रिटिश शासन के विरुद्ध संघर्ष करते हुए महान क्रांतिकारी ठाकुर रोशन सिंह का बलिदान प्रयागराज की मलाका जेल में हुआ था। उस दौर में मलाका जेल संयुक्त प्रांत की कुख्यात जेलों में गिनी जाती थी। उन्होंने कहा कि आज उसी ऐतिहासिक बलिदान स्थल पर स्वरूप रानी नेहरू चिकित्सालय स्थापित है, लेकिन इस स्थान से जुड़ी क्रांतिकारी विरासत की पहचान लगातार धूमिल होती जा रही है। उन्होंने कहा कि इस ऐतिहासिक उपेक्षा को अब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। डॉ. राना ने कहा कि महुआ डाबर संग्रहालय की स्पष्ट मांग है कि एसआरएन अस्पताल का नाम तत्काल अमर शहीद ठाकुर रोशन सिंह के नाम पर किया जाए। उन्होंने कहा कि जिन क्रांतिकारियों ने अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ संघर्ष करते हुए देश की आजादी का मार्ग प्रशस्त किया, आज उनकी स्मृतियों और विरासत को सम्मान दिलाने के लिए आंदोलन करना पड़ रहा है। यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। धरने को संबोधित करते हुए इंद्रजीत मौर्य ने कहा कि जिस पवित्र माटी पर अमर शहीद ठाकुर रोशन सिंह ने देश के लिए अपना रक्त बहाया, उसी स्थान को उनका नाम और सम्मान मिलना चाहिए था। उन्होंने कहा कि यदि तत्कालीन सरकारों ने उसी समय इस स्थल का नाम शहीद ठाकुर रोशन सिंह के नाम पर कर दिया होता तो आज लोगों को सड़क पर उतरकर आंदोलन करने की जरूरत नहीं पड़ती। उन्होंने कहा कि अमर शहीद ठाकुर रोशन सिंह पूरे देश के महानायक हैं। उनके सम्मान के लिए देशभर के लोगों को आवाज उठानी चाहिए और यह प्रत्येक नागरिक का राष्ट्रीय कर्तव्य है।

नाज अस्पताल में प्रसूता की मौत का मामला, सीएमओ ने गठित किया तीन सदस्यीय चिकित्सकीय बोर्ड

कैनविज टाइम्स संवाददाता

प्रयागराज। करेली स्थित नाज अस्पताल में प्रसव के बाद प्रसूता की मौत के मामले में चिकित्सकीय लापरवाही के गंभीर आरोपों को लेकर मुख्य चिकित्सा अधिकारी, प्रयागराज ने तीन सदस्यीय चिकित्सकीय बोर्ड गठित कर जांच के आदेश दिए हैं। मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय की ओर से 7 अगस्त 2026 को जारी आदेश में दोनों पक्षों को संबंधित अभिलेखों और साक्ष्यों के साथ उपस्थित होने के निर्देश दिए गए हैं।

शिकायतकर्ता दीनानाथ मौर्य ने अधिवक्ता सैयद अहमद फैजान एवं मौ. रियाज के माध्यम से शिकायत प्रस्तुत कर निष्पक्ष जांच की मांग की है। शिकायत के अनुसार उनकी पत्नी प्रतिमा मौर्य को प्रसव के लिए नाज अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उपचार के बाद उनकी मृत्यु हो गई। शिकायतकर्ता ने प्रसव के बाद तबीयत बिगड़ने के बावजूद उपचार में कथित लापरवाही का आरोप लगाते हुए जिम्मेदार लोगों की भूमिका की जांच की मांग की है।

शिकायत में मरीज की उपचार पर्ची, भर्ती एवं उपचार विवरण, दवाओं का ब्योरा तथा अन्य चिकित्सकीय अभिलेखों की जांच कराने का अनुरोध किया गया है। साथ ही डॉ. नाज फातिमा, नर्सिंगकर्मियों और अन्य कर्मचारियों की भूमिका, चिकित्सक की शैक्षणिक एवं व्यावसायिक योग्यता तथा अस्पताल के पंजीकरण और संचालन संबंधी दस्तावेजों की जांच की मांग की गई है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा गठित तीन सदस्यीय बोर्ड में अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी, उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी तथा तेज बहादुर सप्रू चिकित्सालय के स्त्री रोग विशेषज्ञ को शामिल किया गया है। शिकायतकर्ता पक्ष को 13 अगस्त को सुबह 11 बजे अभिलेखों सहित उपस्थित होने के निर्देश दिए गए हैं। वहीं बोर्ड 14 अगस्त को दोपहर दो बजे मामले की जांच और कार्यवाही करेगा। जांच के दौरान दोनों पक्षों के बयान, उपचार संबंधी अभिलेख और चिकित्सकीय कर्मियों की भूमिका की जांच की जाएगी। शिकायतकर्ता द्वारा लगाए गए चिकित्सकीय लापरवाही के आरोपों की पुष्टि जांच समिति की रिपोर्ट के बाद ही हो सकेगी।

हर माह रोजगार एवं कौशल मेला आयोजित हो : डॉ. राजेश्वर सिंह

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। सरोजनीनगर विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एवं केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री को पत्र भेजकर युवाओं के रोजगार और रोजगार-योग्यता बढ़ाने के लिए सरकार, उद्योग जगत और शिक्षण संस्थानों के बीच समन्वय पर आधारित एकीकृत रोजगार एवं कौशल मिशन शुरू करने का सुझाव दिया है।

उन्होंने कहा कि प्रत्येक जिले में हर माह एक निश्चित दिन रोजगार एवं कौशल मेला आयोजित किया जाए, ताकि युवाओं को स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर मिल सकें। इसके साथ ही उद्योगों को युवाओं को केवल नियुक्त करने तक सीमित न रहकर प्रशिक्षण, कौशल उन्नयन और पुनः कौशल विकास की जिम्मेदारी भी उठानी चाहिए।

डॉ. सिंह ने विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों, औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों और पॉलिटेक्निक संस्थानों को आजीवन कौशल उन्नयन केंद्र के रूप में विकसित करने का सुझाव दिया। उन्होंने कृत्रिम बुद्धिमत्ता, साइबर सुरक्षा, रोबोटिक्स, विद्युत वाहन, अर्धचालक, नवीकरणीय ऊर्जा और उन्नत विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में तीन, छह और 12 माह के रोजगारपरक पाठ्यक्रम शुरू करने की बात कही। उन्होंने उद्योग जगत, विश्वविद्यालयों और कौशल संस्थानों के साथ नियमित रोजगार एवं कौशल संवाद आयोजित कर अगले तीन से पांच वर्षों की मानव संसाधन और कौशल जरूरतों का आकलन करने का सुझाव भी दिया। डॉ. सिंह ने कहा कि भर्ती प्रक्रिया में मानवीय संवेदना जरूरी है। हर अभ्यर्थी केवल अंक या आवेदन संख्या नहीं, बल्कि किसी परिवार की उम्मीद है। कौशल की कमी के कारण युवाओं को सीधे अस्वीकार करने के बजाय प्रशिक्षण और मार्गदर्शन का अवसर दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार की क्षमता, शिक्षण संस्थानों का ज्ञान और उद्योग जगत की जिम्मेदारी मिलकर देश के युवा जनसांख्यिकीय लाभ को वास्तविक रोजगार लाभ में बदल सकती है।

एटीएम मशीन में फसा कार्ड, 45 हजार रुपये निकले

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। सुशान्त गोल्फ सिटी इलाके के एक बार फिर एटीएम मशीन में कार्ड फस गया और पीड़ित के खाते से 45 हजार निकल गए। एटीएम मशीन में कार्ड फसने व उसके खाते से पैसा निकलने की घटना कोई पहली नही है। सुशान्त गोल्फ सिटी पुलिस के जांच के ढीले रवैये से जांच अधर में अटकी है।

पीड़ित अरविन्द कुमार ने बताया कि वह वर्तमान समय खुर्दही मे रहता है। उन्होंने बताया कि 6.मई 26 को खुर्दही स्थित एस बी आई ए टी एम पर लगभग 5.15 बजे 2000 रूपया अपने कार्ड से निकला। उसी दौरान मेरा कार्ड मशीन मे फस गया। तभी ए टी एम रुम मे लगे पेपर पर लगे एक मोबाईल नम्बर पर मैने काल किया। उस नं0 से मेरी बातचीत हुई और मुझे फसे ए टी एम कार्ड को निकालने कि जानकारी उपलब्ध करायी गई। इतना सब होने के बाद भी मेरा कार्ड नही निकला। पुनः उसी नम्बर से काल करके बताया गया कि कल मशीन से कार्ड सुबह निकलवा दूंगा। काफी देर इंतजार करने के बाद मैं घर चल गया। मेरे खाते से पांच बार में 45 हजार रुपये निकल गए। पीडित ने बताया कि वह कई महीनों से इस मामले की एफआईआर दर्ज कराने के लिए तहरीर दे रहा है लेकिन सुशान्त गोल्फ सिटी पुलिस मुकदमा दर्ज नही किया। जब उच्चाधिकारियों से शिकायत हुई तो चार महीने बाद मुकदमा दर्ज किया। सुशांत गोल्फ सिटी के कटरा बक्कास में रहने वाले शिक्षक बृजेश कुमार मौर्या के खाते से बीते 17 जून को 25 हजार रुपये एटीएम से निकल गए। वह भी खुर्दही बाजार स्थित एक्सिस बैंक के एटीएम बूथ पर गए थे। एटीएम मशीन में कार्ड डालने ने बाद रुपये निकालने की प्रक्रिया की लेकिन मशीन में कार्ड फंस गया। उन्होंने वहां चस्पा बैंक के टेक्निकल टीम के नंबर पर शिकायत की। टेक्निकल टीम नहीं पहुंची तो वे घर आ गए। इसी दौरान मोबाइल पर 25 हजार निकलने का मैसेज आया। बृजेश दोबारा एटीएम बूथ पहुंचे लेकिन वहां कार्ड नहीं मिला। पीड़ित ने 18 जून को मुकदमा दर्ज कराया लेकिन पुलिस अभी तक कोई कार्यवाईं नही की वह बैंक से सीसीटीवी फुटेज भी नही ला सकी। पीड़ित ने बताया कि वह कई बार थाने गया लेकिन कोई ठोस कार्यवाईं नही हुई। आज भी जांच आगे नही बढ़ी।

किनेसियोलॉजी टेपिंग वर्कशॉप का आयोजन

लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। फिजियोथेरेपी अकादमी, केजीएमयू लखनऊ के तत्वावधान में प्लास्टिक एवं रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी विभाग में एक दिवसीय ''किनेसियोलॉजी टेपिंग वर्कशॉप'' का आयोजन किया गया। इस वर्कशॉप में देश भर से फिजियोथेरेपी क्षेत्र से जुड़े चिकित्सकों एवं छात्रों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रोफ़ेसर विजय कुमार रहे, जिन्होंने अपने संबोधन में किनेसियोलॉजी टेपिंग की उपयोगिता और आधुनिक फिजियोथेरेपी उपचार में इसकी भूमिका पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में चार सीनियर भौतिक चिकित्सकों डॉ. तेजवीर सिंह (पीटी), मंसूर अहमद, डॉ. प्रणय सिंह, डॉ. अतुल मिश्रा को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर डॉ. फ़ैज़ अहमद (पीटी) एवं डॉ. रविंद्र कुमार (पीटी) भी विशेष रूप से मौजूद रहे। वर्कशॉप का सफल आयोजन डॉ. के के चौधरी, डॉ डी के मिश्रा, डॉक्टर रविंद्र कुमार, डॉ अजीत किशोर एवं डॉ. विशाल कुमार (पीटी) के संयुक्त प्रयासों से संभव हो सका। आयोजन समिति के अतुल मिश्रा ने बताया कि इस तरह की कार्यशालाएं फिजियोथेरेपिस्ट्स के व्यावहारिक कौशल को निखारने तथा मरीजों के उपचार में नवीनतम तकनीकों के प्रयोग हेतु अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। इस अवसर पर उपस्थित सभी अतिथियों और आयोजकों ने कार्यक्रम की सफलता पर हर्ष व्यक्त किया और भविष्य में भी इस प्रकार के आयोजन निरंतर करते रहने का संकल्प लिया।

आज मनेगी वीरांगना फूलन देवी की जयंती, सपा जुटाएगी ताकत

नगराम, लखनऊ, लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। समाजवादी पार्टी विधानसभा क्षेत्र मोहनलालगंज की ओर से पूर्व सांसद एवं वीरांगना फूलन देवी की जयंती पर सोमवार को नगराम क्षेत्र के हुसैनाबाद गांव में भव्य समारोह आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम दोपहर तीन बजे शुरू होगा। समारोह को लेकर सपा कार्यकर्ताओं ने तैयारियां पूरी कर ली हैं। जयंती समारोह में पार्टी पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि और कार्यकर्ता शामिल होकर वीरांगना फूलन देवी के जीवन, संघर्ष और सामाजिक न्याय के लिए उनके योगदान को याद करेंगे। कार्यक्रम के दौरान महिला सम्मान, सामाजिक न्याय और वंचित वर्गों की भागीदारी जैसे मुद्दों पर भी चर्चा होगी। समारोह में पूर्व विधायक अंबरीश सिंह पुष्कर मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। इसके अलावा मोहनलालगंज विधानसभा अध्यक्ष उमाशंकर वर्मा समेत पार्टी के अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहेंगे। पार्टी कार्यकर्ताओं ने समारोह में अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए क्षेत्र में संपर्क अभियान चलाया है। आयोजकों ने कार्यकर्ताओं और समर्थकों से समय पर पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है।

15 अगस्त को झंडारोहण व विशाल तिरंगा रैली को लेकर जन उद्घोष व्यापार मंडल की बैठक

लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। सूर्य विहार, जानकीपुरम स्थित जन उद्घोष व्यापार मंडल के जिला कार्यालय में जिला अध्यक्ष नवीन सिंह की अध्यक्षता में आगामी 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस के कार्यक्रमों को लेकर महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में 15 अगस्त को होने वाले झंडारोहण कार्यक्रम एवं विशाल तिरंगा रैली की तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की गई। पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से रैली को भव्य एवं सफल बनाने के लिए अधिक से अधिक व्यापारियों और स्थानीय लोगों की सहभागिता सुनिश्चित करने की अपील की गई। जिला अध्यक्ष नवीन सिंह ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस देशभक्ति और राष्ट्रीय एकता का पर्व है। इस अवसर पर आयोजित होने वाली तिरंगा रैली के माध्यम से लोगों में राष्ट्रप्रेम और एकता का संदेश दिया जाएगा। बैठक में कार्यक्रम की व्यवस्थाओं, रैली के मार्ग और कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारियों को लेकर भी चर्चा की गई।विशेष आमन्त्रित सदस्यों में प्रदेश अध्यक्ष देवेंद्र प्रताप सिंह, प्रदेश महामंत्री विनोद कुमार सिंह वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुशील कुमार सिंह एवम् प्रदेश कोषाध्यक्ष मंगल प्रसाद वर्मा जी मौजूद रहे।

घर में लटका मिला 28 वर्षीय युवक का शव, मचा हड़कंप

निगोहां, लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। निगोहां थाना क्षेत्र के नारायण खेड़ा गांव में रविवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब 28 वर्षीय युवक का शव घर के अंदर फांसी के फंदे पर लटका मिला। मृतक की पहचान गांव निवासी दुर्गा प्रसाद के पुत्र अवधेश कुमार के रूप में हुई। शव देखते ही परिजनों में कोहराम मच गया और परिवार में मातम छा गया। सूचना मिलते ही निगोहां पुलिस मौके पर पहुंची और शव को फंदे से नीचे उतरवाकर पंचायतनामा की कार्रवाई पूरी की। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। थाना प्रभारी रविंद्र कुमार ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है। युवक ने किन परिस्थितियों में यह कदम उठाया, इसका कारण अभी स्पष्ट नहीं हो सका है। पुलिस परिजनों और आसपास के लोगों से पूछताछ कर मामले की जांच कर रही है।

सीबीएसई कबड्डी क्लस्टर में एसआर ग्लोबल स्कूल का शानदार प्रदर्शन, अंडर-19 टीम ने जीता कांस्य पदक

लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। एसआर ग्लोबल स्कूल की अंडर-19 बालक कबड्डी टीम ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए सीबीएसई कबड्डी क्लस्टर 2026-27 चैम्पियनशिप में कांस्य पदक हासिल कर विद्यालय का नाम रोशन किया। प्रतियोगिता में विभिन्न विद्यालयों की 22 टीमों ने हिस्सा लिया। कड़े मुकाबलों के बीच एसआर ग्लोबल स्कूल के खिलाड़ियों ने बेहतरीन रणनीति, अनुशासन और खेल भावना का परिचय देते हुए शानदार प्रदर्शन किया और प्रतियोगिता में तीसरा स्थान हासिल कर कांस्य पदक अपने नाम किया। टीम के खिलाड़ियों ने पूरे टूर्नामेंट के दौरान दमदार प्रदर्शन करते हुए कई मजबूत टीमों को कड़ी चुनौती दी। खिलाड़ियों की मेहनत, टीमवर्क और शानदार तालमेल ने उन्हें यह उपलब्धि दिलाने में अहम भूमिका निभाई। विद्यालय प्रबंधन ने टीम के सभी खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों और खेल विभाग को इस शानदार उपलब्धि के लिए बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता विद्यार्थियों की मेहनत, लगन और निरंतर अभ्यास का परिणाम है। विद्यालय ने खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि आने वाले समय में भी एसआर ग्लोबल स्कूल के विद्यार्थी खेल के क्षेत्र में नई ऊंचाइयां हासिल करते रहेंगे। एसआर ग्लोबल स्कूल की इस उपलब्धि से विद्यालय परिवार में खुशी का माहौल है और खिलाड़ियों को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए लगातार बधाइयां मिल रही हैं।

निर्माणाधीन मकान में मजदूर ने फांसी लगाकर दी जान

लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। चिनहट थाना क्षेत्र के लौलाई का पुरवा में रविवार देर रात निर्माणाधीन मकान में काम कर रहे करीब 23 वर्षीय मजदूर ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना मिलते ही चिनहट पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस के मुताबिक, मृतक की पहचान दिवाकर पुत्र पैकरमा गौतम 23 वर्ष, निवासी कहेरवां, थाना लहरपुर, जनपद सीतापुर के रूप में हुई है। मृतक अपने भाई सर्वेश कुमार और परिवार के अन्य सदस्यों के साथ लौलाई का पुरवा स्थित निर्माणाधीन मकान में मजदूरी का कार्य करता था। बताया गया कि माध्यरात्रि करीब 1:30 बजे दिवाकर ने निर्माणाधीन मकान के कॉलम/पिलर में दुपट्टे के सहारे फांसी लगा ली। घटना की जानकारी होने पर परिजनों में हड़कंप मच गया। सूचना पर पहुंची चिनहट पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और परिजनों व मौके पर मौजूद लोगों से घटना के संबंध में जानकारी जुटाई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचायतनामा की कार्रवाई के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। आत्महत्या के कारणों का अभी पता नहीं चल सका है। पुलिस मामले में आवश्यक वैधानिक कार्रवाई कर रही है।

जन्म मरण क्या है, नहीं जान पाए डॉक्टर

लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। जन्म मरण क्या है। इस बात को डॉक्टर भी नहीं जान पाए। तमाम ऋषि मुनियों का नाम सुनते हो उनमे कोई स्वर्ग गया भी स्वर्ग नहीं जा पाए। यह बात आज लखनऊ जनपद के कस्बा गोसाईगंज के शिशु मंदिर इन्टर कॉलेज सत्संग के दौरान जय गुरु देव धर्म प्रचारकों संस्था मथुरा के राष्ट्रीय उपदेशक सतीशचन्द्र साहब ने कही। उन्होंने कहा कि सनातन सार्वभौमिक है। इसमें सब एक समान है। कोई भी छोटा बड़ा नहीं है। उन्होंने ने कहा सूरज एक है। हिंदू और मुसलमानो का अलग अलग सूरज नहीं है। बरसात भी कभी जाति - धर्म पूंछ कर नहीं होती।एक धरती है।एक ही गगन है।सभी प्राणी एक ही आकाश के नीचे रहते हैं। ईश्वर ने तो स्त्री और पुरुष बनाए हैं। फिर विवाद क्यों।।यह नहीं होना चाहिये। इसी के साथ उन्होंने कहा कि सभी को शाकाहारी भोजन करना चाहिए।यह सभी के लिए हितकर होता है। सतीश चन्द्र साहब का प्रवचन कार्यक्रम गोसाईगंज के पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष ब्रजेश कुमार यादव की ओर आयोजित किया गया था। इस आयोजन में सत्संग कमेटी के जिला अध्यक्ष बाबूलाल रावत, राम बहादुर यादव, केवल चंद्र यादव , ब्लाक अध्यक्ष संतोष शर्मा , पूर्व सभासद अरविंद कुमार, नवनीत कुमार और प्रभात कुमार मौजूद रहे।

नैब यूपी स्टेट ब्रांच ने दृष्टि दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर बनने के लिए तकनीकी ज्ञान सिखाया

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। नेशनल एसोसिएशन फॉर द ब्लाइंड यू0पी0 स्टेट की आयोजित आर्टिफीशियल इंटेलीजेंस एवं बुकशेयर वर्कशॉप के दूसरे दिन डॉ0 होमियार मोबेद दिव्यांगता विशेषज्ञ एवं कार्यक्रम प्रबंधक एशिया एवं अफ्रीका बुक शेयर, जैनब चिनिकमवाला प्रमुख सदस्यता एशिया एवं अफ्रीका बुक शेयर, संजोग कुमावत मास्टर ट्रेनर एवं डॉ0आरुणी शर्मा ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एवं बुकशेयर से संबंधित अनेक महत्वपूर्ण तकनीकी आयामों पर दृष्टि दिव्यांगजनों को व्यापक प्रशिक्षण प्रदान किया। इस अवसर पर उपाध्यक्ष भाजपा युवा मोर्चा उत्तर प्रदेश विकास श्रीवास्तव ने वर्कशॉप के आयोजन के लिए संस्था को निरन्तर सहयोग एवं समर्थन प्रदान करने का आश्वासन दिया। वर्कशॉप के समापन सत्र में सभी विशेषज्ञों ने दृष्टि दिव्यांगजनों को विभिन्न तकनीकी सुविधाओं का लाभ उठाते हुए उनके जीवन में निरन्तर प्रयोग करते रहने की प्रेरणा प्रदान की। संस्था के महासचिव सत्य कुमार सिंह एवं वर्कशॉप समन्वयक डॉ0 राकेश जैन ने संयुक्त रूप से समस्त प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित कर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

इस मौके पर पद्मा सिंह (ट्रस्टी नैब यूपी स्टेट ब्रांच), रचित मौर्य (संपादक तरुण प्रवाह पत्रिका), मोनू सिंह, चिंतामणि अवस्थी, आरुणि शर्मा, चन्द्र शेखर शर्मा, अखिलेश प्रसाद, हरीश मिश्रा, डॉ0 प्रमोद कुमार सिंह, वासुदेव गिरी, लवलेश प्रताप सिंह, प्रणव शुक्ला, पुष्पावती आदि प्रमुख रूप से उपस्थित थे। संचालन प्रदीप कुमार गंगवार ने किया।

रवाना हुई महाकाल ग्रुप द्वितीय की तुफानी डाक कांवड़ यात्रा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

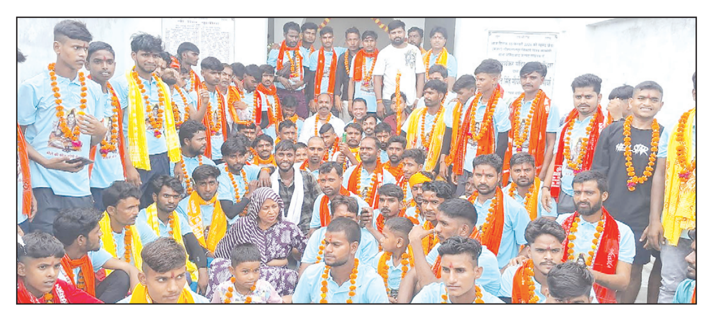

काकोरी, लखनऊ। ग्राम पंचायत महमद खेड़ा मजरा गोसालालपुर गांव स्थित शिव मंदिर से रविवार को महाकाल ग्रुप द्वितीय की तुफानी डाक कांवड़ यात्रा श्रद्धा, उत्साह और भक्ति के माहौल में रवाना हुई। यात्रा के शुभारंभ के दौरान हर-हर महादेव और बम-बम भोले के जयघोष से पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो गया। महाकाल ग्रुप द्वितीय की इस धार्मिक यात्रा में अलग-अलग गांवों के करीब 80 से 90 श्रद्धालु शामिल हैं। कांवड़ यात्री सबसे पहले गांव से मोटरसाइकिलों के माध्यम से कानपुर स्थित परियार घाट पहुंचेंगे। वहां पवित्र गंगा जल भरने के बाद सभी श्रद्धालु पैदल कांवड़ यात्रा करते हुए लोधेश्वर धाम, बाराबंकी के लिए प्रस्थान करेंगे। यात्रा के शुभारंभ के अवसर पर गोसा लालपुर के प्रधान पुतान सिंह मौर्य ने कांवड़ यात्रियों का माला वह वस्त्र पहनाकर स्वागत किया। उन्होंने श्रद्धालुओं के लिए जलपान की व्यवस्था कराई और दक्षिणा देकर सभी को यात्रा के लिए रवाना किया। प्रधान ने कांवड़ यात्रियों को शुभकामनाएं देते हुए उनकी यात्रा के सफल, सुरक्षित और मंगलमय होने की कामना की।तुफानी ग्रुप के अध्यक्ष दिलीप रावत और सुजीत रावत के नेतृत्व में कांवड़ यात्रा निकाली जा रही है। दोनों अध्यक्षों ने बताया कि महाकाल ग्रुप द्वितीय की यह तुफानी डाक कांवड़ यात्रा हर वर्ष श्रद्धा और आस्था के साथ निकाली जाती है। इसमें क्षेत्र के साथ-साथ आसपास के अलग-अलग गांवों के श्रद्धालु भी उत्साहपूर्वक शामिल होते हैं। इस अवसर पर मलिहाबाद की विधायक जय देवी कौशल ने भी कांवड़ यात्रियों का सम्मान कर उनका उत्साहवर्धन किया और यात्रा के लिए शुभकामनाएं दीं। विधायक के सम्मान से श्रद्धालुओं में उत्साह और बढ़ गया। कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालु हर-हर महादेव और बम-बम भोले के जयकारे लगाते हुए आगे बढ़े। ग्रामीणों ने भी कांवड़ यात्रियों का जगह-जगह स्वागत किया। श्रद्धालुओं ने भगवान भोलेनाथ की आराधना करते हुए लोधेश्वर धाम बाराबंकी में जलाभिषेक कर क्षेत्र में सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना करने का संकल्प लिया।

मजबूत संगठन से ही होगा व्यापारियों की समस्याओं का समाधान : संजय गुप्ता

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल, ट्रांसपोर्ट नगर इकाई के तत्वावधान में रविवार को ट्रांसपोर्ट नगर स्थित मौर्या रेस्टोरेंट एवं बैंक्विट हॉल में क्षेत्रीय व्यापारी सम्मेलन एवं शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया। सम्मेलन में बड़ी संख्या में ट्रांसपोर्ट नगर के व्यापारी शामिल हुए। कार्यक्रम में व्यापारियों ने अपने हितों और अधिकारों की रक्षा के लिए संगठन को और अधिक मजबूत बनाने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष संजय गुप्ता मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता के रूप में मौजूद रहे। उनके अलावा प्रदेश कोषाध्यक्ष मोहम्मद अफजल, प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष अविनाश त्रिपाठी, प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष गुरप्रीत सिंह चड्ढा, प्रदेश मंत्री संदीप सिंह गौर, नगर अध्यक्ष हरजिंदर सिंह तथा नगर महामंत्री मोहित कपूर सहित संगठन के अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

सम्मेलन को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष संजय गुप्ता ने कहा कि व्यापारियों की जागरूकता और एकजुटता से ही उनकी समस्याओं का स्थायी समाधान संभव है। उन्होंने कहा कि व्यापारियों को अपने हितों की रक्षा के लिए मजबूत संगठन के रूप में सामने आना होगा।

उन्होंने भ्रष्ट अधिकारियों से घबराने के बजाय उनकी शिकायत संगठन को देने की अपील की। उन्होंने कहा कि संगठन व्यापारियों की समस्याओं को मजबूती से उठाएगा और आवश्यक कार्रवाई कराएगा। संजय गुप्ता ने कहा कि चुनाव में व्यापारियों को जाति और धर्म से ऊपर उठकर केवल व्यापारी के रूप में मतदान करना चाहिए। उन्होंने कहा कि व्यापारी वर्ग में सभी जाति और धर्म के लोग शामिल हैं। यदि व्यापारी एकजुट होकर अपने हितों के आधार पर मतदान करें तो उनका मजबूत मतदाता समूह बन सकता है और कोई भी राजनीतिक दल व्यापारियों के हितों की अनदेखी नहीं कर सकेगा। इस अवसर पर ट्रांसपोर्ट नगर आदर्श व्यापार मंडल के अध्यक्ष सुनील मौर्य एवं वरिष्ठ महामंत्री सुरेंद्र कुमार मौर्य ने क्षेत्र की स्थानीय समस्याओं को प्रमुखता से उठाया। सम्मेलन में व्यापारियों ने संगठन को और मजबूत करने का संकल्प लिया।

किसानों ने दी 19 अगस्त से धरने की चेतावनी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नगराम , लखनऊ। क्षेत के कुबहरा गांव में रविवार को राष्ट्रीय किसान मजदूर संगठन की बैठक में लंबे समय से अधूरे पड़े 600 मीटर मार्ग के निर्माण को लेकर किसानों ने आवाज बुलंद की। बैठक में क्षेत्र के सैकड़ों किसान-मजदूरों ने पहुंचकर सड़क निर्माण के लिए संघर्ष करने का निर्णय लिया। किसानों ने बताया कि समेसी से मोहनलालगंज मार्ग पर कमलापुर विचिलखा माइनर से कुबहरा तक करीब 600 मीटर रास्ता वन विभाग की आपत्ति के चलते आज तक कच्चा पड़ा है। मार्ग का निर्माण न होने से ग्रामीणों और किसानों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

बैठक में तय किया गया कि 11 अगस्त को वन विभाग, पीडब्ल्यूडी, पुलिस आयुक्त और जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपकर सड़क निर्माण की मांग की जाएगी। संगठन ने चेतावनी दी कि यदि ज्ञापन देने के एक सप्ताह के भीतर सड़क निर्माण शुरू नहीं हुआ तो 19 अगस्त से कुबहरा गांव में अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन शुरू किया जाएगा। किसानों ने स्पष्ट किया कि निर्माण कार्य शुरू होने तक धरना जारी रहेगा।

धरने की तैयारी और आंदोलन की जिम्मेदारी केशव राम को सौंपी गई। बैठक में मंडल महामंत्री हरिपाल सिंह, जिला उपाध्यक्ष रामकुमार यादव, रामपाल राजपूत, कुलदीप यादव, जिला सचिव अरविंद कुमार, ब्लॉक अध्यक्ष दिनेश कुमार, राम कुमार प्रधान पति, नन्हे राम, राजलाल, सुंदर लाल, सुखलाल, विजय बहादुर, घूरूलाल, रामकिशोर समेत सैकड़ों किसान-मजदूर मौजूद रहे।

178वें सप्ताह में 'आपका विधायक, आपके द्वार' अभियान, 29 जनसमस्याओं पर कार्रवाई

69 जरूरतमंदों को मिलेंगे नि:शुल्क चश्मे

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। सरोजनीनगर विधानसभा क्षेत्र में विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह द्वारा संचालित 'आपका विधायक, आपके द्वार' अभियान के 178वें सप्ताह के तहत रविवार को टीम राजेश्वर ने सरोजनीनगर दक्षिण तृतीय मंडल के दुर्गापुरी क्षेत्र स्थित ग्राम नीलमथा में जनसुनवाई शिविर का आयोजन किया। इस दौरान स्वास्थ्य, शिक्षा, खेल और युवा सशक्तिकरण से जुड़े विभिन्न कार्यक्रम भी आयोजित किए गए।

जनसुनवाई शिविर में कुल 29 प्रार्थना-पत्र प्राप्त हुए। इनमें साइकिल सहायता, आयुष्मान भारत कार्ड, सड़क एवं नाली निर्माण, स्ट्रीट लाइट, विद्युत पोल, ग्रामीण एवं शहरी आवास, बैडमिंटन व कैरम बोर्ड, विधवा एवं दिव्यांग पेंशन, बाल सेवा योजना, रोजगार, नाली सफाई, खुले व्यायाम स्थल, सफाई कर्मचारी और आर्थिक सहायता सहित विभिन्न जनसमस्याओं से संबंधित आवेदन शामिल रहे। सभी प्रार्थना-पत्र आवश्यक कार्रवाई के लिए संबंधित विभागों को भेजे गए। वहीं राजेंद्र शुक्ला, सुरेंद्र कुमार शाही और ज्ञान कुमारी थापा के आयुष्मान भारत कार्ड बनवाकर तीन मामलों का मौके पर ही निस्तारण किया गया। साईं ऑप्टिकल के सहयोग से आयोजित नि:शुल्क नेत्र परीक्षण शिविर में 70 लोगों की आंखों की जांच की गई। इनमें चिन्हित 69 जरूरतमंद वरिष्ठ नागरिकों को डॉ. राजेश्वर सिंह की पहल पर नि:शुल्क चश्मे उपलब्ध कराए जाएंगे। युवाओं को खेलों से जोड़ने के उद्देश्य से 190वें बाल युवा क्लब का गठन किया गया। क्लब के बच्चों को क्रिकेट और वॉलीबॉल की किट प्रदान की गईं। इसके अलावा भानु प्रताप मौर्य, तन्वी, आरुषि त्रिपाठी और रिद्धि को शैक्षणिक उपलब्धियों के लिए साइकिल देकर सम्मानित किया गया। अभियान के माध्यम से जनसमस्याओं के समाधान के साथ स्वास्थ्य, शिक्षा और खेल के क्षेत्र में भी निरंतर कार्य किया जा रहा है।

पुलिस ने किया किया बहु-बेटी सम्मेलन

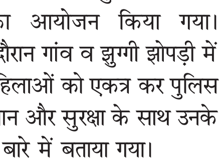

लखनऊ। लखनऊ की साउथ जोन पुलिस द्वारा रविवार को विभिन्न थाना क्षेत्रों में बहु बेटी सम्मान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सम्मेलन के दौरान गांव व झुग्गी झोपड़ी में रहने वाली महिलाओं को एकत्र कर पुलिस ने उनके संम्मान और सुरक्षा के साथ उनके अधिकारों के बारे में बताया गया।

पुलिस उपायुक्त जोन दक्षिणी मो0 मुश्ताक ने बताया कि बहू बेटी सम्मेलन गोसाईंगंज, निगोहां बिजनौर सरोजनीनगर थाना पुलिस टीम द्वारा बहू बेटी सम्मेलन का आयोजन किया गया। जिसमे महिलाओं एवं बालिकाओं को जागरूक कर 1090,1930,112 आदि हेल्पलाइन नंबर की जानकारी दी व पंपलेट वितरित किए गए। उन्हें अपने अधिकारों के लिए क्या करना चाहिए सभी महिलाओं को जागरूक करने का काम किया गया। उन्होंने बताया कि पूरे जोन में हर थाना क्षेत्र में महिलाओं को जागरूक करने के लिए ऐसे कार्यक्रम चलते रहेंगे।

एसपी अंकुर अग्रवाल ने किया नवनिर्मित बैडमिंटन हॉल का उद्घाटन, पुलिसकर्मियों को खेलों के प्रति किया प्रोत्साहित

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सीतापुर। पुलिस अधीक्षक जनपद सीतापुर अंकुर अग्रवाल द्वारा पुलिस लाइन परिसर सीतापुर में नवनिर्मित बैडमिंटन हॉल का फीता काटकर एवं विधिवत पूजा-अर्चना के साथ उद्घाटन किया गया।

तत्पश्चात महोदय द्वारा बैडमिंटन हॉल का निरीक्षण कर इसकी सुविधाओं का जायजा लिया गया तथा पुलिस कर्मियों को नियमित रूप से खेलकूद गतिविधियों में प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। इस अवसर पर महोदय द्वारा बताया गया कि इस बैडमिंटन हॉल की स्थापना का मुख्य उद्देश्य पुलिस कर्मियों की शारीरिक दक्षता, खेल कौशल एवं मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाना, नियमित खेल गतिविधियों के प्रति रुचि बढ़ाना तथा पुलिस कर्मियों में टीम भावना, अनुशासन एवं आपसी समन्वय को सुदृढ़ करना है। पुलिस कर्मियों के लिए शारीरिक रूप से फिट एवं मानसिक रूप से स्वस्थ रहना अत्यंत आवश्यक है। खेलकूद गतिविधियां तनाव कम करने के साथ-साथ कार्यक्षमता एवं सकारात्मक ऊर्जा को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

इसी उद्देश्य से पुलिस कर्मियों को बेहतर खेल सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण पहल है। इस दौरान अपर पुलिस अधीक्षक(उत्तरी) आलोक सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) दुर्गेश कुमार सिंह, क्षेत्राधिकारी नगर/सदर नेहा त्रिपाठी, प्रतिसार निरीक्षक शिवबालक वर्मा व अन्य अधिकारी/कर्मचारीगण मौजूद रहें।

धौरहरा से छोटी काशी के लिए रवाना हुआ कांवरियों का पहला जत्था, हर-हर महादेव के जयकारों से गूंजा कस्बा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

धौरहरा, लखीमपुर खीरी। सावन माह के पावन अवसर पर रविवार को धौरहरा कस्बे के नागेश्वर महादेव मंदिर से कांवरियों का पहला जत्था छोटी काशी गोला गोकर्णनाथ के लिए जल भर कर रवाना हुआ। करीब 150 कांवरियों का जत्था ढोल-नगाड़ों, भांगड़ा और डीजे पर बज रहे भोलेनाथ के भजनों के बीच उत्साह के साथ रवाना हुआ।

कांवरियों के रवाना होने के दौरान पूरे कस्बे में ल्लहर-हर महादेवङ्क और ल्लबम-बम भोलेङ्क के जयकारे गूंजते रहे। श्रद्धालुओं में भगवान शिव के प्रति गहरी आस्था और उत्साह देखने को मिला।

इस दौरान योगेंद्र मिश्रा, पूर्व चेयरमैन राजीव जायसवाल, बाबूराम चौरसिया, पवन बारी, गीता किन्नर, अनूप अवस्थी , अवधेश मिश्रा समेत कई लोगों ने कांवरियों का स्वागत किया। श्रद्धालुओं को जलपान कराया गया और पुष्पवर्षा कर उनका उत्साह बढ़ाते हुए छोटी काशी के लिए रवाना किया गया।

कांवरियों के जत्थे में युवाओं के साथ बड़ी संख्या में अन्य श्रद्धालु भी शामिल रहे। डीजे पर बज रहे शिव भजनों और ढोल की थाप पर कांवरियों ने जमकर उत्साह दिखाया। पूरे मार्ग पर माहौल भक्तिमय नजर आया। कांवर यात्रा को शांतिपूर्ण एवं सुरक्षित ढंग से संपन्न कराने के लिए धौरहरा पुलिस बल भी तैनात रहा। पुलिसकर्मी यात्रा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था और यातायात व्यवस्था संभालते नजर आए।

एबीवीपी कानपुर प्रांत ने पांच लाख से अधिक सदस्यों को जोड़ने का रखा लक्ष्य

एजेंसी

कानपुर । अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) अपने स्थापना काल से ही प्रतिवर्ष सदस्यता अभियान चलाता आ रहा है। संगठन का विस्तार तभी संभव है, जब अधिक से अधिक छात्र-छात्राएं और शिक्षक इससे जुड़कर छात्रहित व समाजहित में अपनी भूमिका निभाएं। इस वर्ष कानपुर प्रांत में भी बड़े स्तर पर सदस्यता अभियान चलाकर नए कार्यकर्ताओं को संगठन से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा। यह बातें रविवार को अभाविप के प्रांत उपाध्यक्ष डॉ. अजय आर्य ने कहीं। कानपुर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में रविवार को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद कानपुर प्रांत की सदस्यता कार्यशाला आयोजित हुई। शुभारंभ मां शारदे और स्वामी विवेकानंद के चित्र पर पुष्पार्पण के साथ किया गया। कार्यशाला में कानपुर प्रांत के 21 संगठनात्मक जिलों से

करीब 220 छात्र-छात्राएं और शिक्षक कार्यकर्ता शामिल हुए। प्रांत मंत्री दिनेश यादव ने कहा कि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद 77 वर्षों से छात्र-छात्राओं और शिक्षकों के हित में कार्य कर रहा है। संगठन की ओर से राष्ट्रवादी विचार और सांस्कृतिक मूल्यों को बढ़ावा देने के लिए भी विभिन्न गतिविधियां संचालित की जाती हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं से सदस्यता अभियान को व्यापक स्तर पर चलाने का आह्वान किया। प्रांत संगठन मंत्री मनीष राय ने कहा कि इस वर्ष 5.42 लाख से अधिक विद्यार्थियों और शिक्षकों को परिषद से जोड़ने का लक्ष्य रखा गया है। राष्ट्र को सर्वोपरि मानकर समाज और छात्रहित में काम करने के इच्छुक विद्यार्थियों का संगठन में स्वागत है। उन्होंने बताया कि सदस्यता और संगठन से जुड़ी जानकारी के लिए परिषद की ओर से जारी संपर्क माध्यमों तथा आधिकारिक वेबसाइट का सहारा लिया जा सकता है।

प्रांत सह संगठन मंत्री तरुण बाजपेई ने कहा कि अभाविप कार्यकर्ता निर्माण के माध्यम से व्यक्तित्व निर्माण के ध्येय पर काम करता है। उन्होंने बताया कि प्रवेश प्रक्रिया के दौरान प्रांत के महाविद्यालयों में विद्यार्थियों की सहायता के लिए हेल्प डेस्क लगाए जाएंगे। नव प्रवेशित विद्यार्थियों के अभिनंदन समारोह भी आयोजित किए जाएंगे। सदस्यता अभियान के लिए जिलेवार और महाविद्यालय व प्रखंड स्तर पर टोलियां गठित की गई हैं।

कार्यशाला के समापन पर अभाविप चित्रकूट जिले के 'गिरी पथ' अभियान के पोस्टर का विमोचन किया गया। अभियान के माध्यम से कामदगिरि परिक्रमा मार्ग को स्वच्छ, सुंदर और व्यवस्थित बनाने के साथ विद्यार्थियों को सेवा एवं पर्यावरण संरक्षण से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा।

कार्यशाला में प्रांत उपाध्यक्ष डॉ. प्रियंका सिंह, मयंक पासवान, आयुषी त्रिपाठी, प्रियंका माथुर, निशेंद्र राजपूत, डॉ. विकास सिंह, सुधांशु त्रिपाठी, एल्विन ज्यूड कुमार, कृष्णा भदौरिया, प्रथम समेत अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पेट्रोल पंप से 3000 रुपये का पेट्रोल भराकर बिना भुगतान किए फरार हुआ कार चालक, पुलिस से कार्रवाई की मांग

मिश्रिख सीतापुर) । मिश्रिख क्षेत्र के बर्मी चौराहा स्थित एचपी महेश फिलिंग सेंटर से एक कार चालक द्वारा करीब 3000 रुपये का पेट्रोल भरवाकर बिना भुगतान किए वाहन लेकर फरार होने का मामला सामने आया है। फिलिंग सेंटर संचालक ने थाना मिश्रिख में प्रार्थना पत्र देकर वाहन चालक के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर कार्रवाई की मांग की है।

पुलिस को दिए प्रार्थना पत्र के अनुसार, 09 अगस्त 2026 की रात करीब 3:30 बजे एक व्यक्ति मारुति सुजुकी एर्टिगा कार लेकर पेट्रोल पंप पर पहुंचा। चालक ने वाहन में लगभग 3000 रुपये का पेट्रोल भरवाया। पेट्रोल भरवाने के बाद चालक ने भुगतान नहीं किया और वाहन को तेज गति से चलाकर मौके से फरार हो गया। पेट्रोल पंप संचालक के अनुसार वाहन का नंबर ठच्‍ 32 द्द 58 तक दिखा। जबकि नंबर प्लेट का कुछ हिस्सा स्पष्ट नहीं था। घटना से संबंधित सीसीटीवी

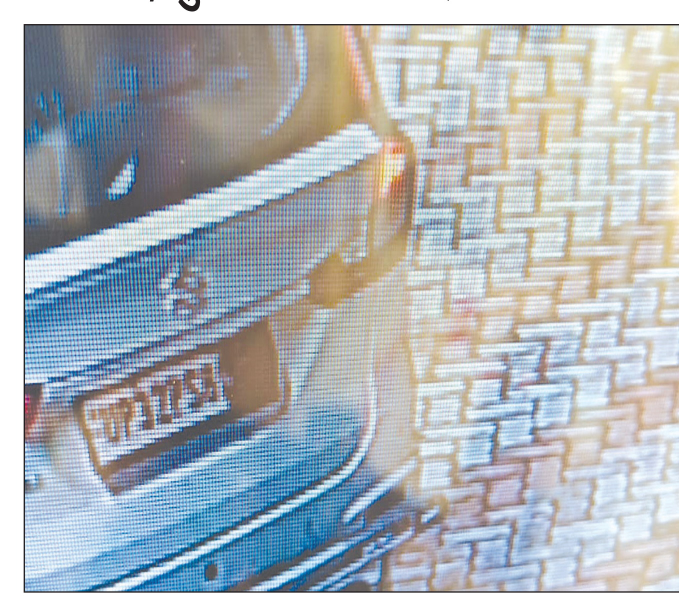

फुटेज एवं वीडियो रिकॉर्डिंग पेट्रोल पंप पर उपलब्ध होने की बात भी प्रार्थना पत्र में कही गई है, जिससे घटना तथा वाहन की पहचान में मदद मिल सकती है। फिलिंग सेंटर मैनेजर विवेक ने थाना प्रभारी मिश्रिख को प्रार्थना पत्र देकर मामले को संज्ञान लेते हुए वाहन चालक के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई किए जाने की मांग की है।

जीआरपी ने लंबे समय से फरार आरोपित को किया गिरफ्तार

एजेंसी

कानपुर। जीआरपी कानपुर सेंट्रल ने फरार वारंटी आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत रविवार को एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। आरोपित के खिलाफ जीआरपी कानपुर सेंट्रल थाने में कई मुकदमे दर्ज हैं और वह लंबे समय से वांछित चल रहा था। प्रभारी निरीक्षक ओम नारायण सिंह ने बताया कि फरार एवं वारंटी आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के दौरान पुलिस टीम को आरोपित के संबंध में सूचना मिली थी। इसके आधार पर टीम ने कार्रवाई करते हुए उसे गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के बाद आरोपित के खिलाफ आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।

गिरफ्तार आरोपित की पहचान कानपुर निवासी अनिल चौरसिया उर्फ बब्बू उर्फ बनारसी चौरसिया के रूप में

हुई है। वह रेलबाजार थाना क्षेत्र का रहने वाला है।

जीआरपी के मुताबिक आरोपित के खिलाफ कानपुर सेंट्रल थाने में कई मुकदमे दर्ज हैं। इनमें वर्ष 2017 में दर्ज मुकदमे में एनडीपीएस अधिनियम की धाराओं के साथ मामला दर्ज किया गया था। इसके अलावा वर्ष 2019 में भी उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ था। पुलिस के अनुसार इन मामलों में न्यायालय से जारी वारंट के चलते उसकी गिरफ्तारी की जा रही थी।

टीम ने सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए शातिर को गिरफ्तार किया। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने उसके आपराधिक इतिहास की जानकारी जुटाई और संबंधित मामलों में आगे की कार्रवाई शुरू की। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक रेलवे क्षेत्र में अपराध पर अंकुश लगाने और फरार आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए अभियान आगे भी जारी रहेगा।

सिकरारा पुलिस ने गैर इरादतन हत्या के मामले में वांछित आरोपित को किया गिरफ्तार

जौनपुर। उत्तर प्रदेश में जौनपुर जिले की सिकरारा थाना पुलिस ने अपराध एवं वांछित अभियुक्तों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत रविवार को गैर इरादतन हत्या के मामले में वांछित आरोपित सतीश यादव को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपित को बथुआवर तिराहे से गिरफ्तार किया। इस संबंध में जानकारी लेने पर थानाध्यक्ष विश्व नाथ प्रताप सिंह ने बताया कि अभियुक्त ग्राम पाण्डेयपुर निवासी सतीश यादव के खिलाफ सिकरारा थाने में गैर इरादतन हत्या से संबंधित मुकदमा दर्ज है। पुलिस टीम ने रविवार को सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए उसे बथुआवर तिराहे से गिरफ्तार किया।अभियुक्त के खिलाफ बीएनएस, थाना सिकरारा में मुकदमा दर्ज है पुलिस ने आरोपित के विरुद्ध अग्रिम विधिक कार्रवाई करते हुए जेल भेज दिया है।

प्रो. सोनिया नित्यानंद फिर बनीं केजीएमयू की कुलपति

लखनऊ । किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सोनिया नित्यानंद को दोबारा केजीएमयू की कमान सौंपी गयी है। राज्यपाल ने अबकी बार उन्हें तीन वर्ष के लिए केजीएमयू का कुलपति नियुक्त किया है। जन भवन की ओर से रविवार को इस संबंध में पत्र जारी किया गया।

हथेड़ा में दिखी जनजातीय संस्कृति की चमक, मंत्री आशीष पटेल ने कहा-हमारी धरोहर है आदिवासी संस्कृति

मीरजापुर । विश्व आदिवासी दिवस पर रविवार को हथेड़ा स्थित बिरसा मुंडा ग्राउंड में विश्व आदिवासी महोत्सव-2026 का भव्य शुभारंभ हुआ। मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री आशीष पटेल और विशिष्ट अतिथि छानबे विधायक रिंकी कोल ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस दौरान आदिवासी संस्कृति, परंपरा और लोककला की झलक देखने को मिली। मंत्री आशीष पटेल ने जिले और प्रदेशवासियों को विश्व आदिवासी दिवस की बधाई दी। उन्होंने कहा कि हथेड़ा में आयोजित महोत्सव केवल उत्सव नहीं, बल्कि समृद्ध जनजातीय सभ्यता, संस्कृति और विरासत को सहेजने का संकल्प है।

छोटी काशी में हर श्रद्धालु 'अतिथि', सुरक्षा-सुविधा में नहीं हो चूक : डीएम

लखीमपुर खीरी, श्रावण मास में आस्था की नगरी छोटी काशी गोला गोकर्णनाथ में उमड़ने वाली श्रद्धालुओं और कांवड़ियों की सुरक्षा को लेकर प्रशासन ने मोर्चा संभाल लिया है। शनिवार को डीएम अंजनी कुमार सिंह ने छोटी काशी गोला गोकर्णनाथ पहुंचकर कांवड़ मेला व्यवस्थाओं का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने यात्रा मार्ग, मंदिर परिसर, बैरिकेडिंग, गेट-बैरियर और सीसीटीवी कंट्रोल रूम की व्यवस्थाएं परखीं। उन्होंने अधिकारियों और पुलिसकर्मियों को साफ संदेश दिया कि हर श्रद्धालु अतिथि है और उसकी सुरक्षा, सुविधा व सम्मान सर्वोच्च प्राथमिकता है।

डीएम ने कहा कि कांवड़ यात्रा महज धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि प्रशासन की सेवा, संवेदनशीलता और मुस्तैदी की परीक्षा भी है। सभी अधिकारी अपने-अपने ड्यूटी क्षेत्र, रूट व्यवस्था और आकस्मिक परिस्थितियों से निपटने की कार्ययोजना से पहले ही पूरी तरह परिचित रहें। आपसी समन्वय में किसी स्तर पर कमी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने निर्देश दिए कि श्रद्धालुओं को भीड़ के दबाव में नहीं, बल्कि चरणबद्ध और व्यवस्थित तरीके से आगे बढ़ाया जाए। मंदिर में दर्शन व्यवस्था सुचारु होने के बाद ही आगे की भीड़ को बढ़ाया जाए, ताकि भगदड़ या अव्यवस्था की स्थिति न बने।

डीएम ने विश्राम स्थलों पर साफ-सफाई, शौचालय, पेयजल समेत सभी जरूरी सुविधाएं लगातार उपलब्ध रखने के निर्देश दिए। साथ ही पुलिसकर्मियों और ड्यूटी पर तैनात अधिकारियों को श्रद्धालुओं से शालीन व्यवहार और सेवा भाव बनाए रखने को कहा। डीएम ने कहा कि व्यवस्था ऐसी हो कि लंबी यात्रा कर छोटी काशी पहुंचने वाला भोले का भक्त थकान नहीं, बल्कि संतोष और सुखद स्मृतियां लेकर लौटे। मंदिर प्रबंधन, पुलिस और प्रशासनिक अमला बेहतर तालमेल के साथ श्रद्धालुओं की सेवा में जुटा रहे।

मीरजापुर : आरक्षण के विरोध में सड़क पर उतरा सर्व समाज

मीरजापुर । क्रांति दिवस के अवसर पर रविवार को आरक्षण के विरोध में श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना की अगुवाई में सर्व समाज के लोगों ने शहर में पैदल जुलूस निकाला। घंटाघर से शुरू हुआ जुलूस कचहरी पहुंचा। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने 'आरक्षण हटाओ, देश बचाओ' और 'प्रतिभा का सम्मान करो' जैसे नारे लगाए। जुलूस के बाद प्रदर्शनकारियों ने प्रधानमंत्री को संबोधित ज्ञापन नगर मजिस्ट्रेट को सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से जातिगत आरक्षण समाप्त कर सभी नागरिकों को समान अवसर देने की मांग की गई। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि जातिगत आधार पर आरक्षण से योग्यता और प्रतिभा प्रभावित हो रही है। उनका आरोप था कि इससे समाज में भेदभाव और संघर्ष की स्थिति भी पैदा हो रही है। उन्होंने सरकार से आरक्षण व्यवस्था की समीक्षा कर सभी वर्गों के लिए समान अवसर सुनिश्चित करने की मांग की। जुलूस में श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के जिलाध्यक्ष दिलीप सिंह गहरवार, पंडित साधु तिवारी, अरविंद तिवारी, अभिषेक सिंह धवल, शिवम सिंह, पंचम सिंह, रोहित सिंह, डॉ. अवनीश सिंह समेत बड़ी संख्या में लोग शामिल रहे। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने आरक्षण व्यवस्था में बदलाव की मांग को लेकर नारेबाजी की।

प्रतापगढ़ के महुली पहुंचे कंग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय व अपनादल (क)की पलवी पटेल, पीड़ित परिवार से की भेंट

प्रतापगढ़ । उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ जिले मेंमहुली मोहल्ले में जर्जर मकान ढहने से एक ही परिवार के छह लोगों की मौत की घटना के बाद राजनीतिक नेताओं का पीड़ित परिवार से मिलने का सिलसिला जारी है। रविवार को कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय और अपना दल (कमेरावादी) की विधायक पल्लवी पटेल महुली पहुंचे । दोनों नेताओं ने हादसे में जान गंवाने वाले प्रमोद श्रीवास्तव समेत छह मृतकों के शोकाकुल परिजनों से मुलाकात की और घटना पर गहरी संवेदना व्यक्त की। भाजपा से पूर्व सांसद संगम लाल गुप्ता भी पहुंचे। अजय राय ने हादसे वाली जगह का जायजा लिया और स्थानीय लोगों से घटना की जानकारी ली । इसके बाद उन्होंने मृतकों के परिजनों से मुलाकात कर उनके दुख-दर्द को सुना। परिवार के सदस्यों ने हादसे से पहले मकान की जर्जर हालत और घटना के बाद सामने आई परेशानियों के बारे में कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष को जानकारी दी । अजय राय ने परिजनों को ढांढस बंधाते हुए कहा कि इस दुख की घड़ी में कांग्रेस पार्टी उनके साथ खड़ी है और पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने के लिए हर स्तर पर आवाज उठाई जाएगी। अपना दल (कमेरावादी) की विधायक पल्लवी पटेल ने भी हादसे में परिवार के इकलौते बचे अमन श्रीवास्तव से मुलाकात की और घटना पर गहरा दुख जताते हुए उसे ढांढस बंधाया।

बलिया : 12 अगस्त को नरही में काला दिवस मनाएंगे भाजपा कार्यकर्ता

एजेंसी

बलिया। पुलिस की गोली से शहीद स्व. विनोद राय के शहादत दिवस पर पूर्व मंत्री उपेन्द्र तिवारी के नेतृत्व में नरहीं में आगामी 12 अगस्त को श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया जायेगा। रविवार को जिला मुख्यालय स्थित अपने कैम्प कार्यालय पर प्रेसवार्ता करते हुए पूर्व मंत्री ने कहा कि कार्यक्रम में प्रदेश सरकार के मंत्री दयाशंकर मिश्र दयालु समेत अन्य कई बड़े नेता शामिल होंगे। श्री तिवारी ने कहा कि हम लोगों के बीच का कार्यकर्ता साथी विनोद राय जो सोहांव मंडल का कोषाध्यक्ष था, चन्द्रमा यादव जैसे भाजपा कार्यकर्ता को इंसाफ दिलाने के लिए शांतिपूर्ण तरीके से हजारों की संख्या में नरहीं थाने का घेराव कर रहे थे। उस समय अखिलेश यादव की सरकार यूपी में थी। उत्तर प्रदेश के अंदर गुंडाराज, माफिया राज, लूट व भ्रष्टाचार चरम सीमा पर था। और उसकी असली झलक बलिया जनपद के अंदर थी। उस समय बलिया में छह मंत्री थे। यहां तक कि हारने वाले लोग भी मंत्री थे। ज़ुल्म, अत्याचार चरम सीमा पर था और उस जुर्म अत्याचार के खिलाफ 2002 से लड़ते हुए मैं 2017 तक आया। उसी में 12 अगस्त 2016 को समाजवादी पार्टी की तत्कालीन सरकार में जब बलिया के दो-दो मंत्री बर्खास्त हुए थे। इस टीस में समाजवादी पार्टी के लोगों ने चाहा कि बलिया ही नहीं पूरे पूर्वांचल के एक दर्जन मंत्रियों की आंख की किरकिरी बना हुआ है। इस लिए सरकार के सहयोग से इसको परमानेंट अपनी आंख के आगे से हटा दिया जाय। उसी समय 12 अगस्त 2016 को मेरी हत्या करने की साज़िश थी। थाने के सामने हजारों की संख्या में भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता पुरूष और महिला थाने के सामने प्रदर्शन कर रहे थे। उसी प्रदर्शन के दौरान पुलिस-प्रशासन के लोगों ने जेनेरेटर को आफ किया लाठी चार्ज किया और एक मिनट भी नहीं बीता कि भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं पर दनादन गोलियां चलाना शुरू कर दिया। जलियांवाला बाग कांड की कहानी पीछे छूट गयी। जिसमें हमारा एक साथी विनोद राय शहीद हो गया। दर्जनों की संख्या में हमारे कार्यकर्ता गोलियों से चोटिल हुए और सैकड़ों की संख्या में महिलाओं पुरुषों को बुरी तरीके से चोटें आयीं। उसी समय हम लोगों ने संकल्प लिया कि सपा की जुल्मी सरकार के खिलाफ जब तक शरीर में जान रहेगा। विनोद राय की शहादत व्यर्थ नहीं जाने देंगे। विनोद राय की शहादत दिवस मनायेंगे।

ट्यूबवेल और ट्रांसफार्मर पार्ट्स चोरी करने वाले गिरोह का खुलासा, पांच गिरफ्तार

कानपुर । बिल्हौर थाना क्षेत्र अंतर्गत किसानों के खेतों में लगे ट्यूबवेल इंजन और ट्रांसफार्मर के पार्ट्स चोरी करने वाले गिरोह का पुलिस ने रविवार को खुलासा करते हुए पांच सदस्यों को गिरफ्तार किया है। गिरोह के सदस्य दिन में रेकी करने के बाद रात में चोरी की घटनाओं को अंजाम देते थे। इसके अलावा उन्होंने अन्य जनपदों में भी कई घटनाएं स्वीकारी हैं।

पुलिस उपायुक्त पश्चिम एसएम कासिम आबिदी ने बताया कि तीन अगस्त की रात ट्रांसफार्मर और खेतों में लगे विद्युत मोटरों के हेड चोरी होने की सूचना मिली थी। पुलिस और फील्ड यूनिट ने मौके पर पहुंचकर साक्ष्य जुटाए। सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी साक्ष्यों की मदद से जांच आगे बढ़ाई गई। इसी दौरान बिल्हौर और अरौल पुलिस की टीम ने गौरी अंडरपास के पास चेकिंग में पांच आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में उनके कई जिलों में चोरी की घटनाओं में शामिल होने की जानकारी मिली। उन्होंने बताया कि मोबाइल फोन की जांच में अवैध असलहों की खरीद-फरोख्त से जुड़े तथ्य भी मिले हैं,

जिसकी जांच की जा रही है।

पूछताछ में सामने आया कि आरोपित दिन में कस्बों और हाईवे किनारे खेतों में लगे ट्यूबवेल और ट्रांसफार्मर की रेकी करते थे। रात में लोडर लेकर चिह्नित स्थान पर पहुंचते और इंजन व ट्रांसफार्मर के उपयोगी पार्ट्स निकालकर ले जाते थे। पुलिस द्वारा लोडर की जांच किए जाने पर उसे खराब बताकर कुछ देर बाद जाने की बात कहते थे।

जांच में पता चला कि गिरोह ने करीब 15 से 20 दिन पहले कानपुर देहात के मंगलपुर क्षेत्र में भी ट्रांसफार्मर पार्ट्स और अन्य सामान चोरी किया था। आरोपितों ने उन्नाव, कन्नौज, फतेहपुर, कानपुर देहात और कानपुर नगर में भी चोरी की घटनाएं करने की बात स्वीकार की है।

पुलिस ने आरोपितों के पास से दो इंजन हेड, करीब सात किलो कॉपर तार, 16 छोटे-बड़े पाना, 16 छोटी-बड़ी चाबियां, दो पेचकस, दो लोहे के ब्लेड, प्लास, रिंच, लोहे का बेल्चा, दो जैक, तार काटने का कटर, तीन मोबाइल और 3280 रुपये बरामद किए हैं। चोरी में इस्तेमाल बोलेरो पिकअप भी कब्जे में ली गई है।

पकड़े गए आरोपित

पुलिस ने कानपुर निवासी अमित भारद्वाज उर्फ राजेश शर्मा उर्फ छोटे, राकेश उर्फ ठाकुर, प्रांशु सोनकर, रायबरेली निवासी अंकित अग्रहरि उर्फ अंकित कुमार और कानपुर देहात निवासी शिव चौरसिया उर्फ बंटी को गिरफ्तार किया है।

पुलिस के मुताबिक आरोपितों के मोबाइल में अवैध असलहों की तस्वीरें मिली हैं। दूसरे राज्यों से असलहों की खरीद-फरोख्त से जुड़े नेटवर्क की भी जांच की जा रही है। पुलिस आरोपितों को न्यायालय में पेश कर आगे की कार्रवाई कर रही है। पुलिस टीम को 25 हजार रुपये का पुरस्कार दिया गया है।

फ़ेसबुक पर देशविरोधी पोस्ट वायरल माहौल खराब करने का प्रयास

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बदायूं। फ़ेसबुक पर किसी ने 'आई लव पाकिस्तान, आई हेट इंडिया' लिखकर पोस्ट की है। पोस्ट में पाकिस्तान का झंडा भी लगा है। पोस्ट डालने वाले का पता आईडी पर फैजगंज बेहटा लिखा हुआ है। हालांकि माना जा रहा है कि किसी ने फ़ेक आईडी बनाकर युवती का फोटो लगाया है। पोस्ट में भारत के खिलाफ बहुत ही आपत्तिजनक बातें लिखी गई हैं और पाकिस्तान की तारीफ की गई है। इसके स्क्रीनशॉट वायरल होने के बाद स्थानीय लोगों में आक्रोश है। वायरल स्क्रीनशॉट के मुताबिक, यह फ़ेसबुक आईडी एक युवती की है जिसमें पता फैजगंज बेहटा और बिसौली लिखा गया है। आईडी की कवर फोटो पर.पाकिस्तान का झंडा लगा हुआ है। नाजिया बी नाम से बनाई गई इस आईडी में एक युवती की फोटो लगी है। पोस्ट में यह भी लिखा है कि 'मुझे पाकिस्तानी सीरियल पसंद हैं और भारतीय सीरियल से नफरत है। आई लव पाकिस्तान, आई हेट इंडिया।' माहौल खराब करने की नीयत से इस पोस्ट में कट्टर हिंदू नाम के एक अकाउंट सहित कुछ अन्य लोगों को भी टैग किया गया है। देश के खिलाफ ऐसी बातें लिखने से इलाके के लोग बहुत नाराज हैं। वहीं पुलिस ने अभी तक इस मामले में कोई कार्रवाई नहीं की है।

कांवड़ यात्रा के दृष्टिगत देर रात कछला गंगा घाट का किया गया स्थलीय निरीक्षण

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बदायूँ। श्रावण मास की कांवड़ यात्रा-2026 के दृष्टिगत जिला प्रशासन द्वारा श्रद्धालुओं की सुविधा एवं सुरक्षा को लेकर लगातार व्यवस्थाओं का जायजा लिया जा रहा है। इसी क्रम में जिलाधिकारी अवनीश राय व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा ने देर रात कछला गंगा घाट का स्थलीय निरीक्षण कर घाट पर श्रद्धालुओं के लिए की गई व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान घाट की साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था, सुरक्षा प्रबंध, आवागमन एवं श्रद्धालुओं की सुविधा से संबंधित अन्य व्यवस्थाओं को देखा गया तथा संबंधित अधिकारियों से आवश्यक जानकारी प्राप्त की गई। निरीक्षण के दौरान दोनों वरिष्ठ अधिकारियों ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि कछला गंगा घाट सहित कांवड़ यात्रा मार्ग पर श्रद्धालुओं की सुविधा एवं सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं पूरी तरह सुचारु रखी जाएं। घाट पर पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था, साफ-सफाई एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं को लगातार बेहतर बनाए रखने के साथ ही श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए आवश्यक सुरक्षा एवं यातायात प्रबंध सुनिश्चित किए जाएं। किसी भी स्थिति में श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो और उनकी यात्रा सुरक्षित एवं सुगम रहे, इसके लिए सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें। प्रशासन की ओर से कांवड़ यात्रा के दौरान कछला गंगा घाट एवं यात्रा मार्ग पर व्यवस्थाओं की लगातार निगरानी की जा रही है। अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि श्रद्धालुओं की सुविधा से संबंधित किसी भी समस्या की सूचना मिलते ही उसका तत्काल समाधान सुनिश्चित किया जाए तथा कांवड़ यात्रा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था में किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरती जाए।

उझानी कांवड़ यात्रा मार्ग शिवभक्तों की राह में गड्ढे, सड़क टूटी व बिखरी पड़ी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बदायूँ। उझानी थाना क्षेत्र के कांवड़ मार्ग पर जगह-जगह गड्ढे हो रहे हैं। सड़क टूटी व बिखरी पड़ी है। ऐसे बदहाल मार्ग से कांवड़ियों को गुजरना होगा। शासन के निर्देश के बावजूद अधिकारियों की ओर से कोई गंभीरता नहीं दिखाई जा रही है। श्रावण मास की शुरुआत के साथ कांवड़ यात्रा भी शुरू हो गई है। इसी के साथ कछला गंगा घाट से बदायूं जल लेकर आने वाले शिवभक्त भी अपने-अपने घरों से रवाना हो गए हैं। वहीं, शिवभक्त गंगा जल लेकर आने भी शुरू हो गए हैं। वहीं प्रदेश सरकार की ओर से जहां शिव भक्तों की सुरक्षा और सुविधा के लिए विशेष दिशा-निर्देश दिए गए हैं। वहीं, उझानी में कांवड़ मार्ग पर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। हाईवे पर कांवड़ियों के लिए बैरिकेडिंग कर मार्ग तो आरक्षित कर दिया है, लेकिन नगर में आने वाले मार्ग की टूटी सड़कों पर कोई गंभीरता नहीं दिखा रहा है। इसके अलावा उझानी मंडी से में बरी बाईपास कांवड़िया यहीं से होकर जाते हैं और जगहों पर जाकर जलाभिषेक करते हैं।वहीं, उनानी में जगह-जगह गड्ढे खुदे पड़े हैं, लेकिन अभी तक उनकी मरम्मत नहीं कराई गई। जिससे चर्चा का विषय बना हुआ है।

डीजे लगी ट्रॉली में फैला करंट, एक कांवड़िये की मौत, सात बच्चे झुलसे

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बदायूं। कादरचौक थाना क्षेत्र के गांव गौरा मई से शनिवार शाम कछला घाट जा रहे कांवड़ियों की डीजे लगी ट्रॉली में करंट प्रवाहित हो गया। करंट लगने से आठ कांवड़िये झुलस गए। इनमें सात बच्चे शामिल हैं, जबकि रोहित नाम के युवक की मौत हो गई। आपको बता दें कि कादरचौक थाना क्षेत्र में शनिवार शाम दर्दनाक हादसा हो गया। कछला गंगा घाट जा रहे श्रद्धालुओं की डीजे लगी ट्रैक्टर-ट्रॉली में करंट प्रवाहित हो गया। इस घटना में रोहित नाम के युवक रोहित (33 वर्ष) की मौत हो गई, जबकि सात बच्चे झुलस गए। बच्चों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने मृतक युवक के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा है। पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है। मृतक रोहित के छोटे भाई अमित कुमार ने बताया कि गौरा मई गांव से 60 से 70 कांवड़िये कछला गंगा घाट जा रहे थे। यह हादसा शनिवार शाम करीब साढ़े सात बजे हुआ। ट्रॉली में डीजे और जनरेटर लगा था। अमित कुमार के अनुसार, रास्ते में 11 केवीए की विद्युत लाइन के तार डीजे में लगे लोहे के एंगल से छू गए। इससे ट्रॉली और डीजे में करंट फैल गया, जिसकी चपेट में युवक और बच्चे आ गए। सीओ उझानी सुनील कुमार सिंह ने बताया कि ट्रैक्टर-ट्रॉली में बंधे डीजे में जनरेटर से शॉर्ट सर्किट हुआ। इस कारण कुछ बच्चे झुलस गए और ट्रॉली पर बैठे युवक रोहित की करंट लगने से मौत हो गई। हादसे में झुलसने वाले बच्चों में विपेंद्र (11 वर्ष), बृजेश (11 वर्ष) और तेजवीर (8 वर्ष) शामिल हैं। प्रशांत (14 वर्ष), सौरभ (8 वर्ष), दामेश (9 वर्ष) और अंशु (12 वर्ष) भी झुलसे हैं। ये सभी बच्चे गौरा मई गांव के निवासी हैं। उन्हें तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार जारी है। डॉक्टरों की टीम उनकी स्थिति पर लगातार निगरानी रख रही है। पुलिस ने घटना के संबंध में विस्तृत जांच शुरू कर दी है। सीओ सुनील कुमार सिंह ने जनरेटर से शॉर्ट सर्किट को हादसे का संभावित कारण बताया है।

हालांकि, मृतक के भाई ने 11 केवीए की विद्युत लाइन के छूने की बात कही है। पुलिस घटना की जांच पड़ताल कर रही है। हादसे की सही वजह जानने के लिए सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। वहीं एसपी सिटी अभिषेक कुमार सिंह ने बताया कि वाल्मीकि समाज के कुछ लोग ट्रैक्टर को ट्राली से जोड़कर उस पर डीजे बज रहे थे,और बच्चे डांस कर रहे थे, तभी जनरेटर से ट्रॉली पर करंट आने पर कुछ बच्चे झुलस गए, वहीं घायल बच्चों को स्थानीय थाने के माध्यम से मेडिकल कॉलेज भेजा गया है,वहीं जिसमें व्यक्ति की मौत हो गई है, कोई आगे की कार्रवाई की जा रही है।

जरूरतमंदों की सेवा ही स्व.मकबूल अहमद नूरी के जीवन का मकसद था : डॉ.ए.के.सिंह

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सुलतानपुर। जरूरतमंदों की मदद और समाजसेवा को जीवन का उद्देश्य बनाने वाले समाजसेवी स्व.मकबूल अहमद नूरी की स्मृति में संयुक्त सेवा समिति की ओर से शहर के एक होटल में श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। सभा में सामाजिक संस्थाओं के पदाधिकारी, समाजसेवी, पत्रकार और उनके शुभचिंतक नम आंखों से उन्हें याद करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की।कार्यक्रम की अध्यक्षता संयुक्त सेवा समिति के अध्यक्ष एवं वरिष्ठ सर्जन डॉ.ए.के. सिंह ने की। उन्होंने कहा कि स्व.नूरी ने अपना पूरा जीवन जरूरतमंदों की सेवा में समर्पित कर दिया। उन्होंने जाति और धर्म से ऊपर उठकर इंसानियत को प्राथमिकता दी। समाज के कमजोर और जरूरतमंद लोगों की मदद करना ही उनके जीवन का सबसे बड़ा उद्देश्य था। डॉ.सिंह ने कहा कि नूरी केवल समाजसेवी नहीं थे, बल्कि शहीद वीर अब्दुल हमीद की वीरता, त्याग और देशभक्ति के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने वाले व्यक्तित्व थे। उनके विचारों से प्रेरित होकर उन्होंने शहीद वीर अब्दुल हमीद एसोसिएशन की स्थापना की और सामाजिक सरोकारों को मजबूती देने का काम किया।सरदार बलदेव ने कहा कि नूरी हर सामाजिक कार्य में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते थे। उनकी कमी समाज को हमेशा खलेगी। श्रद्धांजलि सभा में स्व. नूरी के पुत्र एवं पत्रकार सरफराज अहमद भावुक हो उठे। उन्होंने कहा कि पिता ने पूरी जिंदगी लोगों की सेवा में लगा दी। उन्होंने जो मिशन शुरू किया था, वह उनके जाने के बाद भी नहीं रुकेगा। परिवार शहीद वीर अब्दुल हमीद के नाम और पिता की सेवा भावना को आगे बढ़ाते हुए जरूरतमंदों की मदद करता रहेगा। इस मौके पर शहीद वीर अब्दुल हमीद एसोसिएशन के संरक्षक जलील अंसारी, अब्दुल गफ्फार, शाह मोहम्मद, अफजाल अंसारी, उपाध्यक्ष जावेद अंसारी, मीडिया प्रभारी सुजीत कसौधन, पत्रकार सतनाम सिंह, प्रमोद यादव, नवनीत सिंह, शुभम गौतम, मोहम्मद काशिफ समेत नूरी के पुत्र मास्टर मोहम्मद अहमद, रिजवान अहमद, जुबेर अहमद और इरफान अहमद मौजूद रहे।

शनि मंदिर के पास घर लौट रहे बाइक सवार को मारी जोरदार टक्कर बरेली रेफर, पुलिस जाँच में जुटी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बिसौली कैनविज टाइम्स संवाददाता। नगर में बिल्सी रोड पर शनि मंदिर के समीप दो बाइकों की आमने - सामने जोरदार टक्कर हो गई। जिसमें तीन लोग घायल हो गए एक बाइक पर सवार दो घायल लोग मौका पाकर बाइक छोड़कर फरार हो गए सूचना पर पहुंची पुलिस नें एक घायल को सीएचसी पर भर्ती कराया प्राथमिक उपचार के हालत नाजुक होने पर रेफर कर दिया पुलिस मामले की जाँच कर रही है। बिसौली नगर के मोहल्ला मौर्य कॉलोनी निवासी भूपेंद्र मौर्य पुत्र चिरोंजी लाल मौर्य बिल्सी रोड पर स्थित नाथ वाटिका से मक्का सुखाने के बाद रविवार को 10 बजे घर लौट रहे थे तभी शनि मंदिर के पास बाइक पर सवार दो लोगों नें सामने से जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में दोनों बाइकों पर सवार तीन लोग घायल हो गए जिससे मौके पर अफरा- तफरी का माहौल बन गया। हादसे के बाद आस-पास लोग दौड़कर पहुँचे वही बाइक में टक्कर मारने वाले बाइक छोड़कर फरार हो गए वही लोगों ने घायल भूपेंद्र को संभाला और घटना की सूचना पुलिस को दी। इसके बाद घायल को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिसौली में भर्ती कराया जहां अस्पताल में मौजूद डॉक्टरों घायल भूपेंद्र का प्राथमिक उपचार किया हालत गंभीर होने पर घायल भूपेंद्र को रेफर कर दिया मौके पर पहुंची पुलिस बाइक कब्जे में लेकर कोतवाली लेकर पहुंची और बाइक नंबर से टक्कर मारने वालों की तलाश में जुटी हुई है वही पुलिस जांच-पड़ताल में जुट गई। और हादसे के कारणों की जानकारी कर रही है।

कांवड़ियों से भरा ऑटो सांड से टकराकर पलट, कई कांवडियों गंभीर रूप से घायल

बदायूं कैनविज टाइम्स संवाददाता। थाना अलापुर क्षेत्र में जीटीआई कॉलेज के निकट कछला गंगा घाट से जल लेकर शाहजहांपुर के पटना देवकली मंदिर जा रहे कांवड़ियों से भरा ऑटो सांड से टकराकर पलट गया,ऑटो में सवार महिलाओं और बच्चों सहित सात कांवड़िए घायल हो गये, घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां से सेजल और सोना को राजकीय मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया, वहीं हॉट मिक्स प्लांट के पास हुए दूसरे हादसे में नैथू निवासी बजरंगी (15) पुत्र हरिश्चंद्र और दारानगर निवासी अभिषेक (20) पुत्र महेश चंद्र घायल हुए हैं, दोनों घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया।

द्वितीय सोमवार की कांवड़ यात्रा को लेकर प्रशासन अलर्ट, राजघाट बबराला में डीएम-एसपी ने परखी तैयारियां

घाट पर साफ-सफाई, बैरीकेडिंग, सीसीटीवी एवं पीए सिस्टम सहित सुरक्षा व्यवस्थाओं को लेकर दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

सम्भल (बहजोई) कैनविज टाइम्स संवाददाता। श्रावण मास की कांवड़ यात्रा के अंतर्गत कल पड़ने वाले द्वितीय सोमवार को दृष्टिगत रखते हुए जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल एवं पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई ने रविवार को राजघाट बबराला का स्थलीय निरीक्षण कर कांवड़ यात्रियों की सुविधाओं एवं सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए सभी व्यवस्थाएं समय से पूर्ण एवं व्यवस्थित रखी जाएं। उन्होंने मजिस्ट्रेट ड्यूटी, घाट एवं उसके आसपास साफ-सफाई, सुरक्षा एवं सतर्कता को लेकर विशेष निर्देश दिए। अधिकारियों ने घाट पर बैरीकेडिंग की व्यवस्था, सीसीटीवी कैमरों की निगरानी व्यवस्था तथा पीए सिस्टम को प्रभावी बनाए रखने के निर्देश दिए, ताकि श्रद्धालुओं को आवश्यक सूचनाएं समय-समय पर उपलब्ध कराई जा सकें और किसी भी स्थिति में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने संबंधित अधिकारियों से कहा कि कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए सभी व्यवस्थाओं पर लगातार निगरानी रखी जाए तथा किसी भी आकस्मिक स्थिति से निपटने के लिए अधिकारी एवं कर्मचारी पूरी तरह सतर्क रहें। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी गुन्नौर अवधेश कुमार, क्षेत्राधिकारी गुन्नौर, खण्ड विकास अधिकारी गुन्नौर कमलकांत, अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत बबराला अमरेश तिवारी सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

बाढ़ प्रभावित परिवारों को दातागंज विधायक ने वितरित की राहत सामग्री

बदायूँ कैनविज टाइम्स संवाददाता । जनपद में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में प्रभावित परिवारों को राहत पहुंचाने एवं उन्हें आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शनिवार को दातागंज विधायक राजीव कुमार सिंह ने बाढ़ राहत सामग्री का वितरण किया। इस दौरान बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में पहुंचकर जरूरतमंद परिवारों को राहत किट उपलब्ध कराई गईं, ताकि बाढ़ की स्थिति के कारण उत्पन्न हुई परेशानियों के बीच प्रभावित परिवारों को आवश्यक सामग्री उपलब्ध हो सके और उन्हें तत्काल राहत मिल सके। राहत सामग्री वितरण के दौरान ग्राम जटा के मजरे प्रेमी नगला, जसवंत नगला तथा ग्राम खजुरा पुख्ता के मजरे ठकुरी नगला सहित अन्य प्रभावित क्षेत्रों में जरूरतमंद परिवारों को कुल 352 बाढ़ राहत किट वितरित की गईं। इनमें जसवंत नगला में 24 किट, प्रेमी नगला में 39 किट, ठकुरी नगला, मजरा ग्राम खजुरा पुख्ता में 89 किट तथा जटा में 200 किट का वितरण किया गया। राहत सामग्री प्राप्त होने पर प्रभावित परिवारों ने प्रशासन एवं जनप्रतिनिधियों के प्रति आभार व्यक्त किया। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में प्रशासन द्वारा स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है तथा प्रभावित परिवारों तक आवश्यक राहत सामग्री पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि बाढ़ प्रभावित लोगों की आवश्यकताओं का लगातार आकलन करते हुए उन्हें हरसंभव सहायता उपलब्ध कराई जाए। प्रशासन की प्राथमिकता है कि बाढ़ से प्रभावित किसी भी परिवार को आवश्यक सुविधाओं एवं राहत सामग्री के लिए परेशान न होना पड़े तथा जरूरतमंद लोगों तक समय से राहत पहुंचाई जाए।

घर से पत्नी लापता, 20 हजार रुपये और जेवर ले जाने का आरोप मुकद्दमा दर्ज

पूरनपुर कैनविज टाइम्स संवाददाता । थाना माधौटांडा क्षेत्र के ग्राम नौरंगाबाद निवासी वीरेंद्र ने पुलिस को तहरीर देकर पत्नी गुड़िया देवी के लापता होने की शिकायत की है आरोप है कि एक अगस्त की रात पत्नी घर से गायब हो गई और घर में रखे 20 हजार रुपये व कुछ जेवर भी साथ ले गई वीरेंद्र ने आरोप लगाया कि करिश्मा पुत्री सियाराम शर्मा और सियाराम शर्मा निवासी मोहल्ला साहूकारा, लाइनपार पूरनपुर उसकी पत्नी को अपने साथ ले गए हैं। पूछताछ करने पर दोनों कोई जानकारी नहीं दे रहे हैं पीड़ित ने पुलिस से पत्नी की बरामदगी और मामले में कानूनी कार्रवाई की मांग की है पुलिस ने तहरीर के आधार पर जांच शुरू कर दी है

कांग्रेसियों ने मनाया अगस्त क्रांति दिवस, महापुरुषों की प्रतिमाओं पर किया माल्यार्पण

महानायकों के बलिदान से मिली देश को आजादी : शकील अंसारी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सुल्तानपुर। जिला एवं शहर कंग्रेस कमेटी के तत्वावधान में रविवार को 9 अगस्त क्रांति दिवस श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व शहर कंग्रेस अध्यक्ष शकील अंसारी ने किया। कंग्रेसजनों ने जलकल स्थित महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर कार्यक्रम की शुरुआत की। इसके बाद जिला पंचायत स्थित शिवराम हरि राजगुरु, सुखदेव थापर एवं शहीद-ए-आजम भगत सिंह की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया गया। इसके बाद कंग्रेसजन बस स्टॉप स्थित चंद्रशेखर आजाद की प्रतिमा स्थल पहुंचे और माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। वहीं कार्यक्रम को सुभाष मार्केट स्थित नेताजी सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर संपन्न किया गया। उसके बाद जिला कंग्रेस कमेटी कार्यालय के प्रांगण में संगोष्ठी आयोजित कर महापुरुषों के जीवनी पर प्रकाश डाला गया। शहर अध्यक्ष शकील अंसारी ने कहा कि 9 अगस्त क्रांति दिवस देश के स्वतंत्रता आंदोलन के गौरवशाली संघर्ष और बलिदान की याद दिलाता है। महात्मा गांधी, भगत सिंह, राजगुरु, सुखदेव, चंद्रशेखर आजाद और सुभाष चंद्र बोस जैसे महानायकों ने देश की आजादी के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। आज जरूरत है कि हम उनके विचारों और आदर्शों को अपने जीवन में उतारें। पीसीसी सदस्य हौसला भीम ने कहा कि आजादी हमें लंबे संघर्ष और अनगिनत बलिदानों के बाद मिली है। क्रांति दिवस हमें उन वीर सेनानियों के त्याग को याद करने का अवसर देता है, जिन्होंने अंग्रेजी हुकूमत के सामने झुकने के बजाय देश की स्वतंत्रता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। उनके संघर्ष से प्रेरणा लेकर लोकतंत्र और संविधान की रक्षा के लिए सभी को एकजुट होकर काम करना चाहिए। शहर कंग्रेस प्रवक्ता हामिद राईनी ने कहा कि क्रांति दिवस केवल एक ऐतिहासिक दिवस नहीं, बल्कि देश के प्रति जिम्मेदारी का एहसास कराने वाला अवसर है। स्वतंत्रता सेनानियों ने जिस भारत का सपना देखा था, उसे मजबूत बनाने के लिए लोकतांत्रिक मूल्यों, भाईचारे और सामाजिक न्याय की रक्षा करना हम सभी की जिम्मेदारी है।

कछला गंगाघाट जा रहे कांवड़ियों की ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटी, कई घायल

बदायूं। सिविल लाइंस थाना क्षेत्र में बालाजी मंदिर के पास शनिवार रात कांवड़ियों की ट्रैक्टर-ट्रॉली पलट गई। हादसे में दो कांवड़िये घायल हो गए। ये कांवड़िये कछला घाट से गंगाजल लेने जा रहे थे। पुलिस ने घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया। आपको बता दें कि कछला घाट पर गंगाजल भरने जा रहे कांवड़ियों की ट्रैक्टर-ट्रॉली शनिवार रात सिविल लाइंस थाना क्षेत्र में बालाजी मंदिर के पास अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में ट्रॉली में सवार दो लोगों को मामूली चोटें आईं। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों घायलों को उपचार के लिए राजकीय मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया। चिकित्सकों के अनुसार दोनों की हालत खतरे से बाहर है। पुलिस के अनुसार, दातागंज क्षेत्र के गांव डहरपुर खुर्द निवासी करीब 12 कांवड़िये ट्रैक्टर-ट्रॉली से कछला गंगाघाट जल लेने जा रहे थे। बालाजी मंदिर के पास अचानक ट्रैक्टर अनियंत्रित हो गया और ट्रॉली समेत सड़क से नीचे पलट गया। हादसे के बाद मौके पर अफरातफरी मच गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने तत्काल राहत कार्य शुरू कर घायलों को अस्पताल पहुंचाया।

मोतीगंज थाना क्षेत्र से लेकर कहोबा चौकी क्षेत्र में बिना परमिट के किया जा रहा वृक्षों का सफाया

वन माफियाओं का महफूज ठिकाना बना थाना या कहोबा चौकी का इलाका

पुलिस और वन विभाग के संरक्षण में फल-फूल रहा गोरखधंधा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंडा । मोतीगंज थाना क्षेत्र से लेकर कहोबा चौकी क्षेत्र में प्रतिबंधित पेड़ों की अंधाधुंध कटान बिना परमिट के वन विभाग और इलाकाई पुलिस की मिलीभगत से धड़ाले से की जा रही है।पिछले दो तीन में क्षेत्र के विभिन्न गांवों में सैकड़ों सागौन के वृक्षों के साथ ही आम,महुआ व नौम जैसी प्रतिबं धित प्रजाति के पेड़ों को धराशाई किया जा चुका है जिले का मोतीगंज थाना पेड़ कटवा थाना के ना म से जिले में मशहूर हो रहा है। वहीं, दूसरी तरफ इस थाने की कहोवा पुलिस चौकी भी तमाम गैर कानूनी कामों और कारनामों के लिए जानी जाती है।वहीं चर्चा है कि कहोबा चौकी क्षेत्र के चहबचवां पही पर दर्जनों पेड़ बिना परमिट के पुलिस तथा ब न विभाग की मिलीभगत से धराशाई होने की योज ना बनाई जा रही है।सूत्र बताते हैं कि कुछ स्थानी य लोगों द्वारा क्षेत्रीय पुलिस व वन विभाग के जि म्मेदार से इसकी शिकायत भी की गयी लेकिन को ई कार्रवाई नहीं की गयी।कहोबा चौकी क्षेत्र के ही कई और गांवो में बेस कीमती पेड़ों को बिना परमि ट के काट डाला गया।इसकी सूचना जब कुछ लो गों द्वारा चौकी पुलिस को दी गई तो कहा गया कि दिखवाते हैं।वहीं,जब वन विभाग को जानकारी दी गयी तो कार्रवाई की बात कही गई है लेकिन कोई मौके पर झांकने तक नहीं पहुंचा था।इस तरह से कहोबा चौकी क्षेत्र प्रतिबंधित प्रजाति के पेड़ों को बिना परमिट के ही धराशाई कर दिया गया।चौकी क्षेत्र में पेड़ों की कटान का सिलसिला अनवरत जा री है, जिस पर कोई प्रतिबंध लगाने वाला नहीं है।

अवैध कटान का गढ़ मोतीगंज थाना क्षेत्र

मोतीगंज थाना थाना क्षेत्र या फिर कहोबा चौकी क्षेत्र का कौमी, सोहांस, हडहवा, पुरविहन पुरवा, वीरेपुर, कहोबा, दलपतपुर, काजीदेवर, छाध्यारा, गोविदपारी, बिरवा बभनी,कस्टुआ,चकसड़, अक मा,दुल्हापुर,सीहागाँव,मतवरिया, छजवा, सोठिया सहित अन्य कई गांव ठेकेदारों के लिए अवैध वृक्षों की कटान का गढ़ माने जाते हैं। यहां पुलिस और वन विभाग की मिलीभगत से हरे-भरे प्रतिबंधित वृक्षों का सफाया किया जाता है।सूत्र बताते हैं कि कोई दिन ऐसा नहीं होता है,जब इस क्षेत्र में पेड़ों की कटान न होती हो।क्षेत्र के लोग तो कहोबा को भी पैड़कटवा चौकी कहने लगे हैं।ग्रामीणों का कह ना है कि वृक्षों की अंधाधुंध कटान से बाग-बगीचे साफ होते जा रहे हैं और पुलिस तथा वन विभाग के जिम्मेदार अधिकारी-कर्मचारी मालामाल हो रहे हैं।इस पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए।

अपना-अपना पल्ला झाड़ रहे जिम्मेदार

अवैध रूप से प्रतिबंधित प्रजाति के वृक्षों की अंधा धुंध कटान के संबंध में जिम्मेदार अपने-अपने दाम न बचा रहे हैं। पुलिस का कहना है कि सूचना मिल ने पर कार्रवाई की जाती है, क्षेत्र में अवैध कटान की जानकारी नहीं है।पता कर कार्रवाई की जाए गी।वहीं,वन विभाग भी पल्ला झाड़ रहा है।क्षेत्रीय वनाधिकार का कहना है कि जानकारी नहीं है। जां च कराकर कार्रवाई की जाएगी।अनवरत जारी है, जिस पर कोई प्रतिबंध लगाने वाला नहीं है।

हिंदी में चमके नानपारा के मेधावी, साहित्य सुरभि संस्थान ने किया सम्मानित

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नानपारा, बहराइच । माध्यमिक शिक्षा परिषद की वर्ष 2026 की परीक्षाओं में हिंदी विषय में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं के सम्मान में हिंदी साहित्य सुरभि संस्थान, नानपारा की ओर से सम्मान समारोह आयोजित किया गया। श्री शंकर इंटर कॉलेज के प्रांगण में आयोजित समारोह में हाईस्कूल में 90 प्रतिशत से अधिक तथा इंटरमीडिएट में 85 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को मेडल एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। वहीं दोनों वर्गों में सर्वोच्च अंक हासिल करने वाले तीन-तीन विद्यार्थियों को विशेष रूप से शील्ड, मेडल, पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर उनकी प्रतिभा का उत्साहवर्धन किया गया। समारोह की अध्यक्षता संस्थान के संरक्षक रजनीकांत मिश्रा ने की। मां सरस्वती के चित्र पर पुष्पार्चन एवं वंदे मातरम के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर विभिन्न विद्यालयों के प्रधानाचार्य, शिक्षक एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रहे। इंटरमीडिएट वर्ग में श्री शंकर इंटर कॉलेज की शिवानी साहू ने 97 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम, प्रयांशी मिश्रा ने 95 प्रतिशत के साथ द्वितीय तथा अलीना साजिद ने 92 प्रतिशत अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान हासिल किया। वहीं हाईस्कूल वर्ग में श्री शंकर इंटर कॉलेज के प्रखर कुमार पांडे और ज्ञान वर्मा ने 97-97 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि सरस्वती विद्या मंदिर के देवांश पांडे ने 96 प्रतिशत अंक के साथ तृतीय स्थान हासिल किया। सभी उत्कृष्ट विद्यार्थियों को स्मृति चिह्न एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। समारोह को प्रधानाचार्य अनुराग श्रीवास्तव एवं प्राध्यापक दिनेश जी ने संबोधित करते हुए विद्यार्थियों की उपलब्धियों की सराहना की। संस्थान के अध्यक्ष धर्मेंद्र कांत श्रीवास्तव ने आयोजन के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए सभी आगंतुकों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन समिति के महामंत्री उमेश चंद्र शाह ने किया। इस अवसर पर प्रेमनाथ मिश्रा, डॉ. दिनेश चंद्र, डॉ. अशोक गुप्ता, श्वेता सिंह, वीरांगना कांत, मुक्तेश्वर पोद्दार, खुशबू शर्मा, डॉ. असीम शुक्ला, अजय अग्रवाल, राजेंद्र मित्तल, जसवंत मिश्रा, सुरेश चौधरी, ओमप्रकाश पोद्दार, कृति शुक्ला, मनोज गुप्ता, बालमुकुंद मिश्रा, अजय यादव, मनोज मिश्रा, बीएन मिश्र एवं सत्य नारायण सिंह सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

तेज रफ्तार पिकअप ने बाइक सवार दो युवकों को रौंदा, मौत

कैनविज टाइम्स संवाददाता

आमने-सामने की टक्कर के बाद पलटी पिकअप चुवाड़ गांव के थे दोनों मृतक, चालक फरार

गोंडा । मसकनवा-छपिया मार्ग पर शनिवार देर रात तेज रफ्तार पिकअप ने बाइक सवार दो युवकों को टक्कर मार दी।हादसे में दोनों युवक गंभीर रू प से घायल हो गए।मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र छपिया पहुंचाया ज हां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया,हादसे के बाद पिकअप भी सड़क पर पलट गई।चालक मौके से फरार हो गया।हादसा शनिवार रात करीब साढ़े नौ बजे थाने से पश्चिम करीब आधा किलोमी टर दूर थाने और पौधशाला के बीच पुलिया मोड़ के पास हुआ।बताया गया कि बभनान की ओर से तेज गति से आ रही पिकअप ने सामने से आ रही बाइक में टक्कर मार दी।टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक सवार सड़क पर जा गिरे और गंभीर रू प से घायल हो गए।मृतकों की पहचान रंजीत (4 0) पुत्र प्रेमचंद्र और गंगाधर (42) पुत्र राम केवल, निवासी चुवाड़, थाना छपिया के रूप में हुई।दोनों किसी निजी काम से गोंडा मुख्यालय गए थे और रात में बाइक से अपने घर लौट रहे थे।हादसे के बाद घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जुट गई। सूच ना मिलते ही एसओ प्रबोध कुमार पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और दोनों घायलों को अस्पता ल भिजवाया।चिकित्सकों ने जांच के बाद दोनों को मृत घोषित कर दिया।पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। एसओ प्रबोध कुमार ने बताया कि पिकअप चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।उसकी तलाश की जा रही है।

गोंडा जिले में तो पिछले नव वर्षों से जनसरोकार से दूर हैं विपक्षी पार्टियां

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंडा । सूबे की सियासत में बीजेपी के बाद समाज वादी पार्टी ही सबसे मजबूत स्थिति में है, लेकिन हकीकत यह है कि जनता की समस्याओं को लेक र सड़कों पर उतरकर विरोध-प्रदर्शन करने के माम ले में वह शून्य है। इसके साथ ही कांग्रेस व बसपा भी नेपथ्य में हैं। जनसरोकार से जुड़ी समस्याओं को लेकर भी विपक्षी दल उदासीन हैं।आम आदमी की दिक्कतों और परेशानियों से तो जैसे इन्हें कोई लेना देना ही नहीं है। यहां तक कि जुल्म-ज्यादती पर भी इनमें जरा सी भी जुंबिश नहीं होती है।वर्ष 2023 में समाजवादी पार्टी ने पप्पू यादव को हटा कर अरशद हुसैन को जिलाध्यक्ष बनाया था। उम्मी द जताई कि वह पूर्व जिलाध्यक्ष से बेहतर करेंगे। संगठन मजबूत होगा और जनता की आवाज बुलं द करने के लिए सड़कों पर उतरकर विरोध-प्रदर्शन करेंगे। पार्टी हाईकमान को यह भी उम्मीद थी कि अरशद हुसैन के जिलाध्यक्ष बनने से गोंडा जिले में साइकिल रफ्तार पकड़ेगी,लेकिन हुआ ठीक उल्टा पिछले चार साल से जिले में साइकिल की रफ्तार थमी हुई है।इससे पार्टी के कार्यकर्ताओं में निराशा है।सपा के एक जिला स्तरीय पदाधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि जब से अरशद हु सैन जिलाध्यक्ष बनाए गए हैं,तब से जिले में समाजवादी पार्टी गर्त में चली गई है।यहां पार्टी जेबी संगठन बनकर रह गयी है। सूत्रों का कहना है कि जिलाध्यक्ष अरशद हुसैन ने अपने इंटर कॉलेज के एक शिक्षक को महासचिव बनाकर इस महत्व पूर्ण पद पर स्वयं कब्जा कर रखा है।बहरहाल, सच्चाई यह है कि आमजन तमाम समस्याओं से जूझ रहा है,जबकि जिले में समाजवादी पार्टी आपसी खींचतान और गुटबाजी से जूझ रही है। सपा को जनता की तकलीफों,सरकार की नीतियों, भ्रष्टाचार, ध्वस्त कानून व्यवस्था और महंगाई जैसे मुद्दों से जैसे कोई सरोकार ही नहीं है। वहीं दूसरी तरफ जिले में कांग्रेस पार्टी मुख्य विपक्ष की भूमि का निभा रही थी,लेकिन सांगठनिक ढांचे में परि वर्तन के बाद से कार्यकर्ताओं ने सुस्ती की चादर ओढ़ ली है और जिम्मेदार पदाधिकारी भी जनस मस्याओं से मुंह मोड़ लिए हैं।हालांकि, संगठन परि वर्तन से पहले इसी कांग्रेस पार्टी व आम आदमी पार्टी द्वारा दो साल में दो सौ से अधिक धरना-प्रदर्शन किए जा चुके हैं।ध्वस्त विद्युत आपूर्ति, भ्रष्टाचार, महंगाई व कानून व्यवस्था समेत आम जन से जुड़ी तमाम मुद्दों और समस्याओं को लेकर आम आदमी पार्टी के जिलाध्यक्ष अजय मिश्रा के नेतृत्व में धरना-प्रदर्शन किया जाता रहा। पुलिस व प्रशासन के अधिकारियों के बीच नोकझोंक,धक्का मुक्की तक की नौबत आ जाती है।पुलिस द्वारा ला ठियां लहराकर आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं को डराने की कोशिश भी की जाती रही,लेकिन इ सके बावजूद वे डटे रहते थे।वही आम आदमी पा र्टी के जिलाध्यक्ष कहते हैं कि आम आदमी पार्टी हमेशा जनता की लड़ाई लड़ती रही है। इसके लिए चाहे लाठियां बरसाईजाएं या जेल भेजा जाए आम आदमी डरने वाले नहीं हैं। वहीं सूबे की सियासत में चार बार सत्ता में रह चुकी बहुजन समाज पार्टी तो नेपथ्य में चली गयी है।पार्टी सिर्फ बैठकों तक ही सीमित है।

नव साल से थमी है साइकिल की रफ्तार, बसपा को भी संजीवनी की दरकार

संघर्षों से दूर हुई कांग्रेस,अब बड़ी वारदातों पर भी नहीं करती विरोध-प्रदर्शन

नव साल में बसपा द्वारा जनता की समस्याओं को लेकर किसी भी तरह का विरोध-प्र दर्शन नहीं किया गया,जो राजनीतिक रूप से जन सरोकार से दूरी का ज्वलंत उदाहरण है।हालत यह है कि विपक्षी दल संघर्षों के रास्ते से नदारद हैं औ र आम आदमी खाद, बिजली, पानी जैसी तमाम मूलभूत सुविधाओं के लिए सड़कों पर उतरकर संघर्ष कर लाठियां खा रहा है।

प्रेमी के साथ दिखी पत्नी तो भड़का पति, सड़क पर युवक की पिटाई

पति का दावा,तलाक अभी नहीं हुआ पुलिस बोली वीडियो का संज्ञान लेकर शुरू की जांच

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंडा । नगर कोतवाली क्षेत्र के अंबेडकर चौराहे पर शनिवार शाम उस समय हाईवोल्टेज ड्रामा हो गया जब एक पति ने अपनी पत्नी को दूसरे युवक के साथ देख लिया।पति ने युवक को कथित तौर पर पत्नी का प्रेमी बताते हुए उसके साथ मारपीट शुरू कर दी।सड़क पर हुई मारपीट के दौरान पत्नी युव क को बचाने और विवाद शांत कराने की कोशिश करती रही।घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने मामले का संज्ञान लेकर जांच शुरू कर दी है।घटना शनिवार शाम क रीब साढ़े चार बजे प्रधान डाकघर के सामने की बताई जा रही है।कर्नलगंज क्षेत्र के एक गांव नि वासी गोविंद कुमार की नजर अपनी पत्नी प्रिया गौतम पर पड़ी।वह एक युवक के साथ थी।पति ने युवक को पत्नी का कथित प्रे मी बताया।इसके बा द दोनों के बीच कहासुनी शुरू हो गई और देखते ही देखते मामला मारपीट तक पहुंच गया।

शादी,बच्चा और अब तलाक की अर्जी

गोविंद के मुताबिक,उसकी शादी प्रिया से मई 20 23 में हुई थी।दोनों का करीब एक साल का बच्चा भी है।पति का आरोप है कि करीब डेढ़ माह पहले प्रिया एक युवक के साथ घर से चली गई थी।बाद में वापस आने के बाद उसने पति के साथ रहने से इनकार कर दिया और अदालत में तलाक की अ र्जी दाखिल कर दी।गोविंद का कहना है कि तला क की कानूनी प्रक्रिया अभी पूरी नहीं हुई है।इसी को लेकर वह पत्नी को समझाने की कोशिश कर रहा था।शनिवार को पत्नी को युवक के साथ देख कर विवाद बढ़ गया।

वायरल वीडियो में सड़क पर मारपीट

सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में सड़क पर एक युवक के साथ मारपीट होती दिखाई दे रही है।महिला बीच-बचाव करती नजर आ रही है। मौके पर लोगों की भीड़ भी जुटी रही। हालांकि, वायरल वीडियो में दिखाई दे रहे घटनाक्रम की पूरी परिस्थितियां पुलिस की जांच के बाद ही स्पष्ट हों गी।नगर कोतवाल बिंदेश्वरी मणि त्रिपाठी ने बताया कि प्रधान डाकघर के सामने आपस में मारपीट की सूचना और वीडियो का संज्ञान लिया गया है। अभी किसी पक्ष की ओर से लिखित शिकायत न हीं मिली है।पुलिस वायरल वीडियो और घटना से जुड़े तथ्यों की जांच कर रही है।शिकायत मिलने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

संत रविदास के विचार मानव जाति के लिये प्रेरणापुंज है : मटियारी

अमेठी कैनविज टाइम्स संवाददाता। भाजपा ग्रामीण मण्डल द्वारा संत शिरोमणि गुरु रविदास जी महाराज की भव्य कलश यात्रा का आयोजन किया गया जो कि विभिन्न स्थानों पर पूज्य गुरु रविदास जी महाराज के समता, सामाजिक समरसता, आपसी प्रेम और अखंड मानवता के कल्याणकारी संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के पावन संकल्प के साथ एक भव्य 'कलश यात्रा' निकाली गई।आस्था, अटूट श्रद्धा और सामाजिक एकता के त्रिवेणी रंग से ओत प्रोत इस दिव्य यात्रा में भारी संख्या में श्रद्धालुओं और कार्यकर्ताओं ने सम्मिलित होकर पूज्य गुरुदेव के चरणों में शीश नवाया। इस अलौकिक उत्सव ने पूरे क्षेत्र को पूरी तरह भक्तिमय और ऊर्जामय बना दिया है।सांगठनिक गरिमा एवं मुख्य अतिथि:कलश यात्रा और कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा ग्रामीण मण्डल के अध्यक्ष श्री अजय सिंह गौर जी ने की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व विधायक चन्द्र प्रकाश मिश्र 'मटियारी' तो विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व जिला अध्यक्ष राम प्रसाद मिश्र, जिला मंत्री संतोष द्विवेदी, मण्डल अध्यक्ष संजय सिंह एवं सोनू तिवारी जी सहित क्षेत्र के तमाम वरिष्ठ नेता, पदाधिकारी और देवतुल्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।मुख्य अतिथि पूर्व विधायक चन्द्र प्रकाश मिश्र 'मटियारी' ने कहा कि गुरु रविदास जी महाराज का जीवन और उनके विचार संपूर्ण मानव जाति के लिये प्रेरणापुंज हैं। उनका संदेश समाज में ऊंच नीच के भेद को मिटाकर आपसी समरसता और भाईचारा स्थापित करने की शक्ति देता है।भाजपा संगठन गुरुदेव के इसी अंत्योदय और सामाजिक एकता के संकल्प को लेकर जन जन के बीच निरंतर कार्य कर रहा है।

भाजपा के मण्डल उपाध्यक्ष के बेटे की सड़क दुर्घटना में हुई मौत पर शोक जताया

अमेठी कैनविज टाइम्स संवाददाता। भारतीय जनता पार्टी मण्डल राजा फत्तेपुर के उपाध्यक्ष के बीस वर्षीय बेटे की सड़क दुर्घटना में मौत हो जाने पर क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है। रविवार को पैतृक गांव स्थित बाग में आयोजित अंतिम संस्कार में प्रदेश सरकार के राज्यमंत्री एवं ब्लाक प्रमुख के साथ ही भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने नम आंखों से भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित किया है।थाना इन्हौना क्षेत्र के गांव महमूद सराय मजरे आजादपुर निवासी राम बरन गुप्ता के ज्येष्ठ पुत्र अमित कुमार गुप्ता उम्र लगभग बीस वर्ष का शनिवार को बाराबंकी जनपद की कोतवाली हैदरगढ़ क्षेत्र के पोखरा मार्ग पर सड़क दुर्घटना में मृत्यु हो गई थी। इसके बाद परिजनों का रो रोकर बुरा हाल रहा और रविवार को गांव स्थित पैतृक बाग में आयोजित अंतिम संस्कार में प्रदेश सरकार के चिकित्सा शिक्षा एवं स्वास्थ्य राज्यमंत्री व तिलोई के विधायक राजा मयंकेश्वर शरण सिंह,ब्लाक प्रमुख तिलोई के प्रतिनिधि कृष्ण कुमार सिंह उर्फ मुन्ना सिंह, सिंहपुर के ब्लाक प्रमुख अंकित पासी, भाजपा नेता राकेश त्रिपाठी,धर्मेश मिश्रा, सत्य नारायण सिंह, शिरीष गुप्ता, डॉ सुरेन्द्र बहादुर सिंह,अनादि मिश्रा,मोहम्मद फकीर अहमद उर्फ मिस्टर, शिव कुमार साहू, मोहम्मद इलियास सहित अन्य तमाम भाजपा नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने शोक संवेदना व्यक्त करते हुये नम आंखों से भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित कर पीड़ित परिवार को ढांढस बंधाया है।

मिर्ज़ागढ़ में फंासी के फंदे पर झूलता मिला अधेड़ युवक का शव

तिलोई अमेठी कैनविज टाइम्स संवाददाता । थाना शिवरतनगंज क्षेत्र की ग्राम पंचायत कुकहा रामपुर के गांव मिर्ज़ागढ़ में रविवार को एक अधेड़ युवक का शव संदिग्ध परिस्थितियों में पंखे के हुक से झूलता मिलने से सनसनी फैल गई है। घटना की सूचना मिलते ही परिजनों ने स्थानीय पुलिस को अवगत कराया। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिये भेज दिया है। थाना क्षेत्र के गांव मिर्ज़ागढ़ निवासी राजू पुत्र देवता दीन उम्र लगभग पचास वर्ष का शव रविवार की सुबह उसके कमरे में पंखे के हुक से झूलता मिला। परिजनों की नजर शव पर पड़ते ही घर में चीख-पुकार मच गई। परिजनों की आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण भी मौके पर पहुंच गये तब तक राजू की मौत हो चुकी थी। परिजनों का रो रोकर बुरा है रहा और परिजनों की सूचना पर स्थानीय पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को नीचे उतरवाया और कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिये भेज दिया है। इस सम्बंध में थानाध्यक्ष दया शंकर मिश्रा ने बताया कि राजू की मौत के पीछे की वजह स्पष्ट नहीं हो सकी है।पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और घटना से जुड़े सभी पहलुओं की जानकारी जुटाई जा रही है। उन्होंने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद मौत के कारण स्पष्ट होने की उम्मीद है।

अवैध टैक्सी स्टैंड से रोडवेज को प्रति माह लाखों के राजस्व का चूना

कैनविज टाइम्स संवाददाता

जिम्मेदारों की साठगांठ से सरयू प्रसाद कन्या पाठ शाला के सामने चल रहा अवैध टैक्सी स्टैंड

आरटीओ, एआरटीओ, व यातायात प्रभारी तक बंद किए हैं आंखें

गोंडा । डग्गामार वाहनों का राज सिर्फ सड़कों पर ही नहीं है,बल्कि चौराहों और गुरूनानक व जिला महिला अस्पताल और सरयू कन्या पाठशाला का गेट के सामने परिवहन विभाग के एआरटीओ तथा ट्रैफिक पुलिस के प्रभारी के सामने डंके की चोट प र चल रहा है।रोडवेज बस स्टैंड के नजदीक सड़क पर अवैध ड़गामार बसों और टैक्सियों का सड़क पर कब्जा रहता है,जिससे सुबह कोचिंग व स्कूल-कॉलेज जाने वाले छात्र-छात्राओं को जाम में फंस कर दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। सूबे के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अवैध टैक्सी स्टैंडों को हटवाने के लिए सख्त निर्देश दिए थे,लेकिन में पुलिस और आरटीओ इसका पालन नहीं करवा पा रही है या फिर योगी सरकार के आदेश का जि म्मेदार अधिकारियों में खौफ नहीं दिखाई दे रहा है अवैध टैक्सी स्टैंडों से न सिर्फ अव्यवस्थाएं फैल र ही हैं,बल्कि आए दिन विवाद और हादसे भी होते रहते हैं।इसके बाद भी जिम्मेदार विभागों के अधि कारी बेखबर बने हुए हैं। नगर कोतवाली से करीब दो सौ मीटर दूरी पर ट्रैफिक पुलिसचौकी से करीब दो सी मीटर की दूरी पर सरयू प्रसाद कन्या पाठ शाला के सामने डग्गामार वाहन बीच सड़क पर ख ड़ी करके बेधड़क सवारियां भरते हैं।ट्रैफिक पुलिस इनको नहीं रोकती है,जिससे सुबह और दोपहर के समय स्कूल से निकलने वाली बसें और एंबुलेंस त क जाम में फंस जाया करती हैं।यही हाल झंझरी ब्लॉक के सामने भी है। यहां पर भी बड़ी संख्या में मैजिक और टाटा खड़ी की जाती हैं, जो रगड़गंज, उमरीबेगमगंज, तरबगंज आदि स्थानों के लिए स वारियां ले जाती हैं।इसके अलावा रेलवे स्टेशन, उतरौला रोड पर यशमय स्कूल के पास समेत श हर के कई चौराहों और अन्य हिस्सों में अवैध टै क्सी स्टैंड संचालित किए जा रहे हैं।वह भी जिम्मे दार विभागों के जिम्मेदार अधिकारियों की साठ गांठ से।हद तो यह है कि कार्रवाई न होने से धीरे-धीरे इनकी संख्या बढ़ती ही जा रही है।इसके बाव जूद जिम्मेदार इस ओर बिल्कुल भी ध्यान नहीं दे रहे हैं, जो एक बड़ी लापरवाही है।परिवहन विभाग के अफसर तो अंजान बने हुए हैं।पुलिस और नगर पालिका के अफसर भी आंखेंबंद किए बैठे हैं,सूत्रों के मुताबिक, एक व्यक्ति अपने आप को ट्रांसपोर्टर यूनियन का अध्यक्ष बताकर और सदर विधायक का नाम लेकर अवैध रूप से सड़क पर खड़ी हो रही बसों और टैक्सियों से वसूली तक करता है। वहीं,कई लग्जरी गाड़ियां हैं,जिस पर पुलिस लिखा हुआ है।वह पुलिस की दबंगई दिखाकर बीच सड़ क पर गाड़ी को खड़ी कर देते हैं और सवारियों को भूसे की ठूंस-ठूंस कर बैठाते हैं।सुबह होते ही रोड वेज बस स्टॉप के निकट गुरु नानक चौराहे से लेक र एलबीएस चौराहे तक प्राइवेट बसों और टैक्सी वालों का जमावड़ा लग जाता है,जिससे पैदल चल ने वालों के लिए भी मुसीबत खड़ी हो जाती है।

डीआईजी का भी आदेश नहीं मानते जिम्मेदार

यातायात प्रभारी अपनी सेटिंग-गेटिंग के अनुसार काम कर रहे हैं।डग्गामार वाहन चालक अपनी गा ड़ियों को सरयू प्रसाद कन्या पाठशाला के गेट के सामने रोडवेज बस स्टैंड के निकट मुख्य चौराहे प र खड़ी करके सवारियां बैठाते हैं।थ्चाहे सड़क ही क्यों न जाम हो जाए। सच तो यह है कि गोंडा में मुख्यमंत्री के साथ ही देवीपाटन रेंज के डीआईजी का भी निर्देश हवा-हवाई साबित हो रहा है। डग्गा मारवाहनों और अवैध टैक्सीस्टैंडों को लेकर,तत्का लीन आईजी अमित पाठक और तत्कालीन जिला धिकारी नेहा शर्मा ने भी सख्त निर्देश दिए थे लेकि न उस पर अमल नहीं किया जा रहा है। इस संबंध में एआरटीओ का कहना है कि डग्गा मार वाहनों के खिलाफ लगातार अभियान चलाकर कार्रवाई की जा रही है।

दिनदहाड़े पीपल और आम के पेड़ों पर चला आरा, सरकारी परिसर में कटान से मचा हड़कंप

कैनविज टाइम्स संवाददाता

विद्युत विभाग के परिसर में बेखौफ कटान का आरोप, जिम्मेदारों को भनक तक नहीं; वन विभाग ने पल्ला झाड़ा, अधिकारियों के जवाबों ने खड़े किए गंभीर सवाल

पूरनपुर।सरकार एक ओर पर्यावरण संरक्षण को लेकर लगातार अभियान चला रही है 'एक पेड़ मां के नाम' जैसे अभियानों के जरिए लोगों को पेड़ लगाने और बचाने का संदेश दिया जा रहा है, वहीं पूरनपुर में सरकारी विद्युत विभाग के परिसर में दिनदहाड़े पीपल, आम समेत अन्य पेड़ों पर आरा चलने का मामला सामने आया है पेड़ों की कटान का वीडियो सामने आने के बाद भी जिम्मेदार विभागों की सक्रियता नजर नहीं आने से मामला चर्चा में है सवाल उठ रहा है कि आखिर सरकारी परिसर में पेड़ों पर आरा चलाने की अनुमति किसने दी और यदि अनुमति नहीं थी तो कटान रोकने के लिए जिम्मेदार अमला कहां था?मामले की पड़ताल के दौरान विद्युत विभाग के अधिकारियों से जानकारी लेने का प्रयास किया गया अधिशासी अभियंता हरेंद्र कुमार से मामले के संबंध में पूछा गया तो उन्होंने एसडीओ मोहित गुप्ता से बात करने को कहा एसडीओ मोहित गुप्ता ने मामले की जानकारी होने से अनभिज्ञता जताई ऐसे में सवाल यह है कि विभाग के परिसर में दिनदहाड़े पेड़ों की कटान होती रही और जिम्मेदार अधिकारियों को इसकी जानकारी तक नहीं हुई?मामले में वन विभाग का पक्ष जानने के लिए वन दरोगा आशीष कुमार से संपर्क किया गया पेड़ों की कटान और इसकी अनुमति के संबंध में जानकारी मांगी गई बातचीत के दौरान जब शासन की पर्यावरण संरक्षण संबंधी नीतियों और पेड़ों की कटान पर कार्रवाई को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा जाओ शिकायत मुख्यमंत्री को कर दो और कटान का वीडियो मुख्यमंत्री तक पहुंचाने की बात कही बातचीत के बाद फोन काट दिए जाने से वन विभाग की भूमिका को लेकर भी सवाल खड़े हो गए यदि पेड़ सरकारी विद्युत विभाग के परिसर में काटे गए हैं तो क्या इसका मतलब यह है कि वन विभाग की जिम्मेदारी पूरी तरह समाप्त हो जाती है? और यदि पेड़ों की कटान के लिए अनुमति किसी अन्य विभाग से ली जानी थी तो उसकी जांच कौन करेगा? यही वे सवाल हैं जिनका जवाब अब संबंधित विभागों से अपेक्षित है पीपल जैसे वृक्ष धार्मिक और पर्यावरणीय दृष्टि से भी महत्वपूर्ण माने जाते हैं ऐसे में सरकारी परिसर में इसके कटान की खबर सामने आना सामान्य मामला नहीं है यदि पेड़ों की कटान नियमानुसार अनुमति लेकर की गई है तो संबंधित विभाग को अनुमति के दस्तावेज सार्वजनिक कर स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए वहीं, यदि अनुमति के बिना कटान हुआ है तो जिम्मेदारों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई होनी चाहिए मामले की जानकारी जुटाने के दौरान पत्रकार की ओर से संबंधित अधिकारियों का पक्ष जानने के लिए लगातार संपर्क किया गया उद्देश्य किसी विभाग या अधिकारी पर आरोप लगाना नहीं, बल्कि सरकारी परिसर में पेड़ों की कटान से जुड़े तथ्य सामने लाना और जिम्मेदार विभाग का पक्ष जनता तक पहुंचाना है अधिकारियों से पूछे गए सवालों और उनके जवाबों को ही खबर का हिस्सा बनाया गया है एक तरफ शासन स्तर पर हरियाली बचाने और अधिक से अधिक पौधरोपण के लिए अभियान चल रहे हैं, दूसरी तरफ यदि सरकारी परिसर में बिना अनुमति पेड़ों की कटान हुई है तो यह गंभीर विषय है ऐसे में यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि वन विभाग और विद्युत विभाग संयुक्त रूप से जांच कर पेड़ों की कटान की अनुमति, काटे गए पेड़ों की संख्या और जिम्मेदारी तय करते हैं या नहीं अब सबसे बड़ा सवाल यही है सरकारी परिसर में पीपल और आम के पेड़ों पर आरा किसके आदेश पर चला? कटान की अनुमति किसने दी यदि अनुमति नहीं थी तो कार्रवाई क्यों नहीं हुई और जिम्मेदार अधिकारियों को इसकी भनक तक क्यों नहीं लगी ।

माइंड पॉवर विश्वविद्यालय में 'दीक्षारंभ 2026' समारोह बड़े हर्षोल्लास से साथ आज मनाया जाएगा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नैनीताल।भीमताल स्थित माइंड पॉवर विश्वविद्यालय में नए सत्र की शुरुआत का प्रतीक दीक्षारंभ 2026' समारोह बड़े ही हर्षोल्लास और धूमधाम के साथ 10 अगस्त को समय 9:30 ऑडिटोरियम हाल में मनाया जाएगा। समारोह की तैयारियां पिछले कई दिनों से जोर-शोर से चल रही हैं।विश्वविद्यालय चांसलर के निर्देशन में दीक्षारंभ समारोह में नवप्रवेशी छात्र-छात्राओं का औपचारिक स्वागत किया जाएगा और उन्हें विश्वविद्यालय की परंपराओं, शैक्षणिक मूल्यों और अनुशासन से अवगत कराया जाएगा। इस दिन विभिन्न संकायों के डीन, विभागाध्यक्ष और वरिष्ठ प्रोफ़ेसर नए विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लक्ष्य और करियर की दिशा के बारे में मार्गदर्शन देंगे।कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, स्वागत गान, दीप प्रज्ज्वलन और संकल्प समारोह भी आयोजित किए जाएंगे। विश्वविद्यालय परिसर को रंगीन लाइटों, बैनरों और फूलों से सजाया जा रहा है। विश्वविद्यालय के डीन ऑफ एकेडमिक्स सुरेश कुमार यादव ने कहा कि माइंड पॉवर विश्वविद्यालय का उद्देश्य केवल डिग्री देना नहीं, बल्कि छात्रों में स्किल, रिसर्च और व्यक्तित्व विकास को बढ़ावा देना है। 'दीक्षारंभ' नए छात्रों के लिए प्रेरणा का दिन होगा और उन्हें आत्मविश्वास के साथ अपने शैक्षणिक सफर की शुरुआत करने में मदद करेगा।समारोह में अभिभावक, गणमान्य अतिथि और विश्वविद्यालय के सभी संकाय सदस्य भी उपस्थित रहेंगे।

गोमती मित्र मण्डल स्वत: समर्पित स्वच्छता प्रहरियों का समूह है : मदन सिंह

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सुलतानपुर। गोमती मित्र मण्डल द्वारा रविवार को श्री सीताकुण्ड धाम पर 744वां साप्ताहिक स्वच्छता जागरूकता श्रमदान संपन्न किया गया। प्रातः 06.00 बजे से 09.00 बजे तक चले श्रमदान में गोमती नदी के पूरे तट,परिसर, श्राद्ध स्थल एवं सीता उपवन की व्यापक सफाई की गई।

इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष मदन सिंह ने कहा कि गोमती मित्र मण्डल स्वतः समर्पित स्वच्छता प्रहरियों का समूह है। यह न तो कोई एनजीओ है और न ही किसी प्रकार की शासनिक आर्थिक सहायता अथवा चंदा प्राप्त करता है। अपने संकल्प और आपसी सहयोग से ही संगठन निरंतर स्वच्छता अभियान चला रहा है। प्रदेश प्रवक्ता रमेश चंद्र माहेश्वरी ने गोमती मित्रों से कहा कि सावन और विशेषकर नाग पंचमी से त्योहारों का सिलसिला शुरू होकर होली तक चलता रहेगा। ऐसे में धाम पर स्वच्छता व आने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा का विशेष ध्यान रखें और उन्हें प्रेरित करें की पूजा-पाठ के बाद पूजन सामग्री नदी अथवा परिसर में न डालें।

श्रमदान में संरक्षक रतन कसौधन, प्रदेश अध्यक्ष मदन सिंह, प्रबंधक राजेंद्र शर्मा, प्रदेश प्रवक्ता रमेश चंद्र माहेश्वरी, संतकुमार प्रधान, दिनकर सिंह, अजय प्रताप सिंह, सेनजीत कसौधन दाऊ, मुन्ना सोनी, सौरभ कसौधन, आलोक तिवारी, रामू सोनी, राजेश पाठक, राकेश सिंह दद्दू, मास्टर सम्राट, आनंद वत्स, राज मिश्रा, अभय मिश्रा, अभय सोनी, आभास सहित गोमती मित्र मण्डल के अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

पारदर्शिता की जीत: पुलिस के सकारात्मक रुख के बाद राजीव अग्रवाल टी.टी. ने बंद किया प्रकरण

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पीलीभीत। पिछले दिनों नगर के प्रतिष्ठित सर्राफा व्यवसाई और पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष राजीव अग्रवाल टी.टी. को हाउसअरेस्ट किये जाने के मामले का पटाक्षेप पूरी तरह सौहार्दपूर्ण और गरिमापूर्ण ढंग से हो गया है। इस पूरे प्रकरण में जहां एक ओर मीडिया ने निष्पक्षता से सजग प्रहरी की भूमिका निभाई, वहीं कानून की ताकत और प्रशासनिक संवेदनशीलता की भी जीत हुई है।मामले की जानकारी देते हुए राजीव अग्रवाल टी.टी. ने बताया कि विधिक प्रक्रिया के तहत जब आरटीआई के माध्यम से जानकारी मांगी गई, तो स्थानीय पुलिस प्रशासन ने पूरी पारदर्शिता बरतते हुए स्पष्ट किया कि अभिलेखों में नज़रबंदी का कोई लिखित आदेश उपलब्ध नहीं था। इस पूरे विधिक संघर्ष और बारीकियों को पूरी मजबूती से तैयार करने का श्रेय हमारे अधिवक्ता नीलेश चतुर्वेदी जी को जाता है। अधिवक्ता नीलेश चतुर्वेदी की सटीक कानूनी रणनीति, आरटीआई की आपातकालीन धाराओं के कुशल प्रयोग और विधिक समझ के कारण ही नागरिक अधिकारों का सफलता से संरक्षण हो सका। विधिक स्थिति स्पष्ट होने के बाद पुलिस अधीक्षक श्री सुकीर्ति माधव ने अत्यंत संवेदनशीलता और बड़प्पन का परिचय देते हुए स्वयं वार्ता कर वस्तुस्थिति को समझा, सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाते हुए आश्वासन दिया और मामले का सम्मानजनक समाधान निकाला।

(कोट में)

लोकतंत्र में कानून सर्वोपरि है। आरटीआई की आपातकालीन धाराओं का मुख्य उद्देश्य व्यवस्था में पारदर्शिता लाना है। पुलिस प्रशासन ने अपनी रिपोर्ट में वस्तुस्थिति को स्पष्ट किया और उच्चाधिकारियों ने जो सकारात्मक व संवेदनशील दृष्टिकोण दिखाया, वह सराहनीय है। कानून का मकसद टकराव बढ़ाना नहीं, बल्कि अधिकारों का संरक्षण और व्यवस्था को सुदृढ़ बनाना है।

–नीलेश चतुर्वेदी, एडवोकेट

हम उन सभी मीडिया बंधुओं के हृदय से आभारी हैं जिन्होंने लगातार सजगता दिखाई और इस विषय को प्रमुखता से उठाया। पुलिस अधीक्षक महोदय ने स्वयं बड़प्पन दिखाते हुए भविष्य के लिए जो सकारात्मक आश्वासन दिया है, हम उसका पूरा सम्मान करते हैं। हमारे अधिवक्ता नीलेश चतुर्वेदी जी के कुशल विधिक मार्गदर्शन के कारण ही यह न्यायसंगत समाधान संभव हो सका है। प्रशासन के इस सहयोगात्मक रुख को देखते हुए अब हम इस मामले को यहीं समाप्त कर रहे हैं।

–राजीव अग्रवाल टी.टी.
पूर्व नगर पालिकाध्यक्ष/अग्रवाल सभा अध्यक्ष

गौरीगंज में बसपा नेता पर हमले में वाहन क्षतिग्रस्त

अमेठी कैनविज टाइम्स संवाददाता। थाना गौरीगंज में जामो मार्ग पर शनिवार की देर रात बाइक सवार तीन अज्ञात लोगों द्वारा बसपा नेता शशिकांत पर जानलेवा हमला बोल दिया लेकिन वह बाल बाल बच गये जबकि उनका वाहन क्षतिग्रस्त हो गया है। बसपा नेता ने स्थानीय थाने पहुंचकर पुलिस को लिखित तहरीर सौंपी है पुलिस ने अभियोग दर्जकर मामले की छानबीन में जुट गई है।थाना गौरीगंज क्षेत्र के जनपद मुख्यालय से जामो मार्ग पर स्थित बहुजन समाज पार्टी के नेता शशिकांत तिवारी शनिवार की रात करीब सवा दस बजे अपने वाहन को सड़क किनारे लगाकर खड़े थे तभी एक मोटर साइकिल पर सवार लोग मुंह में गमछा बांधकर आये और गाली गलौच करने लगे तभी एक युवक ने उनकी कार पर ईट मार दिया तो दूसरे ने डंडा मारकर कार को क्षतिग्रस्त कर दिया जिससे कार का शीशा टूट गया लेकिन वह बाल बाल बच गये इन उन्होंने आत्मरक्षार्थ लाइसेंसी रिवाल्वर निकाल ली तो वह भाग निकले।बसपा नेता शशिकांत तिवारी ने उक्त हमला की आशंका क्षेत्रीय विधायक की टीम पर जताई है।बताते चलें कि बसपा नेता शशिकांत तिवारी की पत्नी रागिनी तिवारी ने विधान सभा क्षेत्र अमेठी से विधायकी का चुनाव बसपा पाठ से लड़ चुकी है। बसपा नेता शशिकांत तिवारी ने कोतवाली पहुंचकर पुलिस को लिखित तहरीर सौंपी है पुलिस ने मामले को गम्भीरता से लेते हुये अभियोग दर्जकर लिया है। इस सम्बंध में कोतवाली प्रभारी रवि कुमार सिंह ने बताया कि मुकदमा दर्जकर मामले की जांच पड़ताल की जा रही है।

बुजुर्ग की तलाश के लिये पुलिस ने गठित की टीमें

अमेठी कैनविज टाइम्स संवाददाता । थाना शिवरतनगंज क्षेत्र के गांव दांदूपुर से एक बुजुर्ग के शुक्रवार की रात घर से कहीं चले जाने का मामला सामने आया है।परिजनों के साथ ही ग्रामीणों द्वारा काफी खोजबीन की गई लेकिन कोई सुराग नही लग सका तो स्थानीय पुलिस को लिखित तहरीर सौंपी है पुलिस ने मामले को गम्भीरता से लेते हुये गुमशुदगी दर्जकर बुजुर्ग की तलाश में जुट गई है लेकिन रविवार की देर रात तक बुजुर्ग का पता नही चल सका है। थाना क्षेत्र के गांव दांदूपुर निवासी अरुण कुमार यादव उर्फ राजू ने पुलिस को सौंपी गई तहरीर में लिखा है कि उसके पिता मथुरा प्रसाद यादव बीती सात अगस्त की रात्रि करीब साढ़े ग्यारह बजे घर से पैदल कहीं चले गये हैं घटना के समय से ही घर व परिवार व गांव के लोगों द्वारा काफी तलाश किया गया परंतु कही पता नही चला। अरुण कुमार यादव ने लिखा है कि उसके पिता की तबियत खराब रहा करती थी और दिमागी संतुलन भी कम ठीक रहता था। वह अपनी पत्नी और बच्चों के साथ बीएचईएल एरिया में रहता था।घर से फोन जाने के बाद वह परिवार सहित रात्रि में ही आ गया। रात्रि से लगातार अब तक ढूंढा जा रहा है लेकिन कहीं पर कोई सुराग नही लग सका है। ग्रामीणों की मानें तो रविवार को गांव स्थित एक तालाब में नाव के माध्यम से भी खोजबीन की गई लेकिन कोई पता नही चल सका है। इस सम्बंध में थानाध्यक्ष दया शंकर मिश्रा ने बताया कि गुमशुदगी दर्जकर बुजुर्ग की तलाश की जा रही है और पुलिस टीम भी गठित की गई है परिजनों के साथ ही क्षेत्रीय नागरिकों से भी सहयोग लिया जा रहा है।

गाली-गलौज का विरोध करने पर महिला से मारपीट, दंपती को जान से मारने की धमकी मुकदमा दर्ज

पूरनपुर कैनविज टाइम्स संवाददाता। थाना घुंघचाई क्षेत्र के ग्राम अभयपुर माधौपुर में घर पर बैठी महिला से दो युवकों ने कथित रूप से गाली-गलौज कर मारपीट की विरोध करने पर आरोपियों ने महिला और उसके पति को जान से मारने की धमकी दी और मौके से फरार हो गए महिला शिखा सिंह पत्नी सरवन सिंह ने थाना घुंघचाई में दी तहरीर में बताया कि 7 अगस्त की शाम सतनाम सिंह निवासी भगवंतापुर करोबोझ और कुलदीप सिंह निवासी ईतौरिया ता. अजीतपुर बिल्हा उसके घर पहुंचे और गाली-गलौज करने लगे। विरोध करने पर दोनों ने लात-घूंसों से मारपीट की शोर मचाने पर आरोपी धमकी देते हुए भाग गए। महिला ने बताया कि आरोपी पहले भी उसे और उसके पति को जान से मारने की धमकी दे चुके हैं। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है

डीएम-एसपी के आह्वान पर 'हर घर तिरंगा' के लिए सड़कों पर उतरे व्यापारी, दुकान-दुकान बांटे राष्ट्रीय ध्वज

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पूरनपुर।जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह और पुलिस अधीक्षक सुकीर्ति माधव मिश्र के विशेष आह्वान पर 'हर घर तिरंगा' अभियान को सफल बनाने के लिए व्यापारी समाज ने कमान संभाल ली है रविवार को उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल की ओर से नगर में जागरूकता रैली निकाली गई व्यापारियों ने दुकान-दुकान पहुंचकर राष्ट्रीय ध्वज वितरित किए और प्रतिष्ठानों व घरों पर तिरंगा लगाने की अपील की क्षेत्रीय विधायक बाबूराम पासवान, व्यापार मंडल के प्रांतीय उपाध्यक्ष हंसराज गुलाटी, नगर पालिका अध्यक्ष शैलेंद्र गुप्ता और ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि अपूर्व सिंह की अगुवाई में व्यापार मंडल के पदाधिकारी बाजार में निकले उन्होंने व्यापारियों से कहा कि 10 से 17 अगस्त तक अपने प्रतिष्ठानों, दुकानों और घरों पर तिरंगा अवश्य फहराएं अभियान का उद्देश्य नगर के अधिक से अधिक घरों और प्रतिष्ठानों को तिरंगे से जोड़ना है इस दौरान व्यापारियों को राष्ट्रीय ध्वज की गरिमा और सम्मान बनाए रखने के लिए भी जागरूक किया गया पदाधिकारियों ने कहा कि तिरंगा देश की आन, बान और शान का प्रतीक है 17 अगस्त के बाद राष्ट्रीय ध्वज को सम्मानपूर्वक उतारकर सुरक्षित स्थान पर रखा जाए तिरंगे को किसी भी ऐसी स्थिति में न रखा जाए, जिससे उसकी गरिमा प्रभावित हो व्यापार मंडल के प्रांतीय उपाध्यक्ष हंसराज गुलाटी ने कहा कि डीएम और एसपी की अपील को जन-जन तक पहुंचाना सभी की जिम्मेदारी है व्यापारी समाज अभियान में पूरी सक्रियता के साथ भागीदारी करेगा उन्होंने व्यापारियों से आह्वान किया कि पूरनपुर में कोई भी प्रतिष्ठान या घर तिरंगा लगाने से अछूता न रहे रैली के दौरान बाजार में देशभक्ति का माहौल नजर आया व्यापारियों ने राष्ट्रीय ध्वज हाथों में लेकर लोगों को अभियान से जुड़ने के लिए प्रेरित किया इस मौके पर अशोक खंडेलवाल, जाहिद खान, विजय पाल सिंह विक्की, बलजीत खैरा, नवीन अग्रवाल, दीपक अग्रवाल, उमर खान, संजय गुप्ता, अनिल अग्रवाल, सचिन गुप्ता, आयुष गुप्ता, राजा गुप्ता, श्याम गुप्ता, सर्वेश गुप्ता, कौशल जायसवाल, राजेंद्र गुलाटी, राहुल जायसवाल, गौरव पांडेय एडवोकेट, अहमद मियां सहित बड़ी संख्या में व्यापारी मौजूद रहे है।

सिंहपुर की खण्ड शिक्षा अधिकारी को कम्पोजिट विद्यालय के निरीक्षण में मिली खामियां

कैनविज टाइम्स संवाददाता

छह साल में साढे बारह लाख रुपया खर्च होने के बावजूद नही बदली विद्यालय की तस्वीर

अमेठी । सिंहपुर की नवागंतुक खण्ड शिक्षा अधिकारी पूजा सिंह ने कम्पोजिट विद्यालय पेंडारा का औचक निरीक्षण किया तो विद्यालय में बड़े पैमाने पर अनियमितताएं मिली जिस पर खण्ड शिक्षा अधिकारी ने नाराजगी जाहिर किया है।बीईओ की सख्ती से बेसिक शिक्षा विभाग में खलबली मच गई है।विकास क्षेत्र सिंहपुर के गांव पेंडारा स्थित कम्पोजिट विद्यालय में चालू शैक्षिक सत्र में बच्चे नामांकित हैं। प्रदेश सरकार द्वारा परिषदीय विद्यालयों की मरम्मत रख रखाव एवं सौंदर्यीकरण के लिये कम्पोजिट ग्रांट के रुप में प्रतिवर्ष धनराशि भेजी जाती है लेकिन उस धनराशि को किस मद में व्यय किया जाता है यह केवल सम्बंधित विद्यालय का प्रधानाध्यापक ही बता सकता है।बताते चलें कि कम्पोजिट विद्यालय पेंडारा में बीते वित्तीय वर्ष 2024 - 25 में गेट एवं चहरदीवारी की मरम्मत के नाम पर चार लाख से अधिक रुपया भेजा गया था और बीते वित्तीय वर्ष 2025 - 26 में बृहद मरम्मत के नाम पर चार लाख से अधिक रुपया भेजा गया था। इसके अलावा उक्त विद्यालय को कम्पोजिट ग्रांट के रुप में प्रतिवर्ष पचहत्तर हजार रुपया विद्यालय प्रबंध समिति के खाते में अनवरत छह वर्षो से भेजा जा रहा है।इस वित्तीय वर्ष में भी पचास फीसदी धनराशि भेजी जा चुकी है लेकिन विद्यालय आज भी अपनी दुर्दशा पर आंसू बहा रहा है। इस धनराशि का जो उपभोग किया गया है उससे प्रबंध समिति अध्यक्ष स्वयं अनभिज्ञ है।ग्रामीणों की मानें तो विद्यालय की चहरदीवारी तो टूटी पड़ी हुई है जिससे आवारा मवेशी विद्यालय में घूमते कभी भी देखे जा सकते हैं।सिंहपुर की खण्ड शिक्षा अधिकारी पूजा सिंह ने जब उक्त विद्यालय का स्थलीय निरीक्षण किया तो एक दो नही बल्कि आधा दर्जन से अधिक खामियां पाई गई जिस पर उन्होंने नाराजगी जताई है। खण्ड शिक्षा अधिकारी ने विद्यालय के प्रधानाध्यापक को शिक्षा के स्तर में सुधार करने का निर्देश देते हुये नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण मांगा जायेगा।

रसीद मिली, खाते में नहीं पहुंचा पैसा! बिजलीघर के बाहर वैन से बिल जमा कराने पर उठे सवाल, मौखिक शिकायत के बाद आनन-फानन में जमा हुई रकम

पूरनपुर कैनविज टाइम्स संवाददाता। बिजली विभाग की कार्यप्रणाली एक बार फिर सवालों के घेरे में है बिजलीघर के बाहर खड़ी वैन में बिल जमा कराने वाले एक उपभोक्ता ने आरोप लगाया कि उससे बिल की पूरी राशि लेकर रसीद तो थमा दी गई, लेकिन विभाग के खाते में भुगतान दर्ज ही नहीं हुआ मामला सामने आने के बाद उपभोक्ता ने एसडीओ मोहित गुप्ता से शिकायत की, जिसके बाद संबंधित सीएससी संचालक ने तत्काल राशि विभाग के खाते में जमा कर दी घटना ने बिजली विभाग की निगरानी व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं यदि उपभोक्ता समय रहते भुगतान की स्थिति की जांच न करता तो उसे भविष्य में बकाया बिल और जुर्माने का सामना करना पड़ सकता था सवाल यह भी है कि जब भुगतान तत्काल जमा हो सकता था, तो पहले क्यों नहीं हुआ?उपभोक्ताओं का कहना है कि बिजली विभाग परिसर के बाहर संचालित बिल जमा केंद्रों की नियमित निगरानी नहीं होने से आम लोगों के साथ धोखाधड़ी की आशंका बनी रहती है भोले-भाले उपभोक्ता रसीद मिलने के बाद निश्चिंत हो जाते हैं, जबकि उनके खाते में भुगतान दर्ज हुआ या नहीं, इसकी जानकारी उन्हें नहीं होती मामले की शिकायत अधिशासी अभियंता हरेंद्र कुमार से करने का प्रयास किया गया, लेकिन कार्यालय समय के दौरान ही उनके उपलब्ध न होने से पक्ष नहीं मिल सका यह मामला केवल एक उपभोक्ता तक सीमित नहीं है, बल्कि बिजली विभाग की जवाबदेही और पारदर्शिता पर बड़ा प्रश्नचिह्न खड़ा करता है यदि समय रहते ऐसे मामलों की निष्पक्ष जांच नहीं हुई तो उपभोक्ताओं का भरोसा विभाग से उठना तय है ।

रंजिश में घर में घुसकर परिवार पर हमला, बेटी की हड्डी टूटी मुकदमा दर्ज

पूरनपुर। थाना पूरनपुर क्षेत्र के ग्राम भगवंतापुर में पुरानी रंजिश को लेकर घर में घुसकर परिवार के तीन सदस्यों से मारपीट का आरोप लगा है पीड़ित गुड्डू ने एसपी को शिकायती पत्र देकर कार्रवाई की मांग की है आरोप है कि 31 जुलाई की रात बाबूराम, उसके बेटे कमलेश, अखिलेश व राकेश समेत आठ लोग हथियारों से लैस होकर घर में घुस आए और गुड्डू, उसकी पत्नी गुड्डी देवी व बेटी प्रतिज्ञा के साथ मारपीट की हमले में गुड्डू के कान में सात टांके आए और सुनने में परेशानी बताई गई, जबकि बेटी के हाथ की हड्डी टूट गई पीड़ित का आरोप है कि थाने में तहरीर देने के बावजूद रिपोर्ट दर्ज नहीं की गई और चिकित्सकीय जांच भी पूरी नहीं कराई गई पीड़ित ने एसपी से रिपोर्ट दर्ज कराने और उपचार संबंधी जांच कराने की मांग की है ।

खेतो में मौत बनकर दौड़ रहा है करंट, झटका मशीन की चपेट में आए किशोर की मौत

कैनविज टाइम्स संवाददाता

16 वर्षीय आर्यन तिवारी की मौके पर गई जान, हादसे के बाद प्रशासन सख्त

सुलतानपुर। खेतों में फसलों की सुरक्षा के लिए लगाई जाने वाली झटका मशीन अब जानलेवा साबित होने लगी है। बल्दीराय तहसील क्षेत्र के हलियापुर थाना अंतर्गत पूरे नोखे मजरे मेघमऊ गांव में रविवार सुबह खेत में गए 16 वर्षीय किशोर की झटका मशीन के करंट की चपेट में आने से दर्दनाक मौत हो गई। हादसे के बाद परिवार में कोहराम मच गया। जानकारी के अनुसार गांव निवासी आर्यन तिवारी रविवार सुबह अपने घर के सामने स्थित चरी के खेत में गया था। परिजनों का आरोप है कि खेत की सुरक्षा के लिए किनारे लगाई गई झटका मशीन में विद्युत तार जुड़ा हुआ था। इसी दौरान आर्यन तार के संपर्क में आ गया। तेज करंट लगने से वह गंभीर रूप से झुलस गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर बल्दीराय तहसीलदार सुनील कुमार, सीओ बल्दीराय आशुतोष कुमार तथा हलियापुर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। सीओ बल्दीराय आशुतोष कुमार ने बताया कि मृतक के परिजनों की ओर से अभी तक कोई तहरीर प्राप्त नहीं हुई है। तहरीर मिलने के बाद मामले में आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

हादसे के बाद प्रशासन की सख्ती

किशोर की मौत के बाद खेतों में लगाई जा रही झटका मशीनों को लेकर प्रशासन ने गंभीर रुख अपनाया है। बल्दीराय एसडीएम प्रभात सिंह ने तहसील क्षेत्र के किसानों को खेतों में लगी झटका मशीनों को तत्काल हटाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने स्पष्ट चेतावनी दी है कि जांच के दौरान खेतों में झटका मशीन मिलने पर संबंधित व्यक्ति के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। इस दर्दनाक हादसे ने खेतों की सुरक्षा के नाम पर लगाए जा रहे विद्युत झटकों की व्यवस्था पर भी गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि फसलों को बचाने के लिए अपनाया गया यह तरीका यदि मानकों के विपरीत विद्युत करंट से जुड़ा हो तो किसी भी समय बड़े हादसे का कारण बन सकता है। प्रशासन की सख्ती के बाद अब यह देखना होगा कि खेतों में लगी ऐसी मशीनों पर प्रभावी ढंग से रोक लग पाती है या नहीं।

बंधुआकला में चलती बस पर पथराव साइड लेने को लेकर हुआ विवाद

सुल्तानपुर। थाना बंधुआकला क्षेत्र में बीती रात करीब 12 बजे बस पर पथराव का मामला सामने आया। पुलिस के अनुसार, ग्राम भाईं धम्मौर थाना क्षेत्र से मनियारपुर जा रही बस के आगे दो बाइकों पर सवार चार अज्ञात युवकों से साइड लेने और हॉर्न बजाने को लेकर विवाद हो गया।

आरोप है कि विवाद के बाद युवकों ने बस पर पथराव किया और गाली-गलौज की। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और यातायात व्यवस्था को सुचारू कराया। महिलाओं से अभद्रता और मारपीट की बात को पुलिस ने बताया पूरी तरह असत्य, पुलिस ने इन आरोपों का खंडन किया है। क्षेत्राधिकारी नगर राघवेन्द्र सिंह के मुताबिक वादी की तहरीर पर संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज करने की कार्रवाई की जा रही है। पुलिस ने आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि घटना से जुड़े सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। मौके पर कानून-व्यवस्था सामान्य है और शांति व्यवस्था कायम है। आरोपियों के खिलाफ अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।

सम्पादकीय

जायज जेन-जी

अब राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने भी कहा है कि नई पीढ़ी को सुना जाना चाहिए। विरोध प्रदर्शन संवाद का एक वैध तरीका है। हाल ही में जेन-जी आंदोलन के प्रदर्शन के दौरान जो शिकायतें सामने आई हैं, वे जायज हैं। गुरुवार को जेन-जी से जुड़े एक कार्यक्रम में बातचीत के दौरान भागवत ने ये बातें कहीं। उन्होंने यह भी कहा कि विरोध करने वाले राष्ट्रविरोधी नहीं हैं। लोकतंत्र में विरोध प्रदर्शन भी सहमति बनाने का माध्यम है। हालांकि, विपक्ष ने तंज किया कि उन्हें यह सलाह सरकार को भी देनी चाहिए और यह भी कि आंदोलनकारियों की मांग को इतनी देर से क्यों सुना गया। बहरहाल, भागवत ने माना कि बहुत संभव है कि विरोध के दौरान मुद्दों को लेकर विचारों की भिन्नता हो, लेकिन चर्चा के बाद ही किसी विषय पर सहमति बनती है। साथ ही माना कि आंदोलन का उद्देश्य सहमति बनाना होना चाहिए, न कि समाज में विभाजन पैदा करना। उन्होंने माना कि भारत की शिक्षा व्यवस्था में बहुत कुछ बदलाव की जरूरत है, जो अभी तक नहीं हो पाया है। यही वजह है कि छात्रों का गुस्सा सामने आ रहा है, जिसे संवाद से दूर करने की जरूरत है। साथ ही, सख्ती नहीं, बातचीत के जरिये अपनापन का अहसास कराना भी जरूरी है। यह भी कि जेन-जी और जेन-अल्फा की सोच पहले की पीढ़ियों से भिन्न है। पहले की पीढ़ी बड़ों की बात मान लेती थी, सवाल नहीं करती थी। लेकिन नई पीढ़ी सवाल करने के साथ ही तर्कसंगत जवाब की आकांक्षा रखती है। निस्संदेह, बहस से कई विचार सामने आते हैं। हर व्यक्ति का अलग दृष्टिकोण होता है। लेकिन इसका सकारात्मक पक्ष यह है कि एक ही विषय के कई पहलू सामने आ सकते हैं। यह तय है कि विचार-प्रतिविचार के मंथन से नई दिशा व नई तस्वीर उभरती है। विरोध करना बुरा नहीं है, लेकिन उसका स्वरूप लोकतांत्रिक होना चाहिए। भागवत ने इस बात पर भी बल दिया कि विरोध-आंदोलन संविधान की मर्यादा के दायरे में होना भी जरूरी है। समस्याओं पर ध्यान दिया जाना चाहिए, लेकिन उसका लक्ष्य व्यक्ति का विरोध नहीं, बल्कि व्यवस्था में सकारात्मक बदलाव होना चाहिए। साथ ही, संघ प्रमुख ने आरक्षण पर भी राय स्पष्ट की कि सामाजिक भेदभाव दूर करने तक आरक्षण की जरूरत होगी। लेकिन सवाल यह है कि इस सत्य से वाकिफ होने के बावजूद सरकारें क्यों टालमटोल का रवैया अपनाती हैं? यह संवादहीनता की स्थिति क्यों पैदा की जाती है? विडंबना यह है कि सरकारें तब जागती हैं जब स्थिति नियंत्रण से बाहर हो जाती है। सरकारों को लोकतंत्र में प्रतिरोध के स्वरों का भी सम्मान करना है। लोकतंत्र का आधार जनमत है। जनमत को सुना जाना चाहिए। आमतौर पर नागरिक तब ही सड़कों पर उतरते हैं जब पानी सिर के ऊपर से गुजरने लगता है। ऐसे में, शांतिपूर्ण प्रदर्शन और असहमति के स्वरों पर ध्यान देने की जरूरत है। आज जरूरत इस बात की है कि पुलिस को बताया जाए कि राष्ट्रविरोधियों और जायज मांगों के लिए आंदोलन कर रहे लोगों को एक ही लाठी से नहीं हांका जा सकता। खासकर, जेन-जी पर शक्ति प्रयोग असंतोष को उग्र बनाना ही है। सत्ताधीशों को इस बात का भान होना चाहिए कि असहमति और शांतिपूर्ण अभिव्यक्ति से लोकतंत्र जीवंत होता है। सत्ता की उदासीनता और उपेक्षापूर्ण रवैये से आंदोलन की जमीन तैयार होती है। कालांतर में हठधर्मिता से यह आक्रोश को ही बढ़ाता है। सत्ताधीशों को समझना चाहिए कि लोकतंत्र में लोग अपनी बात सुनाने के लिए आंदोलन को विकल्प के तौर पर अपनाते हैं। ऐसे ही नीट प्रश्नपत्र मुद्दे पर समय रहते वे कदम पहले ही उठा लिए जाते, तो आंदोलन को व्यापक होने से टाला जा सकता था। अक्सर संवादहीनता की स्थिति में आंदोलन में राजनीतिक दल रोटियां सेंकने लगते हैं। निहित स्वार्थी तत्व इसमें अवसर तलाशने लगते हैं, जिससे आंदोलन की दिशा नियंत्रित नहीं रह सकती है।

भारत की आत्मा एवं प्रकृति के संरक्षक हैं आदिवासी

विश्व आदिवासी दिवस केवल एक अंतरराष्ट्रीय आयोजनभर नहीं है, बल्कि यह उस मूल चेतना का अभिनंदन है जिसने मानव सभ्यता को प्रकृति के साथ संतुलित जीवन जीने की कला सिखाई। भारत के आदिवासी समुदाय केवल जनसंख्या का एक वर्ग नहीं हैं, बल्कि वे इस राष्ट्र की सांस्कृतिक स्मृति, पर्यावरणीय संतुलन, आध्यात्मिक संवेदना और स्वाधीनता चेतना के जीवंत प्रतिनिधि हैं। यदि विकसित भारत, आत्मनिर्भर भारत और विश्वगुरु भारत की संकल्पना को वास्तविक अर्थों में साकार करना है, तो आदिवासी समाज को विकास का विषय नहीं, बल्कि विकास का सहभागी और नेतृत्वकर्ता बनाना होगा। भारत की विकास यात्रा तब तक पूर्ण नहीं कही जा सकती जब तक जल, जंगल और जमीन से जुड़ा वह समाज, जिसने हजारों वर्षों से प्रकृति की रक्षा की है, सम्मान और समान अवसर के साथ राष्ट्रीय प्रगति का अभिन्न भाग न बने। आदिवासी समाज ने कभी प्रकृति का दोहन नहीं किया, बल्कि उसका संरक्षण किया। आज जब पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन, पर्यावरण संकट और जैव विविधता के संरक्षण की चिंता कर रही है, तब आदिवासी जीवन-दर्शन आधुनिक विश्व के लिए एक वैकल्पिक विकास मॉडल प्रस्तुत करता है। आदिवासी प्रकृति के पुत्र और संस्कृति के प्रहरी है। 'जो प्रकृति से जुड़ा है, वही मनुष्यत्व का संरक्षक है'-यह वाक्य आदिवासी समाज पर अक्षरशः लागू होता है। आदिवासी शब्द मात्र एक सामाजिक पहचान नहीं, बल्कि एक दर्शन है, सहजता, सामूहिकता, संतुलन और सह-अस्तित्व का दर्शन। करीब 90 प्रतिशत खनिज सम्पदा, वनौषधियां और जैव विविधता इन्हीं के क्षेत्रों में विद्यमान है। उनका जीवन सभ्यता के केंद्र से नहीं, बल्कि संवेदना के मूल से संचालित होता है। वे भले ही 'वनवासी' कहलाए गए, परंतु उनका जीवनदर्शन हमें शहरीकरण के आडंबर से बाहर निकालकर स्वाभाविक जीवन की राह दिखाता है। नए भारत में विकास का पर्याय यदि केवल बहुराष्ट्रीय निवेश, चकाचौंध और स्मार्ट सिटी बन गया है, तो आदिवासी समाज उसके विस्थापित मूल्य हैं। जल-जंगल-जमीन के नाम पर किए गए सौदे, खनिज लूट, धार्मिक कन्वर्जन, सांस्कृतिक विघटन और जबरन भूमि अधिग्रहण की घटनाएं केवल उनकी आर्थिक दशा ही नहीं बिगाड़ती, बल्कि उनकी पहचान, भाषा और परंपरा को भी निगलती जा रही हैं। आज आदिवासी समाज ऋण, अशिक्षा, पलायन, अस्वास्थ्यकर जीवन, बेरोजगारी जैसी समस्याओं से ग्रस्त है। तथाकथित विकास ने उन्हें 'पराया' बना दिया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस परायेपन का दूर करने के लिये पिछले वर्षों में जनजातीय समाज के सम्मान और सशक्तीकरण को राष्ट्रीय प्राथमिकताओं में स्थान दिया है। भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को 'जनजातीय गौरव दिवस' के रूप में मनाने का निर्णय हो, जनजातीय क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, डिजिटल कनेक्टिविटी और कौशल विकास की योजनाओं का विस्तार हो, एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालयों का व्यापक विस्तार हो, अथवा प्रधानमंत्री जनजातीय विकास मिशन जैसी पहलें-इन सबने यह स्पष्ट किया है कि नए भारत की विकासधारा में आदिवासी समाज को केंद्र में रखने का प्रयास किया जा रहा है। यह केवल योजनाओं का विस्तार नहीं, बल्कि राष्ट्रीय दृष्टिकोण में परिवर्तन का संकेत है। किन्तु यह भी उतना ही सत्य है कि किसी भी सरकारी योजना की सफलता तभी सुनिश्चित होती है, जब समाज के भीतर से ऐसे प्रेरक व्यक्तित्व सामने आएं जो सेवा, संस्कार और संगठन के माध्यम से परिवर्तन की चेतना जगाएं। गुजरात के सुप्रसिद्ध जैन संत डॉ. गणि राजेन्द्र विजयजी ने इसी दिशा में पिछले दो-तीन दशकों में जो कार्य किया है, वह केवल सामाजिक सेवा नहीं, बल्कि जनजातीय पुनर्जागरण का एक व्यापक अभियान है। उन्होंने आदिवासी समाज को दया का पात्र नहीं, बल्कि राष्ट्रनिर्माण की शक्ति माना। शिक्षा, स्वास्थ्य, नशामुक्ति, आत्मनिर्भरता, सांस्कृतिक संरक्षण, महिला सशक्तीकरण और नैतिक जागरण जैसे अनेक क्षेत्रों में उनके नेतृत्व में जो कार्य हुए, उन्होंने हजारों परिवारों के जीवन में नई आशा का संचार किया। मेरा सौभाग्य है कि मैं प्रारंभ से ही उनके मिशन

आदिवासी प्रकृति के पुत्र और संस्कृति के प्रहरी है। 'जो प्रकृति से जुड़ा है, वही मनुष्यत्व का संरक्षक है'- यह वाक्य आदिवासी समाज पर अक्षरशः लागू होता है। आदिवासी शब्द मात्र एक सामाजिक पहचान नहीं, बल्कि एक दर्शन है, सहजता, सामूहिकता, संतुलन और सह-अस्तित्व का दर्शन। करीब 90 प्रतिशत खनिज सम्पदा, वनौषधियां और जैव विविधता इन्हीं के क्षेत्रों में विद्यमान है। उनका जीवन सभ्यता के केंद्र से नहीं, बल्कि संवेदना के मूल से संचालित होता है। वे भले ही 'वनवासी' कहलाए गए, परंतु उनका जीवनदर्शन हमें शहरीकरण के आडंबर से बाहर निकालकर स्वाभाविक जीवन की राह दिखाता है। नए भारत में विकास का पर्याय यदि केवल बहुराष्ट्रीय निवेश, चकाचौंध और स्मार्ट सिटी बन गया है, तो आदिवासी समाज उसके विस्थापित मूल्य हैं। जल-जंगल-जमीन के नाम पर किए गए सौदे, खनिज लूट, धार्मिक कन्वर्जन, सांस्कृतिक विघटन और जबरन भूमि अधिग्रहण की घटनाएं केवल उनकी आर्थिक दशा ही नहीं बिगाड़ती, बल्कि उनकी पहचान, भाषा और परंपरा को भी निगलती जा रही हैं। आज आदिवासी समाज ऋण, अशिक्षा, पलायन, अस्वास्थ्यकर जीवन, बेरोजगारी जैसी समस्याओं से ग्रस्त है। तथाकथित विकास ने उन्हें 'पराया' बना दिया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस परायेपन का दूर करने के लिये पिछले वर्षों में जनजातीय समाज के सम्मान और सशक्तीकरण को राष्ट्रीय प्राथमिकताओं में स्थान दिया है।

से जुड़ा रहा हूं। सुखी परिवार फाउंडेशन इस जनजागरण यात्रा का एक महत्वपूर्ण माध्यम बनकर उभरा। वर्ष 2007 में आयोजित विशाल आदिवासी सम्मेलन भारतीय सामाजिक इतिहास की एक स्मरणीय घटना सिद्ध हुआ। लाखों की संख्या में उपस्थित आदिवासी समाज का उत्साह, अनुशासन और आत्मविश्वास यह प्रमाणित कर रहा था कि यदि सही नेतृत्व और विश्वास मिले तो जनजातीय समाज राष्ट्र की सबसे बड़ी सकारात्मक शक्ति बन सकता है। उस ऐतिहासिक सम्मेलन में तत्कालीन गुजरात के मुख्यमंत्री और वर्तमान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की उपस्थिति ने इस आयोजन को नई ऊंचाई प्रदान की। विशाल जनसमुदाय को देखकर उनके मन में जो प्रसन्नता और आत्मीयता दिखाई दी, वह केवल एक राजनीतिक क्षण नहीं था, बल्कि जनजातीय चेतना के प्रति उनके विश्वास का सार्वजनिक प्रकटीकरण था। उसी मंच से उन्होंने सुखी परिवार फाउंडेशन को एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय के संचालन का दायित्व सौंपा। साथ ही जनजातीय विकास के लिए लगभग 15,000 करोड़ रुपये की वनबंधु योजना सहित अनेक महत्वपूर्ण घोषणाएं की गईं। यह सम्मेलन केवल योजनाओं की घोषणा तक सीमित नहीं रहा, बल्कि जनजातीय विकास की राष्ट्रीय दिशा निर्धारित करने वाला प्रेरक अवसर सिद्ध हुआ। गणि राजेन्द्र विजयजी के प्रभावी नेतृत्व, समाज के प्रति समर्पण और जनजातीय क्षेत्रों में किए गए रचनात्मक कार्यों ने इस सम्मेलन को एक ऐतिहासिक आयाम दिया। उस मंच से उठी सेवा, संस्कार और समरसता की भावना ने जनजातीय समाज और शासन के बीच विश्वास का एक नया सेतु निर्मित किया। अनेक लोगों की दृष्टि में यह सम्मेलन उस सकारात्मक सामाजिक वातावरण का भी प्रतीक बना, जिसने आगे चलकर नरेन्द्र मोदी के राष्ट्रीय नेतृत्व के लिए व्यापक जनविश्वास का आधार तैयार किया। इसे भारतीय जनजीवन में सामाजिक और आध्यात्मिक शक्तियों के समन्वय के एक महत्वपूर्ण उदाहरण के रूप में देखा जा सकता है। आज विकसित भारत की चर्चा केवल आर्थिक विकास तक सीमित नहीं रह सकती। यदि भारत को विश्वगुरु बनना है तो उसे अपनी सांस्कृतिक जड़ों, पर्यावरणीय मूल्यों और सामाजिक समरसता को भी समान महत्व देना होगा। इस दृष्टि से आदिवासी समाज भारत की सबसे बड़ी पूंजी है। उनके पास प्रकृति के साथ सह-अस्तित्व का अनुभव है, औषधीय ज्ञान है, जैव विविधता की समझ है, लोककला है, सामुदायिक जीवन का अनुकरणीय मॉडल है और सबसे बढ़कर मानवीय संवेदनाओं से भरा जीवन-दर्शन है। आज कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल तकनीक, ड्रोन, जैव प्रौद्योगिकी और वैश्विक नवाचार के युग में आवश्यकता इस बात की है कि आदिवासी समाज को इन आधुनिक साधनों से जोड़ा जाए, किंतु उनकी सांस्कृतिक पहचान सुरक्षित रहे। उनकी भाषाओं का डिजिटलीकरण, लोक परंपराओं का दस्तावेजीकरण, वन उत्पादों का वैश्विक विपणन, स्थानीय उद्यमिता का विकास, डिजिटल शिक्षा और टेलीमेडिसिन जैसी व्यवस्थाएं उन्हें आधुनिकता से जोड़ते हुए उनकी अस्मिता को भी सुरक्षित रख सकती हैं। इतिहास साक्षी है कि भारत की स्वतंत्रता की पहली ज्वालाएं जंगलों और पहाड़ों से ही उठी थीं। बिरसा मुंडा, सिद्धू-कान्हू, रानी दुर्गावती, कोमाराम भीम, गोविंद गुरु और असंख्य जनजातीय वीरों ने राष्ट्र की स्वतंत्रता के लिए अपने प्राण न्योछावर किए। दुर्भाग्य से मुख्यधारा के इतिहास में उन्हें वह स्थान नहीं मिला जिसके वे अधिकारी थे। आज आवश्यकता केवल उनके स्मरण की नहीं, बल्कि उनके जीवन-मूल्यों को राष्ट्रीय चरित्र का हिस्सा बनाने की है। विश्व आदिवासी दिवस हमें यह संदेश देता है कि विकास का वास्तविक अर्थ केवल ऊंची इमारतें, स्मार्ट शहर और औद्योगिक निवेश नहीं है। विकास का अर्थ है-मानव गरिमा, सांस्कृतिक सम्मान, सामाजिक न्याय और प्रकृति के साथ संतुलित जीवन। आदिवासी समाज इन सभी मूल्यों का जीवंत प्रतीक है। आज जब भारत अमृतकाल में विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है, तब यह स्मरण रखना आवश्यक है कि भारत की आत्मा महानगरों की चमक में नहीं, बल्कि उन वनों, पर्वतों और जनजातीय बस्तियों में भी धड़कती है, जहां प्रकृति आज भी संस्कृति का उत्सव मनाती है। विकसित भारत का भविष्य तभी उज्ज्वल होगा, जब आदिवासी समाज केवल योजनाओं का लाभार्थी नहीं, बल्कि राष्ट्र के नेतृत्व, नीति-निर्माण और विकास का सक्रिय भागीदार बने। विश्व आदिवासी दिवस पर हमारा संकल्प बने कि आदिवासी समाज की संस्कृति का संरक्षण होगा, उनकी भाषाओं का संवर्धन होगा, उनके अधिकारों की रक्षा होगी, उनकी प्रतिभा को राष्ट्रीय मंच मिलेगा और उनके जीवन-दर्शन से प्रेरणा लेकर भारत विश्व को संतुलित, समावेशी और मानवीय विकास का मार्ग दिखाएगा। यही विकसित भारत की वास्तविक पहचान होगी और यही विश्वगुरु भारत की सबसे मजबूत नींव होगी। **–ललित गर्ग**

रेपो दर पर रिजर्व बैंक का बड़ा फैसला

अंजन रॉय

भारतीय रिजर्व बैंक ने 5 अगस्त को अपनी नई ऋ ण नीति का ऐलान किया, जिसमें नीतिगत ब्याज दरों को जस का तस रखा गया। नीतिगत ब्याज दरें एक बहुत जरूरी उपकरण हैं जिनका इस्तेमाल केन्द्रीय बैंक कीमतों में स्थिरता और अर्थव्यवस्था की रफ्तार को बनाए रखने के लिए करता है। ऊपर से देखने पर यह बात थोड़ी अजीब लगती है क्योंकि मौजूदा महंगाई दर, महंगाई के लक्षित दर से काफी ज्यादा है। रिजर्व बैंक का अनुमान है कि आने वाले महीनों से लेकर अगले वित्तीय वर्ष की शुरुआत तक महंगाई दर लगभग 5 प्रतिशत से ऊपर बनी रहेगी। इसके उलट, रिजर्व बैंक की महंगाई का लक्ष्य स्तर 4 प्रतिशत है। रिजर्व बैंक ने महंगाई को लक्षित स्तर पर लाने के लिए ब्याज दरों को बढ़ाने के बजाय मौजूदा स्तर पर ही बनाए रखने का फैघ्सला इसलिए किया क्योंकि महंगाई के उतार-चढ़ाव के उसके विश्लेषण में नीति बनाने वालों को यकीन हो गया है कि कीमतों में यह बढ़ोतरी सीमित तरह की है और आम तौर पर कीमतों में बढ़ोतरी का ज्यादा डर नहीं है। रिजर्व बैंक द्वारा तैयार किए गए महंगाई के आंकड़ों में विस्तार में जाएं तो, 2026-27 के लिए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) महंगाई दर 5.0 प्रतिशत रहने का अनुमान है, जिसमें दूसरी तिमाही में 4.7 प्रतिशत, तीसरी में 5.9 प्रतिशत और चौथी में 5.5 प्रतिशत रहने की उम्मीद है। वर्ष 2027-28की पहली तिमाही के लिए महंगाई दर 5.3 प्रतिशत रहने का अनुमान है, जिसमें जोखिम समान रूप से संतुलित हैं। लेकिन रिजर्व बैंक ने बताया कि कोर महंगाई, यानी ईंधन और खाने-पीने की चीजों की कीमतों को छोड़कर, आरामदायक जोन में है। यानी, महंगाई का मौजूदा दबाव मुख्य रूप से दो तरह की चीजों- ईंधन और खाने-पीने की चीजों- से आ रहा है। इनमें से, ईंधन की महंगाई मुख्य रूप से मध्य पूर्व में चल रहे युद्ध की वजह से कीमतों में उतार-चढ़ाव के कारण है। एक बार युद्ध की स्थिति स्थिर हो जाने पर, यह उम्मीद करना वाजिब है कि ईंधन की महंगाई में काफी कमी आएगी। इसलिए, कीमतों में कुछ समय के लिए हुई बढ़ोतरी को रोकने के लिए नीतिगत दरों को बढ़ाने से कुल विकास की संभावनाओं और अर्थव्यवस्था को नुकसान हो सकता है। जहां तक खाने-पीने की चीजों की कीमतों की बात है, तो इनमें मौसम के हिसाब से बदलाव होता है और इसलिए महंगाई के रूझान में भी बदलाव होगा। आम तौर पर, गर्मियों के महीनों में और अक्टूबर के आखिर में फसल कटाई के मौसम तक खाने-पीने की चीजों की कीमतें तेजी से बढ़ती हैं। इसके बाद, बाजार में खाने-पीने की चीजें आने पर उनकी कीमतें कम होने लगती हैं। इस माहौल को देखते हुए रिजर्व बैंक ने मौद्रिक नीति में ज्यादा उदार रुख अपनाकर अर्थव्यवस्था की विकास दर को बढ़ावा देने का जोखिम उठाया है। विकास और महंगाई के बीच के तालमेल का, जैसा कि बैंक का विश्लेषण बताता है, महंगाई को नियंत्रित करने के लिए आपातकालीन ब्रेक लगाने के बजाय विकास को बल देने पर ज्यादा जोर दिया जा रहा है। यह नियंत्रण करने की सावधानी भरी सोच के बजाय ज्यादा उम्मीद जगाने वाला है, क्योंकि रिजर्व बैंक को घरेलू मांग पर भरोसा है कि यही विकास दर को आगे बढ़ाएगी। रिजर्व बैंक का तरीका असल में आंकड़ों पर आधारित होता है, यानी नए आंकड़ों के हिसाब से अपनी मौद्रिक नीति बदलाव करना। सभी केन्द्रीय बैंक ऐसा करने का वादा करते हैं और भारतीय रिजर्व बैंक भी ऐसा ही करता है। फिर भी, आखिर में, अंदरूनी समझ कृयानी फैसला लेने की क्षमताकृ ही असल में कार्रवाई को प्रेरित करती है। रिजर्व बैंक गवर्नर के नीतिगत वक्तव्य में बताए गए आंकड़े को देखें तो लगता है कि मौजूदा नीति मुख्य रूप से भारतीय अर्थव्यवस्था की लगातार विकास दर में मदद करने के लिए बनाई गई है। साथ ही बढ़ती अर्थव्यवस्था के दायरे में कीमतों में स्थिरता भी बनाए रखी गई है। वैश्विक हालात की आम तौर पर निराशाजनक तस्वीर के बीच घरेलू अर्थव्यवस्था की मदद करने वाली नीति का यह एक अच्छा शुरुआती कदम है। सरकार को भी ऐसा रुख पसंद आना चाहिए। प्रशासन आम तौर पर केन्द्रीय बैंकिंग प्राधिकरण से मौद्रिक नीति में उदार रुख बनाए रखकर मदद की उम्मीद करता है। देखिए रिजर्व बैंक गवर्नर ने अपने नीतिगत बयान में क्या कहा है। रिजर्व बैंक का कहना है, लगातार वैश्विक अनिश्चितता के बावजूद, घरेलू आर्थिक गतिविधियों ने मजबूती दिखाई है, जैसा कि पहली तिमाही के लिए उपलब्ध उच्च आवृत्ति संकेतकों से पता चलता है[य अब रिजर्व बैंक गवर्नर संजय मल्होत्रा द्वारा बताए गए आंकड़े पर एक नजर डालें। निजी खपत में अपनी मर्जी से किए जाने वाले खर्च (डिस्क्रीशनरीस्पेंडिंग) की वजह से तेजी बनी रही, जबकि अवसंरचना और निर्माण पर सरकार के मजबूत खर्च की वजह से निवेश की गतिविधियां स्थिर रहीं।

सेहत मंत्र

आपकी सेहत के लिए खतरनाक हो सकता है परफ्यूम

कुछ लोगों को परफ्यूम लगाना काफी पसंद होता है। ऐसे लोग सिर्फ पार्टी में ही नहीं, बल्कि अपनी डेली लाइफ में भी परफ्यूम लगाते हैं। खासतौर से, गर्मी के मौसम में तो व्यक्ति को पसीने की बदबू न आए, इसके लिए परफ्यूम लगाना और भी जरूरी हो जाता है। लेकिन क्या आप इस बात से वाकिफ हैं कि रोज-रोज परफ्यूम लगाना आपकी सेहत के लिए उचित नहीं है। इससे आपको कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। स्किन एलर्जी-आपको शायद इस बात की जानकारी न हो लेकिन परफ्यूम का अत्यधिक प्रयोग स्किन एलर्जी की वजह बन सकता है। दरअसल, परफ्यूम को बनाने के लिए कई तरह के केमिकल्स का प्रयोग किया जाता है। यह केमिकल्स आपके शरीर को कई तरह से प्रभावित करते हैं। इनके अधिक इस्तेमाल से व्यक्ति को स्किन एलर्जी की समस्या हो जाती है। गर्भवती महिलाओं के लिए खतरनाक-अगर आप गर्भवती हैं तो जितना हो सके, आपको कॉस्मेटिक्स व परफ्यूम आदि से बचना चाहिए। कई बार परफ्यूम की महक के कारण गर्भवती महिला को मतली व उल्टी का अहसास होता है। वहीं इसका प्रयोग गर्भस्थ शिशु के विकास पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालता है। हार्मोनल असंतुलन-परफ्यूम का इस्तेमाल महिलाओं में हार्मोनल असंतुलन का कारण बन सकता है। परफ्यूम में इस्तेमाल किए जाने वाले केमिकल्स के बारे में आम लोगों को ज्यादा जानकारी नहीं होती। अधिकतर परफ्यूम में हार्मोन्स को डिस्टर्ब करने वाले केमिकल चीजींसंजमे का इस्तेमाल किया जाता है। इसके इस्तेमाल से महिलाओं में चिंता, डिप्रेशन व मूड स्विंग्स की समस्या हो जाती है। इसके अलावा इससे आपको एक्ने भी हो सकते हैं। इसका रखें ध्यान-अगर आप परफ्यूम का इस्तेमाल करना चाहते हैं और साथ ही यह भी चाहते हैं कि इससे आपकी हेल्थ को कोई नुकसान न हो तो इसके लिए आपको कुछ बातों का ध्यान रखना होगा। सबसे पहले अगर आपको किसी भी तरह की समस्या है या फिर परफ्यूम के इस्तेमाल से किसी तरह की परेशानी हो रही है तो किसी अच्छे डर्मेटॉलाजिस्ट से मिलें और फिर उनकी सलाह पर ही किसी भी तरह के परफ्यूम का इस्तेमाल करें। इसके अलावा हमेशा किसी अच्छी कंपनी का ब्रांडेड परफ्यूम ही खरीदें।

धर्म मंत्र

मुरैना के शनिचरा मंदिर में खुद हनुमानजी लेकर आये थे शनि देव को

हम सभी शनिदेव की महिमा से भली भांति परिचित होंगे। देश भर में कई चमत्कारिक शनि मंदिर हैं। जहाँ शनि देव की महिमा अमरमपार है। मध्य प्रदेश के ग्वालियर के समीप एंती गांव हैं जहाँ पर विराजित शनि देव का देश भर में विशेष महत्व है। भगवान हनुमान रावण की कैद से छुड़वा कर शनि देव को यहीं पर लाये थे। तब से यहाँ पर शनि देव विराजमान हैं। बताया यह भी जाता है कि यहाँ शनि मंदिर पर प्रतिष्ठित शनि देव की प्रतिमा आसमान से टूट कर गिरे एक उल्कापिंड से निर्मित है जिससे यह स्थान विशेष प्रभावशाली है। बताया जाता है कि आज भी यहाँ अमर रूप में शनि देव विराजमान हैं। शनि देव के चमत्कार को देखते हुए ग्वालियर के सिंधिया राज घराने द्वारा इस मंदिर का जीर्णोद्धार करवाया गया था। शनि देव की महिमा के आगे सब बेअसर होता है। जिस पर शनि देव की दिव्य दृष्टि पड़ जाए समझ लो वह भव सागर से पार हो जाता है। मुरैना जिले में आने वाले इस शनिचरा मंदिर के बारे में एक कथा विख्यात है। बताया जाता है कि जब भगवान महाबली हनुमान रावण की लंका जलाने वाले थे तब उनकी नजर उस जगह पर पड़ी जहाँ पर रावण ने अन्य देवताओं के साथ ही शनि देव को भी बंदी बना रखा था। शनि देव ने हनुमानजी से रावण की कैद से छुड़ाने का आग्रह किया। जिसके बाद हनुमान ने शनि देव को रावण की कैद से छुड़वाया। रावण की कैद में रहने से शनि देव कमजोर हो गए थे तो उन्होंने हनुमान से विनती करी कि वे उन्हें किसी सुरक्षित जगह पर भेज दें।

पर्यटन

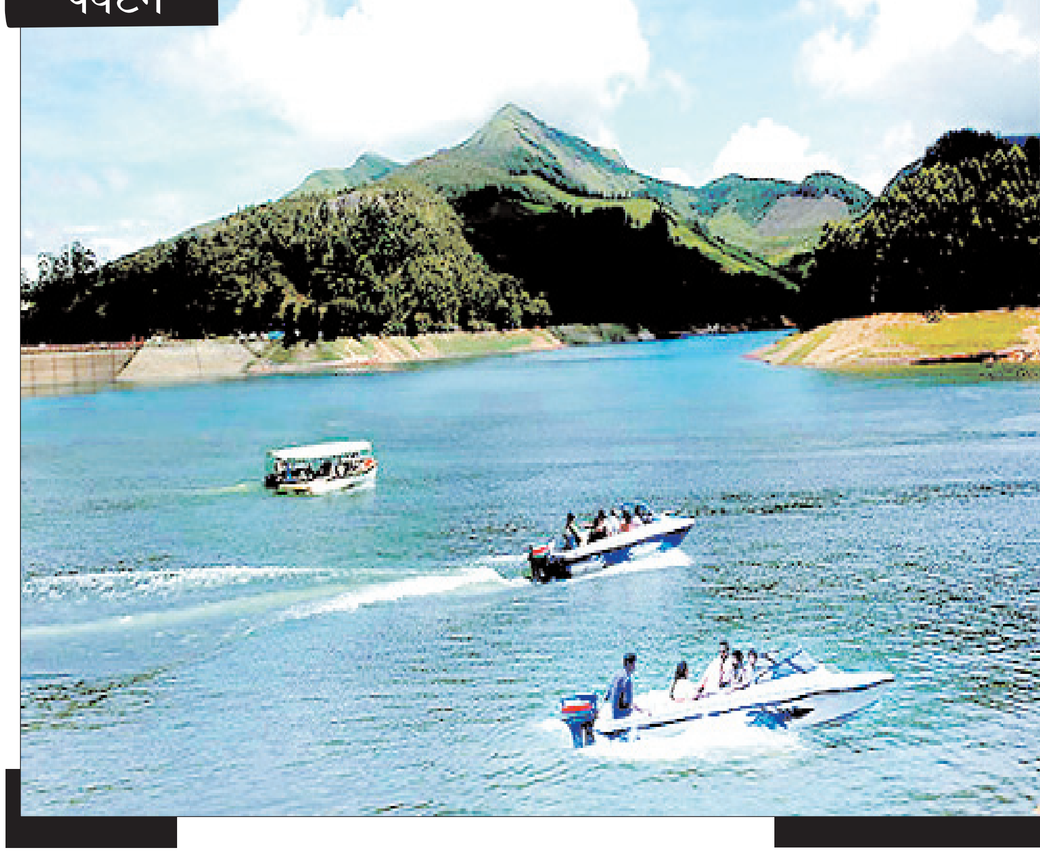

थेक्कडी में मिलता है जंगली जानवरों के बीच झील में नाव सफारी करने का मौका

आपने अकसर वाइल्डलाइफ फिल्मों में देखा होगा कि लोग किसी नदी के अंदर से अपनी नाव लेकर गुजर रहे होते हैं और नदी के किनारे जंगली जानवर पानी पीने आये हुए होते हैं३ इस नजारे को देखकर वाइल्डलाइफ को पसंद करने वाले लोग जरूर ये सोचते होंगे की ये कौन सी जगह है? क्या ये शूटिंग भारत में हुई है या विदेश में३ तो हम आपको बताना चाहते हैं कि भारत में कुछ ऐसी जगह है जहां की खूबसूरती को कैमरे में कैद करने के लिए लोग विदेशों से आते हैं। भारत के केरल राज्य में एक अद्भुत जगह है जहां चारों ओर तो घना जंगल है, जंगल के बीचों-बीच एक शांत झील३ जहां जंगल के जंगली और खतरनाक जानवर पानी पीने आते हैं, कई बार हाथियों का झुंड झील में नहाने निकलता है। ये पूरा दृश्य आपको केरल के थेक्कडी में देखने को मिलेगा। केरल के सफर पर अगर आप आये हैं तो केरल के थेक्कडी को देखना बिलकुल न भूले, जंगल के बीच में बने रिजॉर्ट में रुके और सुबह नाव सफारी करें साथ ही प्रकृति की खूबसूरती को नजदीक से महसूस करें३ यकीन मानिए आप इस एहसास को कभी नहीं भूल पाएंगे। थेक्कडी में बसा पेरियार वन्यजीव अभ्यारण्य केरल का प्रसिद्ध वन्यजीव अभ्यारण्य है। इस वाइल्ड लाइफ सेंचुरी को देखने के लिए भारत ही नहीं बल्कि दुनिया भर से लोग आते हैं। हाथियों के लिए मशहूर ये सेंचुरी 777 वर्ग किलोमीटर में फैली हुई है। 777 वर्ग में से 360 वर्ग किलोमीटर का हिस्सा घने जंगलों से ढका हुआ है तो कुछ हिस्से में पानी है। मानसिक तनाव, मेट्रो सिटी की जिंदगी से बिलकुल हटकर प्रकृति से प्यार करने वालों को ये जगह अपनी ओर आकर्षित करती हैं। सन्‍ 1978 में पेरियार को टाइगर रिजर्व घोषित किया गया था। कोची एयरपोर्ट से थेक्कडी की दूरी लगभग 145 किलोमीटर की दूरी है। अगर आप केरल के सफर पर हैं तो और मुनार में दो दिन ठहरने के बाद थेक्कडी आ सकते हैं। यहां आप अगर अक्टूबर से जून के बीच आते हैं तो काफी मजेदार सफर होता है। जंगल में नाव की सफारी करने के लिए आपको निर्देशों का पालन करना जरूरी होता है। नाव सफारी की टिकट लेते समय निर्देशों को अच्छे से बता दिया जाता है, क्योंकि ये टाइगर रिसर्व जंगल है छोटी सी गलती भी कभी-कभी भारी पड़ सकती हैं।

अंग्रेजों से आर-पार की लड़ाई चाहते थे डॉ लोहिया: नवीन तिवारी

भारत के सम्मान, बलिदान और संप्रभुता के संघर्ष की याद दिलाता है 9 अगस्त: रामसेवक

अगस्त क्रान्ति दिवस और काकोरी ट्रेन एक्शन की वर्षगांठ पर परिचर्चा में वक्ताओं ने रखे विचार

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बाराबंकी। गांधी भवन में रविवार को लोकतंत्र सेनानी कल्याण समिति उत्तर प्रदेश एवं गांधी जयन्ती समारोह ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में अगस्त क्रान्ति दिवस की 85वीं वर्षगांठ और काकोरी ट्रेन एक्शन की 101वीं वर्षगांठ पर परिचर्चा आयोजित हुई। परिचर्चा के मुख्य वक्ता प्रख्यात समाजवादी चिन्तक एवं आचार्य नरेन्द्र देव समाजवादी संस्थान के संयुक्त सचिव नवीन तिवारी रहे। वहीं सभा की अध्यक्षता लोकतंत्र सेनानी कल्याण समिति के प्रदेश अध्यक्ष रामसेवक यादव ने की। कार्यक्रम की शुरूआत झण्ड़ारोहण से हुई, तदोपरान्त महात्मा गांधी की मूर्ति पर श्रद्धा सुमन अर्पित किया गया। मुख्य वक्ता नवीन तिवारी ने कहा कि डॉ लोहिया अंग्रेजों से आर-पार की लड़ाई चाहते थे। डॉ लोहिया के इस दबाव में महात्मा गांधी आए और उन्होंने 'करो या मरो' का नारा दिया। वहीं यूसुफ मेहर अली पहले नेता थे जिन्होने ''भारत छोड़ो'' नारा देकर इस लड़ाई को निर्णाक मोड़ दिया। उन्होंने बताया, 8 अगस्त को मुम्बई के सम्?मेलन में जवाहरलाल नेहरू ने 'भारत छोड़ो' का प्रस्?ताव पेश किया। सरदार पटेल ने इसका अनुमोदन किया। अन्?य नेताओं के अतिरिक्?त आचार्य नरेन्?द्रदेव, अच्?युत पटवर्धन तथा डॉ लोहिया ने प्रस्?ताव का जोरदार समर्थन किया और 9 अगस्त की सुबह अरूणा आसफ अली ने गोवालिया टैंक मैदान में तिरंगा फहरा दिया। इस पूरे घटनाक्रम में भारतीय जनसंघ और हिन्दू महासभा की नगण्य भूमिका रही। सभा को सम्बोधित करते हुए गांधीवादी चिन्तक राजनाथ शर्मा ने कहा कि नौ अगस्त 1942 की घटना से पूरे देश ने एक स्वर में पूर्ण स्वराज्य का आह्नान किया था। सही मायने में इसी तिथि को भारत की स्वतंत्रता की निर्णायक तिथि मानकर उत्सव के रूप में मनाया जाना चाहिए। 9 अगस्त का यह दिन जन दिवस है। जब पूरा देश एकजुट होकर महात्मा गांधी के साथ चल पड़ा था। लेकिन 1942 की क्रांति के साथ ही एक अंदरूनी विघटन का वातावरण बनना शुरु हुआ जिसके कारण न सिर्फ औपचारिक स्वतंत्रता में देर लगी बल्कि देश दो टुकड़ों में बँट गया। इस विभाजन की चोट के कारण शायद हम उस आजादी के बिगुल की आवाज को भूल से गए जो 1942 में बजा था। सभा की अध्यक्षता कर रहे प्रदेश अध्यक्ष रामसेवक यादव ने कहा काकोरी ट्रेन एक्शन की शताब्दी केवल एक स्मृति नहीं, बल्कि हमारे स्वतंत्रता संग्राम में क्रांतिकारी साहस की पुनरावृत्ति है। यह घटना हथियार उठाने जैसी क्रांतिकारी राजनीतिक कार्रवाइयों की ओर बदलाव का प्रतीक है। इसने हजारों युवाओं को स्वतंत्रता संग्राम में भाग लेने के लिए प्रेरित किया और उन्हें भारत के सम्मान, बलिदान और संप्रभुता के संघर्ष की याद दिलाई। पूर्व विधायक सरवर अली खान ने कहा, 1947 में आज़ादी की नींव का पत्थर नौ अगस्त 1942 को रखा गया। यह दिन उन सभी स्वतंत्रता सेनानियों को याद करने का है, जो आधुनिक भारत के शिल्पकार बनें। जिस अहिंसक आन्दोलन की शुरूआत महात्मा गांधी ने की उसे बाद में उन्होंने 'करो या मरो' में परिवर्तित कर दिया। जिसके बाद महात्मा गांधी के साथ पूरा देश खड़ा हो गया। उन्होंने कहा, 15 अगस्त महज़ राज का दिवस है। जिस तिथि को भारत के तत्कालीन वायसराय लार्ड माउंटबेटेन से कंाग्रेस नेतृत्व ने हाथ मिलाकर स्वाधीनता स्वीकार की। सभा का संचालन पाटेश्वरी प्रसाद ने किया। इस मौके पर प्रमुख रूप से बसन्त कुमार शर्मा, सलाउद्दीन किदवाई, शऊर कामिल किदवाई, हुमायूं नईम खान, मुस्तफा हुसैन, मृत्युंजय शर्मा, सभासद अश्वनी शर्मा, बेचई यादव, सुशील गुप्ता, शिवशंकर शुक्ला, दुर्गा प्रसाद, हरि श्याम वर्मा, अशोक शुक्ला, उमानाथ यादव, सत्यवान वर्मा, मो अहमद किदवाई, अताउर्रहमान सज्जन, अम्बरीश वर्मा अनन्त कुमार पाण्डेय सहित बड़ी संख्या में कई जनपदों से आए लोकतंत्र रक्षक सेनानी, प्रबुद्धजन, अधिवक्ता और समाजसेवी उपस्थित रहे।

तीन हजार कांवड़ियों के जत्थे ने लोधेश्वर महादेव का किया जलाभिषेक, दूसरे सोमवार को उमड़ेगा आस्था का सैलाब

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बाराबंकी। पवित्र सावन मास में भगवान श्रीलोधेश्वर महादेव के दर्शन और जलाभिषेक के लिए महादेवा पहुंच रहे श्रद्धालुओं की आस्था देखते ही बन रही है। पड़ोसी जनपद बहराइच के फखरपुर क्षेत्र से करीब तीन हजार कांवड़ियों का जत्था सैकड़ों कांवड़ लेकर श्रीलोधेश्वर धाम पहुंचा। महिला, पुरुष और बच्चों ने पैदल यात्रा कर सरयू नदी से पवित्र जल लाकर भगवान लोधेश्वर महादेव का जलाभिषेक किया। कांवड़ियों के जत्थे में 61 लीटर और 40 लीटर की कांवड़ विशेष आकर्षण का केंद्र रही। श्रद्धालुओं में भगवान शिव के प्रति गहरी आस्था और उत्साह दिखाई दिया। हर-हर महादेव और बोल बम के जयकारों से महादेवा का वातावरण शिवमय हो गया।

श्रद्धालु गणेश चौहान ने बताया कि फखरपुर क्षेत्र में घाघरा नदी के तट पर स्थित घूरदेवी मंदिर से जल भरकर श्रद्धालु हर वर्ष पैदल लोधेश्वर धाम पहुंचते हैं। सावन के दौरान इस यात्रा में क्षेत्र से तीन से चार हजार तक श्रद्धालु शामिल होते हैं। श्रद्धालु पूरी आस्था और भक्ति के साथ कठिन पैदल यात्रा पूरी कर भगवान लोधेश्वर महादेव का जलाभिषेक करते हैं।

इधर सावन के दूसरे सोमवार को महादेवा में लाखों श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना को देखते हुए प्रशासन भी सतर्क हो गया है। उपजिलाधिकारी आकांक्षा गुप्ता और क्षेत्राधिकारी गरिमा पंत ने मंदिर परिसर सहित मेला क्षेत्र का भ्रमण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। अधिकारियों ने श्रद्धालुओं की संभावित भीड़ को देखते हुए सुरक्षा, यातायात और अन्य व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया।

प्रशासन की ओर से भीड़ को नियंत्रित करने और श्रद्धालुओं को सुगम दर्शन व जलाभिषेक कराने के लिए तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। सावन के दूसरे सोमवार को महादेवा में आस्था का विशाल सैलाब उमड़ने की उम्मीद है।

दीनपनाह में सफाई व्यवस्था धड़ाम, नालियां कूड़े से पटीं, सड़कों पर बह रहा गंदा पानी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

निंदूरा, बाराबंकी। ग्राम पंचायत दीनपनाह में सफाई व्यवस्था पूरी तरह बेपटरी हो गई है। गांव की नालियां लंबे समय से साफ-सफाई के अभाव में कूड़े-कचरे से पट चुकी हैं। कई स्थानों पर नालियों में जमा गंदगी सड़क के बराबर तक पहुंच गई है। नालियों की निकासी बंद होने से बरसात का पानी गंदगी के साथ सड़कों पर बह रहा है, जिससे ग्रामीणों और राहगीरों को आवागमन में भारी परेशानी उठानी पड़ रही है।

ग्रामीणों का आरोप है कि गांव में तैनात सफाई कर्मचारी नियमित रूप से सफाई करने नहीं आता। ग्रामीणों के मुताबिक सफाई कर्मचारी महीने-दो महीने में कभी-कभार ही गांव में दिखाई देता है। इसके चलते नालियों की सफाई, कूड़ा उठान और सार्वजनिक स्थानों की स्वच्छता व्यवस्था पूरी तरह प्रभावित हो गई है। जगह-जगह कूड़े के ढेर और बजबजाती नालियां पंचायत की सफाई व्यवस्था की हकीकत बयां कर रही हैं।

बरसात के दिनों में समस्या और गंभीर हो गई है। नालियां चोक होने के कारण पानी की निकासी नहीं हो पा रही है और गंदा पानी रास्तों पर जमा हो रहा है। लंबे समय तक जलभराव रहने से दुर्गंध फैलने के साथ ही मच्छरों का प्रकोप भी बढ़ गया है। ग्रामीणों को संक्रामक बीमारियों के फैलने का डर सता रहा है। खासकर बच्चों और बुजुर्गों को गंदे पानी से होकर गुजरने में परेशानी हो रही है।

ग्रामीणों का कहना है कि गांव में सफाई व्यवस्था के नाम पर जिम्मेदारों की ओर से महज खानापूर्ति की जा रही है। यदि नियमित रूप से नालियों की सफाई और कूड़ा उठान कराया जाता तो बरसात के दौरान यह स्थिति पैदा नहीं होती। ग्रामीणों ने संबंधित अधिकारियों से मामले का संज्ञान लेते हुए तत्काल नालियों की सफाई, जलनिकासी की व्यवस्था और जगह-जगह जमा कूड़े का उठान कराने की मांग की है।

ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि समय रहते सफाई व्यवस्था दुरुस्त नहीं की गई तो बरसात के दौरान जलभराव और गंदगी की समस्या और विकराल हो सकती है। ऐसे में पंचायत की सफाई व्यवस्था की नियमित निगरानी कर लापरवाही बरतने वाले जिम्मेदारों पर कार्रवाई किए जाने की भी मांग उठ रही है।

संदिग्ध परिस्थितियों में किसान की मौत, सड़क किनारे मिला शव

फतेहपुर-बाराबंकी। मोहम्मदपुर खाला थाना क्षेत्र के कनिकापुर गांव निवासी किसान राजकुमार वर्मा (48) की शनिवार देर रात संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। वह शाम को बाइक से साढ़ेमऊ बाजार जाने की बात कहकर घर से निकले थे। देर रात तक घर वापस नहीं लौटने पर परिजनों ने उनकी तलाश शुरू की। इसी दौरान ग्रामीणों ने राजकुमार को गांव के बाहर सड़क किनारे बाइक के पास अचेत अवस्था में पड़ा देखा। सूचना मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे और उन्हें उपचार के लिए सीएचसी सूरतगंज ले गए, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। राजकुमार खेती-बाड़ी कर अपने परिवार का पालन-पोषण करते थे। उनकी अचानक मौत की खबर से परिवार में कोहराम मच गया। एसएचओ अमित सिंह भदौरिया ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही किसान की मौत की वास्तविक वजह स्पष्ट हो सकेगी।

स्वतंत्रता सेनानी सम्मान पदयात्रा में गूंजी क्रांतिकारियों की गाथा

बाराबंकी कैनविज टाइम्स संवाददाता। भारत छोड़ो आंदोलन–1942 (क्रांति दिवस) की 84वीं और काकोरी प्रतिशोध की 102वीं वर्षगांठ पर रविवार को स्वतंत्रता संग्राम सेनानी परिवार फाउंडेशन, बाराबंकी की ओर से 'स्वतंत्रता संग्राम सेनानी सम्मान पदयात्रा' निकाली गई। जिलाध्यक्ष श्रवण कुमार वर्मा की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम की मुख्य अतिथि उप जिलाधिकारी भावना सिंह रहीं। पटेल तिराहे पर सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर स्वतंत्रता सेनानियों और शहीदों को नमन किया गया। इसके बाद एसडीएम भावना सिंह ने राष्ट्रध्वज लहराकर पदयात्रा का शुभारंभ किया। यात्रा कलेक्ट्रेट रोड होते हुए पुलिस अधीक्षक कार्यालय के निकट स्थित 'लल्ला जी' उद्यान पहुंची, जहां स्वतंत्रता सेनानी अवध शरण वर्मा 'लल्ला जी' की प्रतिमा पर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इसके बाद गन्ना संस्थान स्थित राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर यात्रा का समापन हुआ। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष श्रवण कुमार वर्मा ने कहा कि स्वतंत्रता सेनानियों और शहीदों के सम्मान में ऐसे कार्यक्रम लगातार आयोजित किए जाएंगे, ताकि आने वाली पीढ़ी उनके त्याग और संघर्ष से प्रेरणा ले सके। कार्यक्रम का संचालन संरक्षक डॉ. राजकुमार वर्मा ने किया। राम प्रवेश और नीरज मिश्रा ने जिले के स्वतंत्रता सेनानियों के जीवन एवं योगदान पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में संस्था के पदाधिकारियों समेत सैकड़ों स्वतंत्रता सेनानी उत्तराधिकारी एवं गणमान्य लोग मौजूद रहे।

एस–4 ने 22 सूत्रीय मांगों को लेकर राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री को भेजा ज्ञापन

बाराबंकी कैनविज टाइम्स संवाददाता। संयुक्त संघर्ष संचालन समिति (एस–4) शाखा बाराबंकी के आह्वान पर रविवार को जिला संयोजक धर्मेंद्र कुमार वर्मा की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। इसमें कर्मचारियों, शिक्षकों और विभिन्न विभागों में कार्यरत संविदा कर्मियों की लंबित समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक के बाद समिति की ओर से 22 सूत्रीय मांगों से संबंधित ज्ञापन ई–मेल के माध्यम से राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, केंद्रीय वित्त मंत्री और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री को भेजा गया। बैठक का नेतृत्व एस–4 के प्रांतीय संयुक्त संयोजक अरूणेन्द्र कुमार वर्मा और जिलाध्यक्ष हसीब अहमद ने किया। पदाधिकारियों ने कहा कि कर्मचारियों और शिक्षाकर्मियों की कई मांगें लंबे समय से लंबित हैं। सरकार को इनके समाधान के लिए शीघ्र प्रभावी कदम उठाने चाहिए। ज्ञापन में पुरानी पेंशन व्यवस्था बहाल करने, टीईटी अनिवार्यता से जुड़े प्रावधानों पर पुनर्विचार करने तथा मृतक आश्रितों की नियुक्ति पूर्व की भांति शैक्षिक योग्यता के आधार पर किए जाने की मांग प्रमुख रूप से शामिल है। इसके अलावा शिक्षामित्रों, अनुदेशकों, रोजगार सेवकों, मनरेगा कर्मियों, बाल विकास विभाग में कार्यरत लिपिकों और परिवहन विभाग के चालकों के नियमितीकरण सहित कुल 22 मांगें ज्ञापन में रखी गई हैं। समिति पदाधिकारियों ने सरकार से मांगों पर गंभीरता से विचार कर शीघ्र सकारात्मक निर्णय लेने की अपील की। बैठक में मोहम्मद अकील, विकास वर्मा, अरविंद कुमार, रमाकांत वर्मा सहित समिति के अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य मौजूद रहे।

गोंडा पैसेंजर का संचालन, धर्म जागरण की मुहिम रंग लाई

बाराबंकी कैनविज टाइम्स संवाददाता। कोरोना काल के दौरान बंद हुई गोण्डा पैसेंजर रेल के पुनः संचालन को लेकर धर्मजागरण की मुहिम रंग लायी पैसेंजर के संचालन के साथ साथ रफी नगर रेलवे स्टेशन पर ट्रेन के ठहराव पर लोगो ने प्रसन्नता व्यक्त की है रविवार को वरिष्ठ अधिवक्ता मथुरा प्रसाद वर्मा के नेतृत्व में यात्रियों को फल एव शीतल जल का वितरण किया गया। बताते चले कोविड 19 के दौरान लगे लाकडाउन में देश में तमाम पैसेंजर ट्रेनों का संचालन बंद कर दिया गया था जिसमें गोण्डा पैसेंजर ट्रेन का संचालन भी बंद कर दिया गया था कोरोना काल के बाद लगभग सभी ट्रेनों का पुनः संचालन शुरू हो गया था लेकिन इस गोण्डा पैसेंजर का संचालन शुरू न होने पर गत वर्ष धर्मजागरण बाराबंकी धाम के प्रदेश संयोजक अधिवक्ता अमित अवस्थी के नेतृत्व में पिछले वर्ष घाघरा रामनगर से लखनऊ तक पदयात्रा निकाली गई थी और उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक को मांगपत्र सौंपा गया था इसके अलावा पूर्व विधायक शरद अवस्थी, भाजपा रनर प्रत्याशी अमरीश रावत, पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष शशांक कुशमेश, पूर्व सांसद बैजनाथ रावत आदि के द्वारा किए गए प्रयास से गोण्डा पैसेंजर का संचालन पुनः शुरू हो गया हैं। रविवार को वरिष्ठ अधिवक्ता मथुरा प्रसाद वर्मा के साथ सुरेश चंद्र गौतम, आनंद वर्मा, रामू बाबा, रामसुमिरन वर्मा घनश्याम विश्वकर्मा, राकेश वर्मा, बलजीत अरोड़ा, विनोद कटियार, मोहित वर्मा, आनंद वर्मा, सूरज गुप्ता, सचिन विश्वकर्मा, राजेंद्र यादव, राजकुमार मिश्रा, शिवकुमार, प्रिंस वर्मा, पप्पू सोनी, रंजीत वर्मा सहित अनेकों धर्मसेवकों को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मामान किया गया था तथा यात्रियों को फल, जल एव मिष्ठान का वितरण किया गया रफीनगर हाल्ट स्टेशन के पुनः संचालन पर प्रभारी मोनू वर्मा ने सभी का आभार व्यक्त किया।

नोटिस के बाद भी धड़ल्ले से चल रहे अस्पताल, क्लीनिक व डायग्नोस्टिक सेंटर

कार्रवाई न होने से संचालकों के हौसले बुलंद

सिद्धौर बाराबंकी कैनविज टाइम्स संवाददाता। सिद्धौर क्षेत्र में बिना लाइसेंस संचालित अस्पताल, क्लीनिक और डायग्नोस्टिक सेंटरों पर स्वास्थ्य विभाग की कार्रवाई केवल नोटिस तक सीमित नजर आ रही है। निरीक्षण के दौरान गंभीर कमियां मिलने और तीन दिन में सुधार के निर्देश सात अस्पतालों दिए जाने के बावजूद अब तक किसी के खिलाफ कार्रवाई नहीं हुई है शासन के निर्देश पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सिद्धौर के प्रभारी डॉ. हरप्रीत सिंह ने अपनी टीम के साथ नई सड़क, असंद्रा, सिद्धौर, कोठी, , सेमरवां, सैदनपुर सहित विभिन्न चौराहों पर संचालित अस्पतालों और डायग्नोस्टिक सेंटरों का करीब एक सप्ताह पहले निरीक्षण किया था। जांच में कई संस्थान बिना लाइसेंस संचालित मिले, जबकि कुछ जगहों पर आवश्यक स्टाफ भी मौजूद नहीं था। इसके बाद संचालकों को नोटिस जारी कर तीन दिन के भीतर कमियां दूर करने के निर्देश दिए गए थे।

आरोप है कि दीपिका हॉस्पिटल, इटहिया, आर एम हॉस्पिटल, सेमरवा   छाया हॉस्पिटल सिद्धौर जन सेवा हॉस्पिटल सिद्धौर सहित अन्य अस्पतालों का संचालन पहले की तरह जारी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि नोटिस के बाद भी कार्रवाई न होने से अवैध रूप से चल रहे अस्पतालों और क्लीनिकों के संचालकों का मनोबल बढ़ा है। इस संबंध में डॉ. हरप्रीत सिंह ने बताया कि निरीक्षण ने बताया निरीक्षण के दौरान जो भी कमियां मिली थी उन्हें दूर कर और दस्तावेज प्रस्तुत करने के लिए कहा गया था जिसमें अभी तक मात्र दो ही संचालक अपने दस्तावेज प्रस्तुत किए हैं जिसकी सूचना उच्च अधिकारियों को भेजी जा रही है ।

डीएम ईशान प्रताप बोले—ग्रामीण पत्रकारों को जागरूक करने की पीआईबी की पहल सराहनीय! 'वार्तालाप' सरीखे कार्यक्रम हो नियमित

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बाराबंकी। फ़ेक न्यूज और भ्रामक सूचनाओं के बढ़ते प्रसार के बीच भारत सरकार के सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के पत्र सूचना कार्यालय (घ्रूछ), लखनऊ की ओर से शनिवार को कलेक्ट्रेट स्थित लोक-सभागार में पत्रकारों के लिए मीडिया कार्यशाला 'वार्तालाप' का आयोजन किया गया। कार्यशाला में फ़ेक न्यूज की पहचान, फैक्ट-चेकिंग, वायरल फोटो-वीडियो की सत्यता जांचने और डिजिटल टूल्स के प्रभावी इस्तेमाल को लेकर पत्रकारों को व्यावहारिक जानकारी दी गई। साथ ही केंद्र सरकार की प्रमुख योजनाओं एवं पिछले 12 वर्षों की उपलब्धियों पर भी चर्चा हुई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पद्मश्री रामसरन वर्मा ने कहा कि देश की अर्थव्यवस्था और ग्रामीण व्यवस्था में किसान की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है। सरकार की कृषि नीति का उद्देश्य केवल उत्पादन बढ़ाना नहीं, बल्कि किसानों की आय, सुरक्षा, सिंचाई, बाजार और आधुनिक तकनीक तक पहुंच को मजबूत करना है। उन्होंने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना और प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना सहित विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी। लखनऊ के निदेशक दिलीप कुमार शुक्ल ने फ़ेक न्यूज को वायरस की संज्ञा देते हुए कहा कि यह तेजी से फैलकर समाज को प्रभावित कर सकती है। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता में किसी भी सूचना को प्रकाशित या प्रसारित करने से पहले उसके तथ्यों और स्रोतों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि करना जरूरी है। फ़ेक न्यूज के प्रसार को रोकने में पत्रकारों की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है। जिलाधिकारी ईशान प्रताप सिंह ने ग्रामीण क्षेत्रों के पत्रकारों के बीच फ़ेक न्यूज को लेकर जागरूकता फैलाने की घ्रूछ की पहल को सराहनीय बताया। उन्होंने कहा कि डिजिटल दौर में सूचनाओं का प्रवाह बेहद तेज है, ऐसे में पत्रकारों के लिए तथ्यपरक और विश्वसनीय पत्रकारिता की जिम्मेदारी और बढ़ गई है। उन्होंने 'वार्तालाप' जैसे कार्यक्रमों को नियमित रूप से आयोजित किए जाने की आवश्यकता जताई, ताकि पत्रकार बदलते डिजिटल परिदृश्य के अनुरूप नई तकनीकों और फैक्ट-चेकिंग के तरीकों से परिचित होते रहें। लखनऊ विश्वविद्यालय के पत्रकारिता विभाग के वरिष्ठ प्रोफ़ेसर मुकुल श्रीवास्तव ने पत्रकारों को वायरल फोटो, वीडियो और सोशल मीडिया पोस्ट की सत्यता जांचने के व्यावहारिक तरीके बताए। उन्होंने स्रोतों की पुष्टि करने तथा विभिन्न डिजिटल टूल्स के जरिए किसी सूचना की प्रमाणिकता परखने की प्रक्रिया समझाई। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने कहा कि पत्रकार केंद्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं और कार्यक्रमों की जानकारी आम लोगों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण कड़ी हैं। तथ्यपरक एवं विश्वसनीय खबरों के माध्यम से पात्र लोगों को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने में भी मदद मिलती है। जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. राजीव कुमार सिंह ने कहा कि सरकार स्वास्थ्य सेवाओं को लगातार मजबूत करने पर जोर दे रही है। पत्रकार स्वास्थ्य योजनाओं और सेवाओं की जानकारी जनता तक पहुंचाने के साथ-साथ व्यवस्थाओं में मौजूद कमियों को भी सामने लाते हैं, जिससे उनमें सुधार की गुंजाइश बनती है।

कार्यशाला के दौरान पत्रकारों को केंद्र सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं, कार्यक्रमों और उपलब्धियों से संबंधित तथ्यात्मक एवं प्रमाणित जानकारी भी उपलब्ध कराई गई।

बाराबंकी में जुटेंगे देशभर के छात्र नेता, AISF मनाएगा 90वें स्थापना वर्ष का समापन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बाराबंकी। ऑल इंडिया स्टूडेंट्स फ़ेडरेशन (एआईएसएफ) के 90वें स्थापना वर्ष के समापन समारोह का आयोजन 12 और 13 अगस्त को बाराबंकी में किया जाएगा। कार्यक्रम में देशभर से छात्र प्रतिनिधि, संगठन के पूर्व नेता, शिक्षक और विभिन्न जनसंगठनों के प्रतिनिधि शामिल होंगे। रविवार को गांधी भवन में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में एआईएसएफ के राष्ट्रीय महासचिव दिनेश श्रीं रंगराजन ने कार्यक्रम की जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि 12 अगस्त को सुबह 11 बजे बाराबंकी में छात्र रैली निकाली जाएगी, जिसके बाद जनसभा का आयोजन होगा। समारोह में एआईटीयूसी की महासचिव अमरजीत कौर, पूर्व सांसद सैयद अजीज पाशा, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के राष्ट्रीय सचिव रामकृष्ण पांडा, सांसद पी. संतोष कुमार समेत एआईएसएफ के कई पूर्व नेता शामिल होंगे, जो वर्तमान में विभिन्न राजनीतिक, जन एवं वर्ग संगठनों में सक्रिय हैं।

उन्होंने कहा कि एआईएसएफ की स्थापना 12 अगस्त 1936 को लखनऊ में हुई थी। देश के पहले छात्र संगठन के रूप में एआईएसएफ का स्वतंत्रता आंदोलन में गौरवशाली इतिहास रहा है। हेमू कालानी, कनकलता बरुआ सहित संगठन से जुड़े कई साथियों ने स्वतंत्रता संग्राम में अपने प्राणों का बलिदान दिया।

उन्होंने कहा कि इसी विरासत को आगे बढ़ाते हुए एआईएसएफ आज भी सार्वजनिक शिक्षा और छात्रों के अधिकारों की रक्षा के लिए संघर्ष कर रहा है। हाल के काक्रोच आंदोलन में संगठन ने शुरुआत से सक्रिय भागीदारी करते हुए आंदोलन का नेतृत्व किया। आंदोलन में सक्रिय भूमिका निभाने वाले छात्र नेताओं को समारोह के दौरान सम्मानित किया जाएगा। 13 अगस्त को सुबह 10 बजे ‟सार्वजनिक शिक्षा की रक्षाः चुनौतियाँ और आगे की राह" विषय पर सेमिनार आयोजित होगा। इसमें लखनऊ विश्वविद्यालय की पूर्व कुलपति प्रो. रूप रेखा वर्मा, ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी टीचर्स एसोसिएशन के महासचिव प्रो. अरुण कुमार, पूर्व विधायक एवं ऑल इंडिया टीचर्स एसोसिएशन के कार्यकारी अध्यक्ष कट्टी नरसिम्हा रेड्डी तथा एआईएसएफ के पूर्व अध्यक्ष वाईएस लोहित विचार रखेंगे।

समारोह के साथ एआईएसएफ की राष्ट्रीय परिषद की बैठक भी होगी। इसमें संगठन की आगामी गतिविधियों और भविष्य की कार्ययोजना पर चर्चा कर आगे के कार्यक्रमों की घोषणा की जाएगी।

एआईएसएफ नेताओं ने कहा कि दो दिवसीय आयोजन संगठन की 90 वर्षों की ‟अध्ययन और संघर्ष" की यात्रा का उत्सव होने के साथ-साथ सार्वजनिक शिक्षा एवं छात्र अधिकारों की रक्षा के संकल्प को और मजबूत करेगा। प्रेस कॉन्फ्रेंस में प्रदेश अध्यक्ष मुजम्मिल जाहिद अली, उपाध्यक्ष नोमान खान, अरुण प्रकाश, प्रदेश सचिव सतीश कुमार, सह सचिव चंद्रभान, अभिषेक वर्मा, मनीष चौधरी, रीना मौर्य, आलोक कुमार, आदित्य वर्मा, महेंद्र यादव सहित अन्य छात्र नेता मौजूद रहे।

बाढ़ प्रभावित गांवों में पहुंचे जिला पंचायत सदस्य समस्याओं के समाधान का दिया भरोसा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बाराबंकी। वरिष्ठ समाजवादी नेता एवं जिला पंचायत सदस्य विजय कुमार यादव एडवोकेट ने रविवार को तहसील सिरौली गौसपुर क्षेत्र अंतर्गत अलीनगर-रानीमऊ तटबंध के भीतर बसे गांव टेपरा और बींहड़ का दौरा कर ग्रामीणों से बाढ़ के दौरान होने वाली परेशानियों की जानकारी ली। उन्होंने ग्रामीणों की समस्याओं को संबंधित अधिकारियों के समक्ष उठाकर समाधान कराने का आश्वासन दिया।

विजय कुमार यादव अपने साथियों राममिलन आदि के साथ गांव पहुंचे और ग्रामीणों से बातचीत कर बाढ़ के समय आवागमन, बिजली समेत अन्य समस्याओं की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों की समस्याओं के समाधान के लिए प्रशासनिक अधिकारियों से वार्ता की जाएगी।

जिला पंचायत सदस्य ने बताया कि टेपरा और बींहड़ गांवों की बिजली आपूर्ति करीब चार वर्ष पहले विद्युत विभाग द्वारा काट दी गई थी। ग्रामीणों के लगातार प्रयास के बावजूद अब तक विद्युत आपूर्ति बहाल नहीं हो सकी है। उन्होंने कहा कि इस संबंध में विद्युत विभाग के अधिशासी अभियंता से वार्ता कर बिजली समस्या का समाधान कराने का प्रयास किया जाएगा।

उन्होंने यह भी बताया कि ग्रामीणों की सुविधा के लिए रामनगर विधायक की निधि से तीन-चार सौर ऊर्ज़ा लाइट लगवाने का प्रयास किया जाएगा। इस मौके पर ग्राम प्रधान पंकज कुमार यादव, खालिद खान, राकेश सिंह, प्रधान राजेंद्र यादव, मनोज यादव और अवधेश यादव सहित अन्य ग्रामीण मौजूद रहे।

अश्मिता ने कोरिया मास्टर्स के रूप में अपना पहला बीडब्ल्यूएफ टूर खिताब जीता

एजेंसी

आसन (कोरिया)। भारत की अश्मिता चालिहा ने रविवार को यहां कोरिया मास्टर्स सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के महिला एकल फाइनल में चीन की चौथी वरीयता प्राप्त हान कियान शी को हराकर अपना पहला बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर खिताब हासिल जीता। असम की रहने वाली इस 26 वर्षीय खिलाड़ी ने पहला गेम गंवाने के बाद शानदार वापसी करते हुए विश्व में 35वें नंबर की खिलाड़ी हान को 53 मिनट तक चले मैच में 14-21, 21-14, 21-14 से हराया। चालिहा ने कहा, ''मुझे बहुत अच्छा लग रहा है। यह अविश्वसनीय है लेकिन मैं इसे समझने की कोशिश कर रही हूं। इसने मेरी आगे और भी कुछ हासिल करने की भूख बढ़ा दी है। इस तरह से भारतीय खिलाड़ियों ने लगातार दूसरे सप्ताह बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर का खिताब जीता।

तन्वी शर्मा ने पिछले रविवार को ताइपे ओपन का खिताब अपने नाम किया था। भारतीय खिलाड़ी ने अच्छी शुरुआत की तथा पहले 3-0 और फिर 9-5 से बढ़त हासिल कर ली। लेकिन हान ने शानदार वापसी की और उन्होंने स्कोर 11-11 से बराबर कर दिया। चीनी शटलर ने अपनी लय हासिल करने के बाद लगातार अंक बनाए और मैच पर नियंत्रण बना दिया। इसके बाद उन्हें पहला गेम जीतने में किसी तरह की परेशानी नहीं हुई। विश्व रैंकिंग में 50वें स्थान पर काबिज चालिहा ने दूसरे गेम में अधिक आत्मविश्वास के साथ आक्रामक खेल दिखाया और अपने स्मैश का अच्छा इस्तेमाल करते हुए हान पर दबाव बनाया। एक समय दोनों खिलाड़ी 6-6 से बराबरी पर थी। लेकिन इंटरवल तक भारतीय खिलाड़ी 11-8 से आगे हो गई। उन्होंने इसके बाद भी अपना दबदबा बनाए रखा। हान अंतर को कम करने के लिए संघर्ष करती रही। चालिहा ने 17-10 से बढ़त हासिल करने के बाद पीछे मुड़कर नहीं देखा और मैच को निर्णायक गेम तक पहुंचा दिया। तीसरे गेम के शुरू में दोनों खिलाड़ियों ने एक दूसरे के सामने कड़ी चुनौती पेश की। चालिहा ने शुरू में 5-2 की बढ़त हासिल कर ली, लेकिन इंटरवल तक हान 11-9 से आगे थी। चालिहा ने संघर्ष जारी रखा और धीरे-धीरे मैच का रुख अपने पक्ष में मोड़ लिया। उन्होंने लगातार छह अंक बनाकर 15-11 से बढ़त हासिल कर ली।

भारत का श्रीलंका दौरा : शुभमन गिल ने नेट्स पर की वापसी

एजेंसी

कोलंबो। भारतीय टेस्ट कप्तान शुभमन गिल ने रविवार को श्रीलंका क्रिकेट इ्रक्र के खिलाफ एकमात्र अभ्यास मैच से बाहर रहने के बाद नेट्स पर वापसी की।

कोलंबो के एनसीसी मैदान पर खेले जा रहे अभ्यास मैच के तीसरे और अंतिम दिन गिल को साइड नेट्स में बल्लेबाजी करते देखा गया। गिल अभ्यास मैच से पहले दाएं हाथ की अनामिका उंगली में चोट लगने के कारण मुकाबले से बाहर हो गए थे। अभ्यास के दौरान बल्लेबाजी करते समय उनकी उंगली पर गेंद लगी थी। टॉस के समय केएल राहुल को भारतीय टीम की कप्तानी सौंपी गई थी। इसके बाद भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने बताया था कि गिल अभ्यास मैच के पहले दिन मैदान पर नहीं उतरेंगे। बीसीसीआई ने बयान में कहा था, कप्तान शुभमन गिल को गुरुवार को भारत के अभ्यास सत्र के दौरान दाएं हाथ की अनामिका

उंगली में चोट लगी। एहतियाती कदम के तौर पर वह श्रीलंका क्रिकेट इ्रक्र के खिलाफ अभ्यास मैच के पहले दिन मैदान पर नहीं उतरेंगे। हालांकि, मैच के दूसरे दिन भारतीय टीम की बल्लेबाजी के दौरान भी गिल बल्लेबाजी करने नहीं उतरे। उनकी नियमित बल्लेबाजी क्रम की चौथी पारी पर रविंद्र जडेजा बल्लेबाजी करने आए। गिल का नेट्स पर लौटना भारत के लिए राहत की खबर है क्योंकि भारत और श्रीलंका के बीच दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला 15 अगस्त से गॉल में शुरू होगी। इसके बाद दूसरा टेस्ट कोलंबो के एसएससी स्टेडियम में खेला जाएगा।

सिंधू के ओलंपिक कांस्य पदक से लेकर लगातार दो सुपर 300 खिताब तक, पार्क दिलवा रहे हैं सफलता

एजेंसी

नयी दिल्ली। लगातार दो सप्ताह। दो सुपर 300 खिताब। दो अलग-अलग खिलाड़ी। किसी भी कोच को इन उपलब्धियों पर गर्व होना स्वाभाविक है और दक्षिण कोरिया के रहने वाले भारतीय बैडमिंटन कोच पार्क ताए-सांग भी इनसे कुछ अलग नहीं हैं। यह पहला अवसर नहीं है जबकि भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ियों ने पार्क के मार्गदर्शन में खिताब जीते हैं। पीवी सिंधू ने उनके कुछ रहते हुए ही ओलंपिक में कांस्य पदक जीता था। पिछले रविवार को पार्क से कोचिंग लेने वाली 17 वर्षीय तन्वी शर्मा ने ताइपे ओपन जीता। इसके सात दिन बाद 26 वर्षीय अश्मिता चालिहा ने करियर को खतरे में डालने वाली घुटने की चोट से उबरकर कोरिया मास्टर्स जीता। पार्क ने कोरिया के आसन से पीटीआई से कहा, ''ये दो सप्ताह बेहद शानदार रहे। पिछले सप्ताह तन्वी का प्रदर्शन लाजवाब था। वह मात्र 17 वर्ष की हैं और उन्होंने अपना पहला बीडब्ल्यूएफ खिताब जीता। आज तो मुझे और भी अधिक खुशी हुई क्योंकि यह अश्मिता का पहला फाइनल था और उन्होंने खिताब जीत लिया। एक कोच के तौर पर मैं बेहद खुश हूं। पार्क ने इससे पहले हैदराबाद में पीवी सिंधू के साथ चार साल बिताए। वह सिंधू के तोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने तक इस स्टार भारतीय खिलाड़ी के साथ रहे। सिंधू के साथ भागीदारी समाप्त होने के बाद भारतीय बैडमिंटन संघ ने पार्क से युवा खिलाड़ियों के साथ काम करने के बारे में संपर्क किया। पार्क ने कहा, ''जब मैंने सिंधु के साथ काम करना शुरू किया, तब वह पहले से ही विश्व चैंपियन थीं और उनके आसपास अच्छे सीनियर खिलाड़ियों का समूह था। इस बार मैंने सोचा, चलो निचले स्तर से शुरुआत करते हैं। इसका उद्देश्य भारतीय खिलाड़ियों की एक नई पीढ़ी तैयार करना था। गुवाहाटी स्थित राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र में तीन साल बिताने के बाद अब इसके परिणाम दिखने लगे हैं। पार्क इन दोनों खिताब को बड़ी उपलब्धियां हासिल करने की तरफ पहला कदम मानते हैं। उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि पिछले दो सप्ताह में बीडब्ल्यूएफ 300 स्तर के दो खिताब जीतना अच्छी उपलब्धि है, लेकिन ये केवल 300 स्तर के टूर्नामेंट हैं। खिलाड़ी अब 500, 750 और 1000 स्तर के टूर्नामेंटों पर नजर लगाए हुए हैं। पार्क ने कहा, ''तन्वी और अश्मिता दोनों के लिए हमारा लक्ष्य एक ही है। उ

मेघवाल ने ऊंची कूद में रजत जीतकर इतिहास रचा, शाहनवाज को लंबी कूद में कांस्य

एजेंसी

यूजीन (अमेरिका)। बसंत कुमार मेघवाल विश्व एथलेटिक्स अंडर-20 चैंपियनशिप में ऊंची कूद में पदक जीतने वाले पहले भारतीय बन गए हैं, जबकि शाहनवाज खान ने लंबी कूद में कांस्य पदक जीता, जिससे भारत के लिए यह दिन यादगार बन गया और प्रतियोगिता में उसके कुल पदकों की संख्या तीन पहुंच गई।

राजस्थान के श्री गंगानगर जिले के सीमावर्ती शहर अनूपगढ़ के रहने वाले 19 वर्षीय मेघवाल ने शनिवार को चैंपियनशिप के चौथे दिन 2.21 मीटर की कूद लगाकर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया और रजत पदक जीता। अल्जीरिया के यूनेस अयाची ने स्वर्ण पदक, जबकि ग्रेट ब्रिटेन के ओटिस पूल ने कांस्य पदक हासिल किया। तीनों पदक विजेता केवल 2.21 मीटर की ऊंचाई तक कूद लगा सके और 2.24 मीटर की ऊंचाई पार करने में असफल रहे। ऐसी स्थिति में पिछली ऊंचाई को पार करने

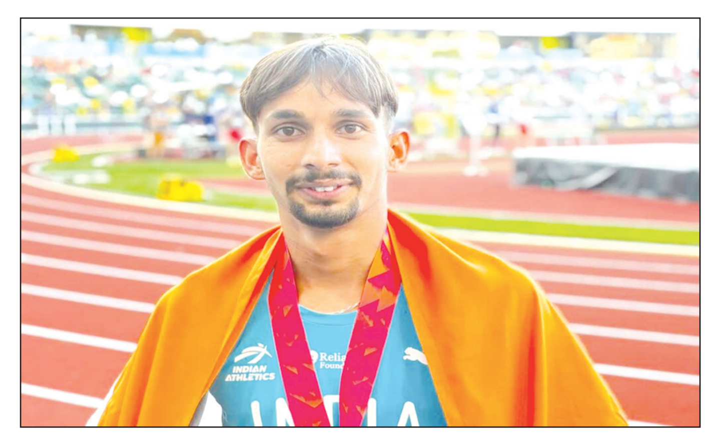

के प्रयासों की संख्या के आधार पर स्थानों का निर्धारण किया गया। अयाची ने अपने पहले प्रयास में ही 2.21 मीटर की ऊंचाई पार कर ली थी, जबकि मेघवाल और पूल ने क्रमशः अपने दूसरे और तीसरे प्रयास में यह ऊंचाई हासिल की थी। भारतीय नौसेना में कार्यरत मेघवाल के रजत पदक ने उन्हें विश्व अंडर-20 चैंपियनशिप में ऊंची कूद में पदक जीतने वाला पहला भारतीय भी बना दिया। भारतीय महिला ऊंची कूद की पूर्व राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक सहाना कुमारी से प्रशिक्षण लेने वाले मेघवाल ने इस सत्र में अपने प्रदर्शन में 10 सेंटीमीटर का सुधार किया है। इससे पहले उनका व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2.11 मीटर था। इसके बाद शाहनवाज ने पुरुषों की लंबी कूद में 7.84 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ कांस्य पदक जीतकर चैंपियनशिप में भारत के पदकों की संख्या को तीन तक पहुंचा दिया। इस 18 वर्षीय खिलाड़ी ने अपने तीसरे प्रयास में सर्वश्रेष्ठ छलांग लगाई। उन्होंने क्रमशः 7.67 मीटर, 7.72 मीटर, 7.84 मीटर, 7.52 मीटर, 7.83 मीटर और 5.37 मीटर छलांग लगाई। फाइनल में पहुंचने वाले दूसरे भारतीय आरसी जिथिन अर्जुनान ने अपने पहले और चौथे प्रयास में 7.59 मीटर की सर्वश्रेष्ठ छलांग लगाकर आठवां स्थान हासिल किया। इटली के डेनियल इन्जोली ने 7.97 मीटर की छलांग लगाकर स्वर्ण पदक जीता, जबकि ऑस्ट्रेलिया के मेसन मैकग्रोडर ने 7.96 मीटर के अपने व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ रजत पदक हासिल किया। इससे पहले आशीष यादव ने प्रतियोगिता के तीसरे दिन पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा में रजत पदक जीतकर भारत का खाता खोला था। यादव विश्व अंडर-20 चैंपियनशिप में भाला फेंक में रजत पदक जीतने वाले दूसरे भारतीय बन गए हैं। उनसे पहले नीरज चोपड़ा ने यह उपलब्धि हासिल की थी।

गैर-ब्याज आमदनी बढ़ाने के लिए दिसंबर तक संपत्ति प्रबंधन सेवा शुरू करेगा पीएनबी

एजेंसी

नयी दिल्ली। ब्याज से इतर आमदनी बढ़ाने के लिए पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) इस साल दिसंबर तक अपनी संपत्ति प्रबंधन सेवा शुरू करने की तैयारी कर रहा है। बैंक के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अशोक चंद्रा ने यह जानकारी दी। चंद्रा ने पीटीआई-भाषा के साथ साक्षात्कार में कहा, इ्रहमारी संपत्ति प्रबंधन योजना का पहला कदम यह सुनिश्चित करना था कि बैंक के पास ग्राहक संबंध प्रबंधक (सीआरएम) मौजूद हों। छह महीने पहले हमने 1,700 शाखाओं में लगभग 1,700 सीआरएम तैनात किए। उनका मुख्य काम हर शाखा के 250 से 300 बड़े और प्रमुख ग्राहकों के कामकाज को देखना है। सरकारी क्षेत्र का यह बैंक अब इस महीने के अंत तक 1,300 और सीआरएम तैनात करने की योजना बना रहा है। इन्हें चुनी गई अन्य 1,300 शाखाओं में तैनात किया जाएगा। उन्होंने आगे बताया, ''यह हमारा पहला कदम था। संपत्ति प्रबंधन पहल के लिए हमने सलाहकारों से भी बात करना शुरू कर दिया है। बहुत जल्द हम इस सेवा के लिए भागीदार चुनने की प्रक्रिया शुरू करने वाले हैं। मुझे उम्मीद है कि अगले तीन से चार महीनों में हमारी संपत्ति प्रबंधन सेवा पूरी तरह तैयार हो जाएगी। आगे चलकर पीएनबी इस क्षेत्र में बहुत सक्रिय भूमिका निभाएगा। इस सेवा की शुरुआत के बारे में पूछने पर उन्होंने कहा, ''हमें चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही (अक्टूबर से दिसंबर) तक इसे बाजार में उतारने की उम्मीद है। क्रेडिट कार्ड कारोबार के बारे में बात करते हुए चंद्रा ने कहा कि बैंक इस क्षेत्र के विस्तार पर काम कर रहा है, जिसे एक महाप्रबंधक की देखरेख में अलग विभाग के रूप में चलाया जा रहा है।

सर्राफा बाजार में तेजी जारी, सोना और चांदी की बढ़ी चमक

एजेंसी

नई दिल्ली। सर्राफा बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान जबरदस्त तेजी का रुख बना हुआ है। कीमत में आई तेजी के कारण चेन्नई के अलावा देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में सोना आज 2,290 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 2,500 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। वहीं चेन्नई में आज सोने के भाव में 1,510 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,650 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की तेजी आ गई है। इसी तरह हाजिर चांदी की कीमत में आज शुरुआती कारोबार के दौरान 5,100 रुपये प्रति किलोग्राम तक का उछाल आ गया है। कीमत में आई तेजी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,51,640 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,52,550 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,39,000 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,39,850 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के

भाव में उछाल आने की वजह से ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 2,45,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। साप्ताहिक आधार पर देखा जाए, तो अंतरराष्ट्रीय बाजार में लगातार तेजी का रुख बनने के कारण सोना और चांदी दोनों धातुओं के भाव में तेजी आई है। पिछले सप्ताह के कारोबार में 24 कैरेट सोना 8,180 रुपये प्रति 10 ग्राम तक उछल गया। इसी तरह 22 कैरेट सोना साप्ताहिक आधार पर 7,600 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया। चांदी भी मजबूत ग्लोबल संकेतों की वजह से पिछले सप्ताह के कारोबार में महंगा हो गया। कीमत में आई तेजी के कारण चांदी का भाव सप्ताहिक आधार पर दस हजार रुपये प्रति किलोग्राम तक उछल गया। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,52,550 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,39,850 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,52,350 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,39,650 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

असम: मुख्यमंत्री ने आईओएल और एनआरएल के रिकॉर्ड मुनाफ़े पर जताई खुशी

एजेंसी

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा ने ऑयल इंडिया लिमिटेड (ओआईएल) और नुमालीगढ़ रिफाइनरी लिमिटेड (एनआरएल) द्वारा हासिल किए गए रिकॉर्ड वित्तीय और ऑपरेशनल लक्ष्यों का ज़िक्र किया। उन्होंने इस परफॉर्मेंस को असम के लिए गर्व की बात और भारत की ऊर्जा सुरक्षा में एक अहम योगदान बताया। सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर रविवार को एक पोस्ट में, मुख्यमंत्री ने कहा कि आईओएल ने 2,870 करोड़ रुपये का ''अब तक का सबसे ज़्यादा तिमाही स्टैंडअलोन प्रॉफ़िट आफ्टर टैक्स'' (पीएटी) दर्ज किया, जो पिछले साल के मुकाबले 2.5 गुना ज़्यादा है। उन्होंने कहा कि यह बढ़ोतरी कच्चे तेल के प्रोडक्शन में 11 प्रतिशत की वृद्धि और कीमतों से अच्छी कमाई के कारण हुई। ओआईएल का कंसोलिडेटेड पीएटी 4,027 करोड़ रुपये रहा, जो पिछले साल के मुकाबले 97 प्रतिशत की वृद्धि दिखाता है, जबकि कच्चे तेल का प्रोडक्शन 0.950 मिलियन मीट्रिक टन तक पहुंच गया। कंपनी ने 10,921 टन (यानी 84,109 बैरल) का अब तक का सबसे ज़्यादा दैनिक कच्चा तेल प्रोडक्शन भी दर्ज किया। मुख्यमंत्री ने अंडमान बेसिन में ओआईएल की खोज गतिविधियों और असम में एक ऑनशोर कुएं में 3,116 मीटर के अब तक के सबसे ज़्यादा हॉरिजॉन्टल डिस्प्लेसमेंट (क्षैतिज विस्थापन) की उपलब्धि पर भी प्रकाश डाला। वहीं, एनआरएल ने प्रॉफ़िट आफ्टर टैक्स में पिछले साल के मुकाबले 167 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की, जो 1,305 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। रिफाइनरी ने 35.95 डॉलर प्रति बैरल का ग्रॉस रिफाइनिंग मार्जिन और 87.58 प्रतिशत का डिस्टिलेट यील्ड भी हासिल किया। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा ने इन उपलब्धियों के लिए ओआईएल टीम को बधाई दी और कहा कि ये उपलब्धियां भारत के ऊर्जा क्षेत्र में असम की भूमिका को मज़बूत करती हैं और देश की ऊर्जा सुरक्षा में योगदान देती हैं।

कच्चे तेल की कीमतें, महंगाई के आंकड़े तय करेंगे शेयर बाजार की चाल

एजेंसी

शेयर समीक्षा

नयी दिल्ली। कच्चे तेल की कीमतें, पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक तनाव और इस सप्ताह जारी होने वाले मुद्रास्फीति के आंकड़े स्थानीय शेयर बाजार की दिशा तय करेंगे। विश्लेषकों ने यह राय जताई है।

विश्लेषकों के अनुसार, होर्मुज जलडमरूमध्य से जुड़े घटनाक्रम, विदेशी निवेशकों की कारोबारी गतिविधियां और घरेलू कंपनियों के तिमाही नतीजे भी बाजार की चाल को प्रभावित करने वाले प्रमुख कारक रहेंगे। रिलायंस ब्रोकिंग के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (शोध) अजित मिश्रा ने कहा कि घरेलू स्तर पर निवेशकों की नजर जुलाई के उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित मुद्रास्फीति, थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित मुद्रास्फीति और विदेशी मुद्रा भंडार के ताजा आंकड़ों पर रहेगी। इनसे महंगाई के रुख और बाह्य क्षेत्र की स्थिति का संकेत मिलेगा। उन्होंने कहा कि वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही के नतीजों का दौर भी गति पकड़ेगा। इस सप्ताह हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स, भारत फोर्ज, ग्रासिम इंडस्ट्रीज और टाटा मोटर्स सहित कई कंपनियां अपने तिमाही नतीजे घोषित करेंगी। मिश्रा ने कहा कि वैश्विक स्तर पर बाजार की नजर होर्मुज जलडमरूमध्य से जुड़े घटनाक्रम, कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव और ईरान से जुड़े व्यापक भू-राजनीतिक घटनाक्रम पर रहेगी। संपदा प्रौद्योगिकी कंपनी एनरिच मनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) पोनमुडी आर ने कहा कि इस सप्ताह बाजार पर दो प्रमुख कारकों का असर रहेगा। पहला, पश्चिम एशिया की स्थिति और दूसरा, अमेरिका के जुलाई माह के मुद्रास्फीति के आंकड़े। उन्होंने कहा कि बाजार की नजर विशेष रूप से होर्मुज जलडमरूमध्य से जुड़े घटनाक्रम पर रहेगी, जहां बातचीत की स्थिति लगातार बदल रही है। उन्होंने कहा कि व्यापक आर्थिक मोर्चे पर अमेरिका के जुलाई के मुद्रास्फीति के आंकड़े इस सप्ताह का सबसे महत्वपूर्ण वैश्विक घटनाक्रम रहेंगे। इसके अलावा, भारतीय बाजार के लिए कच्चे तेल की कीमतें भी प्रमुख कारक बनी रहेंगी। इस बीच, विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने अगस्त के पहले सप्ताह में भारतीय शेयर बाजार में 12,921 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया। पिछले सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 404.53 अंक यानी 0.51 प्रतिशत चढ़ा, जबकि एनएसई का निफ्टी 187.05 अंक यानी 0.76 प्रतिशत मजबूत हुआ। मिश्रा ने कहा कि वायदा एवं विकल्प (एफएंडओ) शेयरों के लिए नई समापन नीलामी सत्र (सीएएस) व्यवस्था, भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति और भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं के बीच उतार-चढ़ाव रहने के बावजूद बाजार ने सप्ताह का अंत बढ़त के साथ किया। स्वस्तिका इन्वेस्टमार्ट लिमिटेड के शोध प्रमुख संतोष मीणा ने कहा कि पिछले सप्ताह नई समापन नीलामी व्यवस्था पहली बार लागू होने के कारण यह बाजार का प्रमुख आकर्षण रही। उन्होंने कहा कि व्यापक आर्थिक दृष्टि से भी यह सप्ताह महत्वपूर्ण रहेगा। भारत में 12 अगस्त को सीपीआई आधारित और 14 अगस्त को डब्ल्यूपीआई आधारित मुद्रास्फीति के आंकड़े जारी होंगे। वहीं, अमेरिका में 12 अगस्त को सीपीआई और 13 अगस्त को उत्पादक मूल्य सूचकांक (पीपीआई) के आंकड़े जारी किए जाएंगे।

सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों में से चार का बाजार पूंजीकरण 1.43 लाख करोड़ रुपये बढ़ा

एजेंसी

नयी दिल्ली। सेंसेक्स की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से चार के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में बीते सप्ताह सामूहिक रूप से 1.43 लाख करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हुई। इस दौरान भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) को सबसे अधिक लाभ हुआ। बीते सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 404.53 अंक यानी 0.51 प्रतिशत बढ़ा, जबकि एनएसई का निफ्टी 187.05 अंक यानी 0.76 प्रतिशत के लाभ में रहा। शीर्ष 10 कंपनियों में रिलायंस इंडस्ट्रीज, भारतीय स्टेट बैंक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और लार्सन एंड टुब्रो के बाजार पूंजीकरण में बढ़ोतरी हुई। वहीं भारती एयरटेल, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, बजाज फाइनेंस, भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) और हिंदुस्तान यूनिलीवर के बाजार पूंजीकरण में सामूहिक रूप से 1.23 लाख करोड़ रुपये की गिरावट आई। समीक्षाधीन सप्ताह में भारतीय स्टेट बैंक का बाजार पूंजीकरण 63,922.03 करोड़ रुपये बढ़कर 10,11,721.84 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार मूल्यांकन 32,816.4 करोड़ रुपये बढ़कर 18,01,925.19 करोड़ रुपये रहा। वहीं टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) की बाजार हैसियत 31,875.35 करोड़ रुपये बढ़कर 8,87,770.13 करोड़ रुपये रही। लार्सन एंड टुब्रो का बाजार पूंजीकरण 14,637.76 करोड़ रुपये बढ़कर 5,56,482.45 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। इस रुख के उलट एलआईसी के बाजार पूंजीकरण में 40,543.23 करोड़ रुपये की गिरावट आई और यह घटकर 4,96,891.82 करोड़ रुपये पर आ गया। बजाज फाइनेंस की बाजार हैसियत 37,168.96 करोड़ रुपये घटकर 6,73,648.55 करोड़ रुपये रह गई। एचडीएफसी बैंक का मूल्यांकन 24,183.16 करोड़ रुपये घटकर 11,27,967.47 करोड़ रुपये रह गया।

उड़ान योजना के जरिए आम लोगों तक हवाई यात्रा पहुंचाने का किया जा रहा प्रयास : नायडू

एजेंसी

भोपाल। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री के. राममोहन नायडू ने कहा कि पिछले 12 वर्षों में देश के सिविल एविएशन सेक्टर में अभूतपूर्व विस्तार हुआ है। उन्होंने कहा कि पहले हवाई यात्रा कुछ लोगों तक सीमित थी, लेकिन उड़ान योजना 'उड़े देश का आम नागरिक' के जरिए इसे आम लोगों तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है।

केंद्रीय मंत्री नायडू और मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रविवार को राजधानी भोपाल के राजा भोज विमानतल में प्रदेश में 4 नई सीधी हवाई सेवाओं को हरी झंडी दिखाकर इनका शुभारंभ किया। उन्होंने भोपाल-रीवा, भोपाल-पटना, रीवा-कोलकाता और जबलपुर-कोलकाता रूटों पर सीधी हवाई सेवाओं को हरी झंडी दिखाई। इस दौरान सरकार ने किराए की अधिकतम सीमा तय करने, नए एयरपोर्ट्स की मंजूरी और भोपाल से अंतरराष्ट्रीय उड़ानों की योजना की भी जानकारी दी।

केंद्रीय मंत्री नायडू ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में उड़ान योजना के तहत देश में करीब 90 एयरपोर्ट विकसित किए गए हैं। एयरक्राफ्ट का बेड़ा और यात्रियों की संख्या भी लगभग दोगुनी हुई है। छोटे शहरों में एयरपोर्ट बनने के बाद वहां पर्यटन, व्यापार, रोजगार और निवेश की संभावनाएं तेजी से बढ़ी हैं। उन्होंने मध्य प्रदेश सरकार की एविएशन पॉलिसी की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार विमानन क्षेत्र में एक कदम आगे बढ़ रही है तो मध्य प्रदेश सरकार मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में दो कदम आगे बढ़ रही है। यही डबल इंजन सरकार की ताकत है। उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने बताया कि रीवा-भोपाल हवाई सेवा का किराया ?2700 से शुरू होगा, जिसकी अधिकतम सीमा (कैपिंग) ?3500 तय की गई है। रीवा से कोलकाता के बीच का किराया ?3700 से ?5000 के दायरे में रहेगा। विंध्य क्षेत्र के लिए इस सेवा को ऐतिहासिक बताते हुए उन्होंने कहा कि सड़क और रेल नेटवर्क के साथ अब बेहतर एयर कनेक्टिविटी मिलने से क्षेत्र में व्यापार, पर्यटन और निवेश के नए अवसर खुलेंगे। विमानन सचिव समीर कुमार सिन्हा ने जानकारी दी कि प्रधानमंत्री द्वारा शुरू किया गया मॉडिफाइड उड़ान कार्यक्रम 2036 तक जारी रहेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि प्रदेश में रीवा, दतिया और सतना के बाद अब उज्जैन व शिवपुरी में नए एयरपोर्ट विकसित किए जा रहे हैं, साथ ही केंद्र सरकार ने प्रदेश के लिए 5 नए एयरपोर्ट्स को सैद्धांतिक मंजूरी दी है। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने अंतरराष्ट्रीय कनेक्टिविटी पर बात करते हुए कहा कि इंदौर-अबूधाबी सेवा के बाद अगले दो महीनों में भोपाल से शारजाह (यूएई) के लिए सीधी अंतरराष्ट्रीय उड़ान शुरू होने की उम्मीद है। इसके अतिरिक्त, गंभीर रूप से बीमार मरीजों के लिए प्रदेश में आयुष्मान कार्ड के आधार पर निःशुल्क एयर एंबुलेंस (प्लेन या हेलीकॉप्टर) सेवा की उपलब्धता की बात भी दोहराई, जिसके माध्यम से आपात स्थिति में मरीजों को शीघ्र एयरलिफ्ट किया जा सकता है।

राष्ट्रीय हितों और संप्रभुता की रक्षा के लिए सभी को तत्पर रहना चाहिए : उप राष्ट्रपति

एजेंसी

श्री विजयपुरम (पोर्ट ब्लेयर)। उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने रविवार को अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में 'हर घर तिरंगा' अभियान की शुरुआत करते हुए कहा कि भारत की शांति और उदारता को उसकी कमजोरी नहीं समझा जाना चाहिए। उन्होंने नागरिकों का आह्वान करते हुए कहा कि राष्ट्रीय हितों और संप्रभुता की रक्षा के लिए हमेशा तत्पर रहना चाहिए। तिरंगे से प्रेरणा लेकर साहस, एकता और आशा का संचार करें और एक मजबूत एवं विकसित भारत के निर्माण में स्वतंत्रता सेनानियों की विरासत को आगे बढ़ाएं।

उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन ने आज अंडमान-निकोबार द्वीप समूह की राजधानी श्री विजयपुरम (पोर्ट ब्लेयर) के ऐतिहासिक फ्लैग पॉइंट पर राष्ट्रीय ध्वज फहराकर 'हर घर तिरंगा अभियान' की शुरुआत की। श्री विजयपुरम (पोर्ट ब्लेयर) के ऐतिहासिक फ्लैग पॉइंट पर नेताजी सुभाषचंद्र बोस ने 30 दिसंबर 1943 को तिरंगा फहराया था।

उपराष्ट्रपति ने इस अवसर पर 'हर घर तिरंगा' के महत्व को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा, ''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शुरू किया गया यह अभियान एक राष्ट्रव्यापी जन आंदोलन में बदल चुका है। प्रत्येक नागरिक तिरंगे को गर्व से फहराने, देशभक्ति, एकता और सामूहिक जिम्मेदारी के मूल्यों को आत्मसात करें। महान तमिल कवि सुब्रमण्यम भारती के अमर शब्दों को याद करते हुए राधाकृष्णन ने कहा कि भारती द्वारा मनाया जाने वाला 'मणि कोडी' उत्सव भारतीय भावना के शाश्वत साहस और भारत माता के ध्वज की महिमा को दर्शाता है। 'हर घर तिरंगा' अभियान इस भावना को आगे बढ़ाते हुए सभी नागरिकों को एक राष्ट्रीय ध्वज, एक मातृभूमि और एक साझा भविष्य के अंतर्गत एकजुट करता है। उन्होंने कहा कि अंडमान और निकोबार द्वीप समूह भारत का सिर्फ एक भौगोलिक हिस्सा नहीं है यह बलिदानों की पवित्र भूमि है। उन्होंने वीर सावरकर और सेलुलर जेल में कैद रहे अनगिनत अन्य देशभक्तों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उनका साहस, देशभक्ति और बलिदान पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा। उपराष्ट्रपति ने कहा कि सभी द्वीप 'विविधता में एकता' और 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' का जीवंत उदाहरण है और यहां समृद्ध आदिवासी विरासत और कनेक्टिविटी, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और बुनियादी ढांचे में भी प्रगति हुई है। उन्होंने कहा कि ग्रेट निकोबार द्वीप विकास परियोजना भारत की समुद्री क्षमताओं, कनेक्टिविटी और आर्थिक अवसरों को और मजबूत करेगी, साथ ही विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन बनाए रखेगी। भारत की शांति और उदारता की परंपरा के साथ-साथ राष्ट्रीय शक्ति की आवश्यकता पर जोर देते हुए राधाकृष्णन ने कहा, "भारत हमेशा से उदार रहा है लेकिन हमारी उदारता को कभी कमजोरी नहीं समझना चाहिए।

भारत की अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था अगले कुछ सालों में 40-45 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने का अनुमानः डॉ. जितेंद्र सिंह

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने रविवार को कहा कि भारत की अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था अगले 8-9 वर्षों में 40-45 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने आज यहां ललित होटल में आयोजित डिजिटल उपकरण पुरस्कार कार्यक्रम में मीडिया से कहा, भारत की अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था, जो पहले लगभग शून्य थी अब लगभग 9 अरब अमेरिकी डॉलर तक बढ़ गई है और तेजी से विस्तार कर रही है। अगले आठ से नौ वर्षों में इसके 40-45 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। उन्होंने पुरस्कार विजेताओं को बधाई देते हुए कहा कि साल 2047 के लिए एक ऐसे देश के रूप में अपनी स्थिति मजबूत करनी होगी जिसकी क्षमताओं और नवाचारों को अन्य देश अपना सकें। मंत्री ने कहा कि अगली औद्योगिक क्रांति जैव प्रौद्योगिकी और कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर आधारित होगी। भारत अब दुनिया के उन चुनिंदा देशों में शामिल है जिनके पास जैव प्रौद्योगिकी के लिए समर्पित नीति है। हमारे पास राष्ट्रीय क्वांटम मिशन, भारतीय एआई मिशन भी हैं और हमने अंतरिक्ष और अन्य अग्रणी क्षेत्रों में तेजी से प्रगति की है। परमाणु क्षेत्र को निजी कंपनियों के लिए खोलने का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि इस कदम से नए अवसर तो पैदा होते हैं लेकिन उद्योग जगत को उभरते क्षेत्रों के लिए खुद को तैयार करने और आवश्यक क्षमताएं विकसित करने की भी आवश्यकता है। भारत के स्टार्टअप इकोसिस्टम का विकास यह दर्शाता है कि नवाचार अब केवल बड़े शहरों तक ही सीमित नहीं है बल्कि कई युवा उद्यमी छोटे शहरों से भी उभर रहे हैं।

पीएम आवास योजना-शहरी के तहत 1.25 करोड़ घर मंजूर, एक करोड़ पूरे

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी (पीएमएवाई-यू) के तहत केंद्र सरकार ने अब तक 1.25 करोड़ से अधिक घरों को मंजूरी दी है, जिनमें एक करोड़ से अधिक घर बनकर लाभार्थियों को सौंपे जा चुके हैं। सरकार ने शहरी गरीब परिवारों को किफायती और पक्के मकान उपलब्ध कराने के लिए योजना के दूसरे चरण पीएमएवाई-यू 2.0 के क्रियान्वयन में भी तेजी लाई है। आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय के अनुसार, 06 अगस्त को यहां संकल्प भवन में सचिव सतेंद्र सिंह की अध्यक्षता में पीएमएवाई-यू 2.0 की केंद्रीय स्वीकृति एवं निगरानी समिति (सीएसएमसी) की आठवीं बैठक हुई। इसमें विभिन्न राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के 2.09 लाख से अधिक आवासों को मंजूरी दी गई। ये आवास आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) के परिवारों के लिए आंध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, बिहार, छत्तीसगढ़, गुजरात, जम्मू-कश्मीर, झारखंड, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, मणिपुर, ओडिशा, राजस्थान, तमिलनाडु, तेलंगाना, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में मंजूर किए गए। मंजूर किए गए 2.09 लाख आवासों में करीब 1.42 लाख लाभार्थी आधारित निर्माण (बीएलसी) के तहत हैं। इसमें लाभार्थियों को अपनी जमीन पर पक्का मकान बनाने के लिए 2.5 लाख रुपये तक की वित्तीय सहायता दी जाती है। वहीं, 67,045 आवास किफायती आवास साझेदारी (एएचपी) के तहत हैं, जिनका निर्माण राज्यों के साथ सार्वजनिक या निजी एजेंसियों की साझेदारी में किया जाता है। नई मंजूरियों के बाद पीएमएवाई-यू 2.0 के तहत कुल स्वीकृत आवासों की संख्या 18.38 लाख से अधिक हो गई है। इनमें 14.40 लाख बीएलसी, 2.48 लाख एएचपी, 1.36 लाख ब्याज सब्सिडी योजना (आईएसएस) और 13,046 किफायती किराये के आवास (एआरएच) के तहत हैं। बैठक में योजना की प्रगति, स्वीकृत मकानों के निर्माण और पूर्णता, जियो-टैगिंग, धन के उपयोग, लाभार्थियों के सत्यापन और मकानों की स्थिति की समीक्षा की गई। सचिव ने राज्यों को निर्माण में तेजी लाने, समय पर धन जारी करने और प्रभावी निगरानी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मंत्रालय के मुताबिक, आठवीं सीएसएमसी बैठक में स्वीकृत 2.09 लाख आवासों में से 2.03 लाख महिलाओं को आवंटित किए गए हैं। इनमें 16,662 आवास वरिष्ठ नागरिकों, 21,954 अनुसूचित जाति, 14,252 अनुसूचित जनजाति और 75,511 अन्य पिछड़ा वर्ग के लाभार्थियों के लिए हैं।

सूरत में 'इको स्पार्क ग्रीन एनर्जी सॉल्यूशन' का सी. आर. पाटिल ने किया उद्घाटन

एजेंसी

सूरत। सूरत के पांडेसरा क्षेत्र में ग्रीन एनर्जी के क्षेत्र में एक नई पहल की शुरुआत हुई। एरेनक्यू लिथियम आयरन फॉस्फ़ेट बैटरियों के अधिकृत गुजरात स्टॉकिस्ट 'इको स्पार्क ग्रीन एनर्जी सॉल्यूशन' का उद्घाटन किया गया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी. आर. पाटील उपस्थित रहे। उन्होंने रिबन काटकर प्रतिष्ठान का विधिवत उद्घाटन किया। कार्यक्रम में सूरत शहर भाजपा अध्यक्ष परेश पटेल सहित शहर के गणमान्य नागरिक, व्यापारी और शुभेच्छुक बड़ी संख्या में मौजूद रहे। उद्घाटन अवसर पर सी. आर. पाटील ने संस्थान के संचालक देवांगभाई चौधरी और राजेंद्रभाई चौधरी को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने सूरत में ग्रीन एनर्जी के क्षेत्र में शुरू की गई इस पहल का स्वागत करते हुए कहा कि भविष्य में स्वच्छ और हरित ऊर्जा का उपयोग बढ़ाना समय की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि आधुनिक तकनीक पर आधारित लिथियम आयरन फॉस्फ़ेट बैटरियों का उपयोग सूरत सहित पूरे गुजरात में ग्रीन एनर्जी को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। इको स्पार्क ग्रीन एनर्जी सॉल्यूशन के माध्यम से स्वच्छ और हरित ऊर्जा को प्रोत्साहित करने वाली आधुनिक बैटरी तकनीक ग्राहकों तक पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा। उद्घाटन समारोह में उपस्थित गणमान्य लोगों ने संस्थान के सफल और उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

वेस्ट जोन रीजनल कॉन्फ्रेंस, समावेशी, सुलभ एवं जन-केंद्रित न्याय को बढ़ावा देने पर जोर

एजेंसी

इंदौर। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) के तत्वावधान में मध्य प्रदेश के इंदौर स्थित ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में आयोजित दो दिवसीय वेस्ट जोन रीजनल कॉन्फ्रेंस का रविवार को सफलतापूर्वक हो गई। कॉन्फ्रेंस में समावेशी, सुलभ एवं जन-केंद्रित न्याय को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया।

कॉन्फ्रेंस में न्यायपालिका, शासन, विधिक सेवा संस्थाओं, न्यायिक अधिकारियों तथा अन्य संबंधित हितधारकों के उच्च पदस्थ प्रतिनिधियों ने सहभागिता की तथा न्याय को अधिक सुलभ, समावेशी एवं समाज के कमजोर एवं वंचित वर्गों की आवश्यकताओं के प्रति संवेदनशील बनाने के लिए समकालीन चुनौतियों एवं नवीन दृष्टिकोणों पर विचार-विमर्श किया गया। कॉन्फ्रेंस का मुख्य विषय न्याय तक पहुँच को सुदृढ़ करना तथा उप-विषय एकजुट आवाजें, सशक्त कलः संवाद एवं गरिमा के माध्यम से न्याय तक पहुँच को आगे बढ़ाना था। कॉन्फ्रेंस ने वेस्ट जोन में विधिक सेवाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को सुदृढ़ करने के लिए अनुभवों, नवाचारपूर्ण प्रयासों एवं संस्थागत रणनीतियों के आदान-प्रदान के लिए एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान किया। कॉन्फ्रेंस का उद्देश्य समान न्याय तक पहुँच के संवैधानिक वचन को जमीनी स्तर पर सार्थक परिणामों में परिवर्तित करना था, जिसमें विशेष रूप से मध्यस्थता, जनजातीय एवं वन समुदायों, बच्चों, बंदियों एवं उनके परिवारों तथा विधिक उपचार तक पहुँच में बाधाओं का सामना करने वाले अन्य व्यक्तियों पर विशेष ध्यान केंद्रित किया गया।

कॉन्फ्रेंस के प्रथम दिवस का शुभारंभ उद्घाटन सत्र से हुआ, जिसमें भारत के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, उच्चतम न्यायालय एवं उच्च न्यायालयों के न्यायाधीशगण, केंद्रीय विधि एवं न्याय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) अर्जुन राम मेघवाल तथा अन्य विशिष्ट अतिथियों ने सहभागिता की। कॉन्फ्रेंस के द्वितीय दिवस में विशेष रूप से बाल-अनुकूल न्याय, संरक्षण एवं पुनर्वास को सुदृढ़ करने पर ध्यान केंद्रित किया गया तथा नालसा (बच्चों के लिए बाल-अनुकूल कानूनी सेवाएँ) योजना, 2024 के प्रभावी क्रियान्वयन पर विशेष जोर दिया गया। विचार-विमर्श में ऐसे बाल-केंद्रित

न्याय तंत्र की आवश्यकता पर बल दिया गया, जो प्रत्येक बच्चे के संरक्षण, सहभागिता, विधिक सहायता, पुनर्वास एवं गरिमा को सुनिश्चित करे। बच्चों को विधिक सहायता प्रदान करने तथा उनके संरक्षण एवं पुनर्वास से संबंधित सेवाओं के समन्वय हेतु बच्चों के लिए कानूनी सेवा इकाइयों को एकीकृत तंत्र के रूप में सुदृढ़ करने पर जोर दिया गया। चर्चा में बाल-केंद्रित नवीन पहलों, जमीनी स्तर पर पहुँच तथा विधिक सेवा संस्थाओं, न्यायपालिका, बाल संरक्षण प्राधिकरणों एवं अन्य संबंधित हितधारकों के बीच संस्थागत समन्वय के माध्यम से कमजोर एवं संवेदनशील बच्चों की समय पर पहचान एवं उन्हें आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने पर भी विशेष ध्यान दिया गया। पॉक्सो मामलों में पीड़ित-केंद्रित एवं बाल-अनुकूल दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता पर भी महत्वपूर्ण विचार-विमर्श हुआ। इसमें प्रभावी विधिक प्रतिनिधित्व, प्रतिकर, मनोसामाजिक सहयोग, पुनः आघात से संरक्षण तथा बहु-विषयक समन्वय पर विशेष जोर दिया गया। सत्र का समापन इस विचार के साथ हुआ कि प्रत्येक बच्चे को समयबद्ध संरक्षण, उपयुक्त विधिक सहायता एवं सार्थक न्याय तक पहुँच सुनिश्चित करने के लिए समन्वित एवं संवेदनशील विधिक सेवा तंत्र को और अधिक सुदृढ़ किया जाना आवश्यक है। द्वितीय दिवस के द्वितीय तकनीकी सत्र में बंदियों एवं उनके परिवारों के पुनर्वास, पुनर्समावेशन तथा न्याय तक सार्थक पहुँच पर विचार-विमर्श किया गया। इसमें कारागार विधिक सेवाओं को सुदृढ़ करने तथा नालसा के प्रभावी क्रियान्वयन पर विशेष बल दिया गया। विचार-विमर्श में यह रेखांकित किया गया कि बंदियों के लिए न्याय तक पहुँच केवल लंबित मामलों में सहायता तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि इसमें विधिक जागरूकता, समयबद्ध विधिक उपचार, जेल लोक अदालतें, पारिवारिक सहयोग एवं पुनर्वास भी शामिल होना चाहिए। अभिरक्षा में रह रहे व्यक्तियों की गरिमा एवं अधिकारों की रक्षा तथा उन्हें निरंतर विधिक सहायता उपलब्ध कराने की आवश्यकता पर बल दिया गया। चर्चा में पुनर्वास एवं पुनर्समावेशन को न्याय का अभिन्न अंग मानते हुए पारिवारिक सहयोग, आजीविका के अवसर, सामुदायिक सहभागिता, शिक्षा, कौशल विकास एवं मानसिक स्वास्थ्य पर विशेष जोर दिया गया। विधिक सेवा संस्थाओं, कारागारों, न्यायपालिका, शासन के विभिन्न विभागों एवं अन्य हितधारकों के बीच संस्थागत समन्वय को भी प्रभावी पुनर्वास व्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार बताया गया। सत्र का समापन कारागार न्याय के प्रति समग्र, मानवीय एवं पुनर्वास-केंद्रित दृष्टिकोण विकसित करने की आवश्यकता पर जोर देते हुए हुआ, ताकि कारावास किसी व्यक्ति की गरिमा, विधिक संरक्षण, पुनर्वास एवं समाज में सार्थक पुनर्समावेशन के मार्ग में बाधा न बने। कॉन्फ्रेंस का समापन वेस्ट जोन में विधिक सेवा तंत्र को सुदृढ़ करने के लिए साझा दृष्टिकोण एवं प्रतिबद्धता को और मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम के रूप में हुआ। दोनों दिवसों के विचार-विमर्श से यह स्पष्ट हुआ कि न्याय तक पहुँच एक बहुआयामी अवधारणा है, जो केवल विवादों के न्यायिक निराकरण तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें विधिक जागरूकता, विवादों की रोकथाम एवं समाधान, कमजोर एवं संवेदनशील व्यक्तियों का संरक्षण, पुनर्वास, सामाजिक पुनर्समावेशन तथा समुदायों का सशक्तिकरण भी शामिल है। कॉन्फ्रेंस में मध्यस्थता एवं सामुदायिक स्तर पर विवाद समाधान, जनजातीय समुदायों एवं अन्य वंचित वर्गों के लिए प्रभावी विधिक सेवाएँ, बाल-अनुकूल न्याय एवं पुनर्वास तथा कारागार विधिक सेवाओं एवं रिहा हुए बंदियों के पुनर्समावेशन एवं उनके परिवारों के सहयोग के महत्व को प्रमुखता से रेखांकित किया गया।

धार में श्रद्धालुओं की वैन को ट्रॉले ने मारी टक्कर, गुजरात के 6 युवकों की मौत

धार। मध्य प्रदेश के धार जिले में बदनावर-उज्जैन फोरलेन पर रविवार दोपहर भीषण हादसे में गुजरात के छह युवकों की मौत हो गई। सभी श्रद्धालु मारुति ईको वैन में सवार होकर उज्जैन में महाकाल के दर्शन करने के बाद गुजरात लौट रहे थे। इसी दौरान रास्ते में उनकी वैन को गलत दिशा से आ रहे अनियंत्रित ट्रॉले ने जोरदार टक्कर मार दी, जिससे यह दुर्घटना घटी।मृतक युवकों में से अभी चार की ही पहचान हो सकी है। पुलिस के अनुसार गुजरात के कुछ युवक मारुति ईको वैन से उज्जैन में भगवान महाकाल के दर्शन करने के लिए आए थे। यहां से लौटते समय रविवार दोपहर करीब एक बजे पंचकवासा गांव के पास उज्जैन फोरलेन पर गलत दिशा से आ रहे एक अनियंत्रित ट्रॉले ने वैन को सामने से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि वैन के परखच्चे उड़ गए। हादसे की सूचना मिलते ही बदनावर थाना प्रभारी अमित सिंह कुशवाह और तहसीलदार सुरेश नागर पहुंचे और स्थानीय ग्रामीणों की मदद से वैन में फंसे शवों को बाहर निकाला गया। बदनावर थाना प्रभारी कुशवाह ने बताया कि हादसे में वैन में सवार छह युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। हादसा इतना भीषण था कि दो शवों को ग्राइंडर मशीन से वैन को काटकर निकाला गया। सभी महाकाल के दर्शन कर उज्जैन से वड़ोदरा लौट रहे थे। उन्होंने बताया कि हादसे के बाद फोरलेन पर कुछ देर के लिए यातायात प्रभावित हुआ, जिसे पुलिस ने सुचारु कराया। फिलहाल मृतकों की पहचान नहीं हो पाई है। शवों का पंचनामा बनाकर उन्हें बदनावर सिविल अस्पताल के शवगृह में रखवाया गया है, जहां उनका पोस्टमॉर्टम कराया जाएगा। धार के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विजय डाबर ने बताया कि हादसे में जान गंवाने वाले सभी 6 लोग आपस में दोस्त थे। मृतकों में से चार की पहचान नितेश भाई पुत्र प्रकाश भाई निवासी गोधरा, मयूर कुमार चौहान पुत्र प्रकाश भाई निवासी गोधरा, विशाल कुमार पुत्र रमेश भाई परमार निवासी पंचमहल और राकेश पुत्र भूपत भाई निवासी गोधरा के रूप में हुई है। दो अन्य मृतकों की पहचान अभी नहीं हो पाई है। ग्रामीणों के मुताबिक ट्रॉला बदनावर-उज्जैन फोरलेन पर गलत साइड से उज्जैन की ओर जा रहा था। ट्रॉले में लोहे का सामान भरा था। वहीं, मारुति ईको स्पोर्ट्स वैन उज्जैन से गुजरात की ओर जा रही थी।

पेज एक का शेष

'अब नहीं होगा...

करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस के शासनकाल में घरों पर तिरंगा फहराने के लिए न्यायालय की शरण लेनी पड़ती थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 140 करोड़ भारतीयों को आजादी दे दी है कि वे भारत के आन-बान और शान के प्रतीक तिरंगा को अपने घरों में लगाएं। प्रधानमंत्री ने इसके लिए कोड में संशोधन कर दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी क्रांतिकारियों, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करने के लिए पूरे देश में आन-बान-शान के प्रतीक तिरंगा यात्रा निकाल रही है। उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों और आजाद भारत के शिल्पकारों डॉ. राजेंद्र प्रसाद, बाबा साहेब भीमराव आंबडेकर, लौहपुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल आदि को याद करते हुए कहा कि राष्ट्रगीत के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में देश में वंदे मातरम का गान हो रहा है। यह तिरंगा यात्रा हुतात्माओं के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करने और पीएम मोदी के राष्ट्र प्रथम के मंत्र को आगे बढ़ाने का संकल्प भी है। यह मंत्र भारत के हर युवा के लिए प्रेरणा है. योगी ने कहा कि राष्ट्रगीत-राष्ट्रगान व राष्ट्र के प्रतीकों के प्रति जो काम 1947 के तत्काल बाद होना चाहिए था उसे 75 वर्ष क्यों लगे? ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि कुछ लोगों के लिए सत्ता सर्वोपरि थी, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए राष्ट्र प्रथम है। उन्होंने भारत के प्रतीकों, युवाओं, गरीबों, आधी आबादी, किसानों के लिए नई योजनाओं के साथ आगे बढ़ने के लिए उचित मंच देकर आदर्श प्रस्तुत किया है। यह तिरंगा यात्रा उसी की अभिव्यक्ति है। मुख्यमंत्री ने कहा कि युवा प्रतिभाशाली, ऊर्जा का प्रतीक है और वह देश की हर चुनौती का सामना करने का सामर्थ्य रखता है। युवा ऊर्जा को आगे बढ़ने के लिए उचित प्लेटफॉर्म हो, वह परंपरागत पाठ्यक्रम के साथ-साथ देश और समाज की चुनौतियों का सामना करने के लिए खुद को तैयार कर सके। इस भाव के साथ दुनिया का सबसे बड़ा राजनीतिक दल भारतीय जनता पार्टी पूरे देश में तिरंगा यात्रा निकाल रही है।

ममता की गाड़ी...

सुरक्षाकर्मियों ने दखल न दिया होता, तो स्थिति और खतरनाक हो सकती थी। आरोप है कि टीएमसी कार्यकर्ता बिरजू केओट की मौत पुलिस हिरासत में हो गई थी। बिरजू को हलीशहर पुलिस ने जबरन वसूली जैसे आरोपों के सिलसिले में गिरफ्तार किया था। शुक्रवार को उन्हें अदालत में पेश किया गया, जिसने उन्हें पांच दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया। शनिवार को उनकी मौत की खबर आई। बिरजू की पत्नी ने आरोप लगाया है कि लॉक-अप के अंदर उनकी पिटाई की गई और इससे उनकी मौत हुई।

बीएनएस का उद्देश्य...

हुए कहा कि उस समय वह राज्यों और केंद्र-शासित प्रदेशों की स्थिति की समीक्षा किया करते थे। उन्होंने कहा कि पुडुचेरी पुलिस ने लोगों, खासकर महिलाओं और बच्चों की सेवा के लिए अतिरिक्त प्रयास किए। पुडुचेरी और वहां के लोगों की प्रशंसा करते हुए शाह ने कहा कि करीब 230 वर्षों तक फ्रांसीसी शासन के अधीन रहने के बावजूद पुडुचेरी ने अपनी भारतीयता और आध्यात्मिक ऊर्जा को बनाए रखा है। उन्होंने इस आध्यात्मिक ऊर्जा का श्रेय ऑरबिंदो और मदर को दिया तथा कहा कि अब यह ऊर्जा पूरे देश में फैल चुकी है। राष्ट्रपति ध्वज भारत में किसी सैन्य या पुलिस इकाई को दिया जाने वाला सर्वोच्च सम्मान है। इसे प्रेसिडेंट कलर भी कहा जाता है। यह असाधारण सेवा, वीरता, अनुशासन और उत्कृष्ट कार्य के लिए प्रदान किया जाता है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने आठ मई को पुडुचेरी पुलिस की असाधारण सेवा, अनुशासन और विशिष्ट उपलब्धियों के सम्मान में उन्हें यह पुरस्कार देने की घोषणा की थी।

अमेरिका के साथ कोई ...

नहीं देखा जाना चाहिए। इससे पहले श्री अराघची ने कहा था कि ईरान और ओमान के बीच होर्मुज जलडमरूमध्य में नए समुद्री मार्ग स्थापित करने को लेकर बातचीत अंतिम चरण में पहुंच गयी है। उन्होंने हालांकि स्पष्ट किया था कि नए मार्गों का निर्धारण जलडमरूमध्य को दोबारा खोलने के समान नहीं है। उन्होंने कहा था कि मौजूदा समुद्री मार्गों को नए मार्गों से बदला जाएगा और दोनों देशों के विशेषज्ञ उनके नक्शों पर काम कर रहे हैं। जलडमरूमध्य को फिर से खोलने के लिए कई अन्य शर्तों की पूर्ति आवश्यक होगी। ईरानी विदेश मंत्री के अनुसार, इन शर्तों को मध्यस्थों के माध्यम से संबंधित पक्षों तक पहुंचाया गया है।

भारत नागरिकों की रक्षा...

से फिटनेस को प्राथमिकता देने का भी आह्वान किया और खेलो इंडिया तथा फिट इंडिया जैसी सरकारी पहलों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज से प्रेरित महाराष्ट्र की शौर्य और करुणा की परंपरा उसके खिलाड़ियों और पहलवानों के योगदान के माध्यम से जारी है। कार्यक्रम में महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, आयुष राज्य मंत्री प्रताप राव जाधव, महाराष्ट्र के उद्योग मंत्री उदय रविंद्र सामंत, सांसद डॉ. श्रीकांत लता एकनाथ शिंदे, सेना प्रमुख जनरल धीरज सेठ और वरिष्ठ सैन्य एवं नागरिक अधिकारी उपस्थित रहे। इस तरह के कार्यक्रम सैन्य अस्पतालों के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि पर्याप्त रक्त भंडार बनाए रखना सशस्त्र सेना चिकित्सा सेवाओं के लिए जरूरी है, क्योंकि इसके अस्पताल नियमित स्वास्थ्य सेवाओं के साथ-साथ सैन्य अभियानों, आघात और आपातकालीन परिस्थितियों से जुड़ी आवश्यकताओं को भी पूरा करते हैं।

मुख्यमंत्री धामी ने हर घर तिरंगा यात्रा में लिया हिस्सा प्रदेश वासियों से घरों पर तिरंगा फहराने का आह्वान

कैनविज टाइम्स संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को राजधानी के गांधी पार्क में आयोजित 'हर घर तिरंगा यात्रा' कार्यक्रम में भाग लिया और प्रदेशवासियों से स्वतंत्रता दिवस पर अपने-अपने घरों में तिरंगा फहराने का आह्वान किया।

मुख्यमंत्री धामी ने गांधी पार्क से घंटाघर तक हजारों लोगों के साथ तिरंगा यात्रा में हिस्सा लिया। इससे पहले उन्होंने घंटाघर स्थित उत्तराखंड आंदोलन के महानायक स्व. इंद्रमणि बडोनी और भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमाओं पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि तिरंगा यात्रा राष्ट्र गौरव का उत्सव है और तिरंगा करोड़ों भारतीयों के स्वाभिमान का प्रतीक है। स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों और वीर जवानों ने तिरंगे की आन-बान-शान की रक्षा की है। उन्होंने कहा कि भारत की एकता, अखंडता और संप्रभुता की रक्षा के लिए सभी को सदैव प्रतिबद्ध रहना चाहिए। राष्ट्रभक्ति की भावना देवभूमि के कण-कण में बसी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत महाशक्ति के रूप में आगे बढ़ रहा है। मेक इन इंडिया, डिजिटल क्रांति और स्वदेशी तकनीक के माध्यम से देश आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि भारत आज विभिन्न क्षेत्रों में दुनिया को नई दिशा दिखा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारतीय सेना का मनोबल मजबूत हुआ है। सर्जिकल स्ट्राइक और ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से भारत ने दुनिया को अपनी ताकत का परिचय दिया है। भारत रक्षा क्षेत्र में निर्यातक के रूप में भी आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड देवभूमि के साथ वीरभूमि भी है और प्रदेश की मिट्टी ने देश को अनगिनत वीर सैनिक दिए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार वीर जवानों, पूर्व सैनिकों और शहीद परिवारों के कल्याण के लिए लगातार काम कर रही है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश विकसित भारत-2047 के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है। राज्य में शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, बिजली, पानी और हवाई कनेक्टिविटी को मजबूत किया जा रहा है। 30 से अधिक क्षेत्रों में विशिष्ट नीतियों के माध्यम से विकास का रोडमैप तैयार किया गया है। उन्होंने कहा कि डबल इंजन सरकार के प्रयासों से उत्तराखंड विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है। राज्य की जीएसडीपी में पिछले एक वर्ष में 7.23 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है जबकि प्रतिव्यक्ति आय में 41 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

समयबद्धता व विश्वसनीयता में दिल्ली मेट्रो ने विश्व की अग्रणी मेट्रो प्रणालियों को पीछे छोड़ा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (डीएमआरसी) ने ट्रेनों के परिचालन की समयबद्धता और विश्वसनीयता में हांगकांग मेट्रो, पेरिस मेट्रो और न्यूयॉर्क सबवे जैसी दुनिया की अग्रणी मेट्रो प्रणालियों को पीछे छोड़ दिया है। कई मेट्रो प्रणालियां कई मिनट बाद ही देरी मानती हैं, जबकि दिल्ली मेट्रो 59 सेकंड से ज्यादा देरी पर भी उसे 'देरी' दर्ज करती है।

डीएमआरसी की तरफ से रविवार को जारी की गई जानकारी के मुताबिक दिल्ली मेट्रो की समयबद्धता साल 2026 में 99.95 फीसद है। दिल्ली मेट्रो ने अपनी शुरू में साल 2003 में 98.27 फीसदी, जो साल 2005 में बढ़कर 99.64 फीसदी हो गई। इस तरह डीएमआरसी ने शुरुआत के सिर्फ दो साल के भीतर ही 99 फीसदी से अधिक समयबद्धता हासिल करने वाली विशिष्ट मेट्रो प्रणालियों की श्रेणी में जगह बना ली। इसके बाद डीएमआरसी ने हर साल लगातार 99.9 फीसदी समयबद्धता हासिल की। दिल्ली मेट्रो ने व्यस्त कॉरिडोर पर ट्रेनों का अंतराल शुरुआती वर्षों में 7 मिनट से घटकर सिर्फ 2 मिनट 18 सेकंड कर लिया है। आमतौर पर जैसे-जैसे नेटवर्क और बेड़े का आकार बढ़ता है और समय के साथ रखरखाव की समस्याएं आती हैं, मेट्रो प्रणाली की समयबद्धता और विश्वसनीयता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। डीएमआरसी ने 23 साल के संचालन में इस मानदंड को झुठलाया है। डीएमआरसी की एक ट्रेन औसतन 27.2 लाख किलोमीटर चलने के बाद ही 1 बार ऐसी खराबी आती है जिससे सेवा प्रभावित हो। जानकारी के मुताबिक, 45 प्रमुख मेट्रो प्रणालियों के समूह कम्युनिटी ऑफ मेट्रोज (कॉमेट) द्वारा अंतरराष्ट्रीय बेंचमार्किंग के अनुसार विश्वसनीयता के मामले में दिल्ली मेट्रो लगातार दुनिया की शीर्ष 5 मेट्रो प्रणालियों में शामिल रही है। यह रैंकिंग 2 मिनट की देरी के मानदंड पर आधारित है। इसके अलावा डीएमआरसी भारत का सबसे बड़ा चालक रहित मेट्रो नेटवर्क भी संचालित करता है, जिसमें लगभग 29 फीसदी नेटवर्क बिना चालक दल के ट्रेन संचालन (यूटीओ) के तहत चलता है। 71.55 किमी लंबी और 45 स्टेशनों वाली लाइन 7 दुनिया की सबसे लंबी चालक रहित मेट्रो लाइन है और दुनिया की सबसे लंबी वृत्ताकार मेट्रो लाइनों में से एक है। यह ग्रे लाइन के एक छोटे हिस्से को छोड़कर दिल्ली मेट्रो के हर कॉरिडोर से जुड़ती है। इस लाइन ने शहर के केंद्र में इंटरचेंज की भीड़ को काफी कम किया है। विज्ञप्ति के मुताबिक, 25 दिसंबर 2002 को शाहदरा से तीसहजारी के बीच सिर्फ 8.4 किमी और 6 स्टेशनों के मामूली शुरुआत से दिल्ली मेट्रो आज 12 लाइनों पर 303 स्टेशनों के साथ 416.5 किमी तक फैले भारत के सबसे बड़े मेट्रो रेल नेटवर्क के रूप में संचालित होती है। इसमें 31 इंटरचेंज स्टेशन दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र को जोड़ते हैं। दैनिक सवारी पहले साल में लगभग 82,000 यात्रियों से बढ़कर 8 अगस्त 2025 को एक दिन में रिकॉर्ड 81 लाख यात्री तक पहुंच गई है।

दिल्ली भाजपा के पूर्व अध्यक्ष कोहली को पार्टी नेताओं ने पुष्पांजलि अर्पित की

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली भाजपा के पूर्व अध्यक्ष एवं गुजरात के पूर्व राज्यपाल प्रो. ओमप्रकाश कोहली की 92वें जयंती के अवसर पर दिल्ली भाजपा कार्यालय में पार्टी नेताओं और दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की। प्रदेश भाजपा उपाध्यक्ष सुनील यादव की अधयक्षता में आयोजित पुष्पांजलि कार्यक्रम में सांसद योगेंद्र चांदोलिया ने प्रथम पुष्पांजलि अर्पित करके एकत्र जनों के समक्ष प्रो. ओमप्रकाश कोहली से जुड़े कार्य संस्मरण रखे। योगेंद्र चांदोलिया के साथ पूर्व प्रदेशाध्यक्ष मनोज तिवारी, आदेश गुप्ता एवं वीरेंद्र सचदेवा, प्रदेश पदाधिकारियों राजेश भाटिया, सुनील यादव, योगिता सिंह, प्रवीण शंकर कपूर, विनोद बछेती, रंजीत कश्यप ने भी पुष्पांजलि अर्पित की। दिल्ली विधानसभ आध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने विशेष रूप से कार्यक्रम में सम्मिलित होकर प्रो. ओमप्रकाश कोहली के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की और कहा कि प्रो. कोहली ने विद्यार्थि काल से मुझ पर एक अमिट छाप छोड़ी जो आज भी मेरी प्रेरणा है। सांसद योगेंद्र चांदोलिया ने पुष्पांजलि बाद एकत्र जनों को संबोधित किया और कहा की आज हम दिल्ली भाजपा के पूर्व अध्यक्ष कोहली की जन्म जयंती मना रहे हैं। कोहली जी संगठन के पर्याय थे, उनकी सबसे बड़ी ताकत थी - बूथ स्तर तक कार्यकर्ता को जोड़ना और हर कार्यकर्ता को सम्मान देना। अनुशासन, समय की पाबंदी और सिद्धांतों पर समझौता न करना, यही प्रो. कोहली की सफलता एक लोकप्रियता का मूल मंत्र था। मतभेद होने पर भी वे संवाद से समाधान निकालते थे। संगठन को परिवार मानकर चलने वाले कोहली जी ने दिल्ली भाजपा को जमीन से जोड़ने का काम किया। आज उनकी जयंती पर हम संकल्प लें कि उनके दिखाए मार्ग पर चलकर संगठन को और मजबूत करेंगे।

कैग रिपोर्ट में कैजरीवाल सरकार पर हजारों करोड़ के ई-वे बिल, बिजली सब्सिडी में गड़बड़ी के आरोप

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। भारतीय जतना पार्टी दिल्ली प्रदेश ने नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) की हालिया रिपोर्ट के हवाले से पूर्व में केजरीवाल सरकार पर जीएसटी और बिजली सब्सिडी वितरण में व्यापक वित्तीय अनियमितताओं को लेकर गंभीर आरोप लगाए हैं।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता एवं दिल्ली सरकार में मंत्री प्रवेश वर्मा ने रविवार को यहां आयोजित संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए आम आदमी पार्टी (आआप) पर आरोप लगाया कि हम सभी जानते हैं कि केजरीवाल सरकार में कामों का कोई लेखा-जोखा नहीं होता था। डेढ़ साल के अंदर में हमारी सरकार के आते ही 24 रिपोर्ट आ चुकी हैं। हर रिपोर्ट में सैकड़ों-हज़ारों करोड़ का भ्रष्टाचार हमारे सामने आया है। जो दो दिन पहले रिपोर्ट आई, इसमें भी 3,500 करोड़ रुपये की अनियमितताएं पाई गईं। कैग की रिपोर्ट के मुताबिक, जीएसटी रजिस्ट्रेशन रद्द होने और टैक्स फाइल न करने के बावजूद अरबों रुपये के ई-वे बिल जनरेट किए गए, जिससे राज्य के राजस्व को भारी नुकसान हुआ है। उन्होंने बताया कि विधानसभा के मानसून सत्र में 24वीं कैग रिपोर्ट को पेश किया गया। कैग रिपोर्ट केजरीवाल सरकार का भ्रष्टाचार का रिटन डॉक्यूमेंट है। हर एक वित्तीय वर्ष में केजरीवाल सरकार क्या-क्या भ्रष्टाचार करती है, यह सब के बारे में कैग रिपोर्ट के डॉक्यूमेंट में हमारे सामने आता है। केजरीवाल सरकार कुल 8,334 ऐसे टैक्सपेयर्स, जिनका जीएसटी रजिस्ट्रेशन पहले ही रद्द कर दिया गया था, लगातार ई-वे बिल जनरेट करते रहे। इसके ज़रिए कुल 68,680 करोड़ रुपये के ई-वे बिल बनाए गए। ऐसे 4,076 लोग जिन्होंने कभी टैक्स फाइल ही नहीं किया, उन्होंने भी 11,635 करोड़ रुपये के ई-वे बिल जनरेट किए। कुल जनरेट हुए 6.10 करोड़ ई-वे बिलों में से केवल 0.10 प्रतिशत मामलों की जांच की गई। सरकार की ओर से मात्र 70 मामलों पर कार्रवाई हुई, जिनमें ही 3,071 करोड़ रुपये के राजस्व की हेराफ़ेरी का खुलासा हुआ। बिजली सब्सिडी योजना के तहत 50 हजार ऐसे उपभोक्ताओं को 17.81 करोड़ रुपये की सब्सिडी जारी कर दी गई, जिनका लगातार 12 महीनों तक बिजली खपत शून्य थी। रिपोर्ट के आधार पर आरोप लगाया गया है कि जीएसटी विभाग, संबंधित मंत्रियों और सरकार को इस पूरे फर्जीवाड़े और टैक्स चोरी की पूरी जानकारी थी। इसके बावजूद कोई सख्त कदम नहीं उठाया गया।

उन्होंने बताया कि कार्रवाई न करने का मुख्य कारण करदाताओं को डरा-धमकाकर अवैध वसूली और रिश्वतखोरी का नेटवर्क चलाना था। सरकारी टेंडरों और विभिन्न विभागों में भी इसी तरह की धांधली के संकेत मिलने की बात कही गई है। फिलहाल पूर्व सरकार से इस वित्तीय नुकसान पर जवाब मांगा जा रहा है।

सारण पुलिस ने डकैती और पोक्सो एक्ट में फरार तीन आरोपितों को किया गिरफ्तार

सारण। पुलिस की ओर से अपराधियों और फरार आरोपितों की धरपकड़ के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत पुलिस को सफलता मिली है। गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए गरखा और नगरा थाना पुलिस ने अलग-अलग मामलों में फरार तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया है। पहली कार्रवाई में गरखा थाना पुलिस ने डकैती के एक मामले में छापामारी कर दो फरार आरोपितों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के मेथवलिया गांव निवासी गजेंद्र साह के पुत्र मंटू कुमार और तरैया थाना क्षेत्र के गलियापुर गांव निवासी भुवनेश्वर साह के पुत्र सुरज कुमार के रूप में हुई। दूसरी कार्रवाई नगरा थाना पुलिस द्वारा की गई, जिसमें पोक्सो एक्ट और एससी/ एसटी एक्ट के मामले में नामजद आरोपित को गिरफ्तार किया गया। पकड़ा गया आरोपित अमनौर थाना क्षेत्र के पकड़ी गांव निवासी अनिल राम का पुत्र सूरज कुमार है। दोनों थाना प्रभारियों और पुलिस टीमों द्वारा की गई इस कार्रवाई के बाद गिरफ्तार आरोपितों के खिलाफ आगे की कानूनी प्रक्रिया पूरी की जा रही है।

एमबीबीएस फीस बढ़ोतरी मेधावी छात्रों और मध्यमवर्गीय परिवारों पर 'दोहरा' झटका : डॉ. चीमा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

चंडीगढ़। शिरोमणि अकाली दल के वरिष्ठ नेता और पूर्व शिक्षा मंत्री डॉ. दलजीत सिंह चीमा ने पंजाब में एमबीबीएस की फीस बढ़ाने के फैसले की कड़ी आलोचना करते हुए इसे मेधावी छात्रों और मध्यमवर्गीय परिवारों पर 'दोहरा झटका' करार दिया है।

डॉ. चीमा ने कहा कि चिकित्सा शिक्षा पहले ही महंगी है और ऐसे समय में सरकारी तथा निजी मेडिकल कॉलेजों की फीस में बढ़ोतरी से परिवारों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ेगा। उन्होंने बताया कि शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए सरकारी मेडिकल कॉलेजों में 5.5 वर्षीय एमबीबीएस पाठ्यक्रम की कुल ट्यूशन फीस 9.98 लाख रुपये से बढ़ाकर 10.83 लाख रुपये कर दी गई है। उन्होंने कहा कि निजी मेडिकल कॉलेजों में सरकारी कोटे की फीस 21.48 लाख रुपये से बढ़कर 25.22 लाख रुपये और प्रबंधन कोटे की फीस 55.25 लाख रुपये से बढ़कर 64.71 लाख रुपये कर दी गई है।

उन्होंने कहा कि सरकार एक तरफ चिकित्सा शिक्षा महंगी कर रही है, जबकि दूसरी तरफ युवा डॉक्टरों को पर्याप्त वेतन और सुरक्षित रोजगार उपलब्ध नहीं करा पा रही। उनके अनुसार सरकारी सेवा में कई युवा डॉक्टरों को करीब 50 हजार रुपये मासिक वेतन मिलता है। डॉ. चीमा ने मांग की कि सरकार फीस बढ़ोतरी पर पुनर्विचार करे, मेधावी एवं आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों के लिए छात्रवृत्ति और वित्तीय सहायता शुरू करे तथा युवा डॉक्टरों के लिए नियमित भर्ती, सम्मानजनक वेतन और स्पष्ट पदोन्नति नीति बनाए।

राहगीरी दिवस में सड़क सुरक्षा स्वच्छता और कचरा पृथक्करण का दिया गया संदेश

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) ने रविवार को डीएलएफ मिडटाउन प्लाजा शिवाजी महाराज मार्ग करमपुरा औद्योगिक क्षेत्र मोती नगर में राहगीरी दिवस का आयोजन किया। कार्यक्रम का उद्देश्य नागरिकों के बीच सड़क सुरक्षा, स्वच्छता और कचरा पृथक्करण के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा। कार्यक्रम का आयोजन सेंट्रल जोन (करोल बाग) के उपायुक्त दिलखुश मीणा के नेतृत्व में राहगीरी फाउंडेशन और वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग के सहयोग से किया गया। कार्यक्रम में 300 से अधिक नागरिकों, जिनमें लगभग 100S150 स्कूली छात्र शामिल थे, ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। नागरिकों और छात्रों की सहभागिता के लिए साइकिलिंग, फिटनेस गतिविधियां, इंटरैक्टिव गेम्स और जागरूकता कार्यक्रम सहित विभिन्न गतिविधियां आयोजित की गईं। कार्यक्रम के दौरान सड़क सुरक्षा, स्वच्छता, कचरा पृथक्करण और जिम्मेदार कचरा प्रबंधन के संबंध में जागरूकता पैदा करने पर विशेष जोर दिया गया। स्वच्छ भारत मिशन के तहत नागरिकों को स्रोत स्तर पर कचरे का पृथक्करण करने और सार्वजनिक स्थानों को स्वच्छ रखने के लिए प्रेरित किया गया। एमसीडी ने कार्यक्रम में ्जल्दबाजी में कचरा न फेंकें, कचरे को अलग-अलग करें् संदेश पर विशेष जोर दिया गया। नागरिकों से कचरे का उचित पृथक्करण करने और इसे अपनी दैनिक आदत का हिस्सा बनाने की अपील की गई। आयोजन में शहर को स्वच्छ और सुरक्षित बनाए रखने में नागरिकों की सक्रिय भागीदारी के महत्व पर जोर दिया। कार्यक्रम के माध्यम से विशेष रूप से युवाओं और छात्रों को स्वच्छ सड़कें, स्वच्छ हवा और स्वच्छ एवं स्वस्थ दिल्ली के निर्माण में योगदान देने के लिए प्रेरित किया गया।

मुख्यमंत्री ने उत्तराखंड क्षत्रिय कल्याण समिति की वेबसाइट और स्मारिका का किया विमोचन

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को अपने आवास में उत्तराखण्ड क्षत्रिय कल्याण समिति, देहरादून की वेबसाइट और क्षत्रिय जागरण स्मारिका का विमोचन किया। मुख्यमंत्री धामी ने क्षत्रिय कल्याण समिति के सदस्यों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह समिति, समाज को जागरूक करने और जरूरतमंद लोगों तक सहायता पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। उन्होंने समिति द्वारा किए जा रहे सामाजिक कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर आगे बढ़ने से प्रदेश को नई दिशा दी जा सकती है। उन्होंने युवाओं से भी सामाजिक कार्यों में सक्रिय भागीदारी करते हुए उत्तराखण्ड के विकास में अपना योगदान देने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि समाज के सर्वांगीण विकास में शिक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने समिति के पदाधिकारियों एवं सदस्यों से समाज में बच्चों की शिक्षा पर विशेष ध्यान देने, उन्हें बेहतर अवसर उपलब्ध कराने तथा विभिन्न क्षेत्रों में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करने का आह्वान किया।

हर घर तिरंगा अभियान का सुपौल में आगाज राष्ट्रध्वज के साथ दिखा देशभक्ति का उत्साह

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सुपौल। राष्ट्रभक्ति, राष्ट्रीय एकता और अखंडता की भावना को मजबूत करने के उद्देश्य से रविवार को सुपौल समाहरणालय परिसर से राष्ट्रव्यापी 'हर घर तिरंगा अभियान-2026' की शुरुआत की गई।

जिलाधिकारी सावन कुमार और उप विकास आयुक्त इंद्रवीर कुमार के नेतृत्व में आयोजित शुभारंभ कार्यक्रम में अधिकारियों के साथ विद्यार्थियों, जीविका दीदियों, भारत स्काउट एवं गाइड के सदस्यों तथा आम लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। अभियान के तहत समाहरणालय परिसर में तिरंगा प्रदर्शनी, 'सेल्फी विथ तिरंगा', तिरंगा रंगोली और वंदे मातरम गीत सहित विभिन्न गतिविधियां आयोजित की गईं। कार्यक्रम के दौरान परिसर में जगह-जगह तिरंगा दिखाई दिया और पूरा वातावरण देशभक्ति के रंग में सराबोर नजर आया। 'सेल्फी विथ तिरंगा' गतिविधि में लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। लोगों ने राष्ट्रध्वज के साथ तस्वीरें खिंचवाकर उसके प्रति सम्मान और राष्ट्रप्रेम का संदेश दिया। वहीं तिरंगा प्रदर्शनी और रंगोली ने कार्यक्रम को आकर्षक बनाया। वंदे मातरम के सामूहिक गायन के दौरान समाहरणालय परिसर में देशभक्ति का माहौल और अधिक उत्साहपूर्ण हो गया। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने अपने-अपने घरों पर तिरंगा फहराने तथा अभियान को व्यापक स्तर पर जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया। अधिकारियों ने कहा कि 'हर घर तिरंगा' केवल राष्ट्रध्वज फहराने का कार्यक्रम नहीं है, बल्कि यह देश के प्रति सम्मान, राष्ट्रीय एकता और नागरिक सहभागिता की भावना को मजबूत करने का माध्यम भी है। जिलाधिकारी सावन कुमार और उप विकास आयुक्त इंद्रवीर कुमार ने जिलेवासियों से अभियान में सक्रिय रूप से शामिल होने तथा स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अपने घरों पर तिरंगा फहराने की अपील की।कार्यक्रम में विभिन्न वर्गों की भागीदारी रही। आम्रपाली प्रशिक्षण केंद्र के विद्यार्थियों, जीविका दीदियों, भारत स्काउट एवं गाइड के सदस्यों तथा निशा डांस स्टूडियो के बच्चों ने कार्यक्रम में उत्साह के साथ हिस्सा लिया। उनकी मौजूदगी से आयोजन में विशेष ऊर्जा देखने को मिली। अधिकारियों और प्रतिभागियों ने राष्ट्रध्वज के प्रति सम्मान व्यक्त करते हुए राष्ट्रीय एकता और अखंडता को मजबूत करने का संदेश दिया। अधिकारियों ने कहा कि अभियान के दौरान अधिक से अधिक परिवारों और आम नागरिकों को जोड़ने का प्रयास किया जाएगा। इस अवसर पर वरीय उप समाहर्ता पुष्पा कुमारी, जिला कला एवं संस्कृति पदाधिकारी तारकेश्वर पटेल, जिला संगठन आयुक्त भारत स्काउट एवं गाइड संजय कुमार झा समेत स्काउट एवं गाइड के सदस्य, जीविका दीदियां, विद्यार्थी और बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

चेयरमैन एवं प्रधान सम्पादक - राकेश कुमार पाण्डेय कार्यकारी सम्पादक* - अरशद सईद खान स्टेट हेड - संदीप मिश्रा
स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश कुमार पाण्डेय द्वारा सरस्वती प्रिंटर्स वाटर वर्क्स रोड ऐशबाग, लखनऊ से मुद्रित एवं सी-46, कृष टॉवर, विभूति खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ, पिन-226010 से प्रकाशित। * इस अंक में प्रकाशित सभी समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के तहत उत्तरदायी।
समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय क्षेत्र के ही अधीन होंगे। फोन नं। 0522-4249333 फैक्स नं.- 4249333 e-mail : info@kanwhizztimes.com RNI NO - UPHIN/2012/42063